फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 306 प्रभात जयपुर, मंगलवार 9 जून, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

The Clothes That Make An Emperor

The Emperor was offering himself up as an object of worship, giving the people a darsan or "auspicious sight" of their sovereign, who is clad in three layers of pearl necklaces, earrings, turban, and a lungi: the apparel of a Hindu deity

Indianisation Of Mughal Durbar

टीएमसी के 20 सांसदों ने अलग गुट बनाकर एनडीए को बाहर से समर्थन दिया

20 सांसदों ने दो घंटे लंबी वार्ता के बाद यह निर्णय किया और स्पीकर को इससे अवगत कराया

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 जून। राज्य विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद, जब तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी विपक्षी गठबंधन में अपनी नई भूमिका तलाशने की कोशिश कर रही थीं, तभी उनकी पार्टी के अधिकांश सांसदों ने राष्ट्रीय संसद में अपनी अलग स्वतंत्र भूमिका निभाने के लिए अलग समूह बना लिया।

- यह निर्णय भाजपा के बेहद माफिक रहेगा, खासकर कई महत्वपूर्ण बिल पारित कराने में एनडीए सरकार को मदद मिलेगी।
- पर, भाजपा को इससे एक और बड़ा लाभ मिला है, अब उसे तृणमूल के विद्रोही सांसदों से सीधा सरोकार नहीं रखना पड़ेगा, क्योंकि प. बंगाल में इनकी छवि दागदार है, भ्रष्टाचार, सैक्स रैकेट चलाने जैसे गंभीर आरोप हैं इन पर, अगर भाजपा इन्हें साथ लेती है तो उसे भारी शर्मिंदगी उठानी पड़ सकती है।
- बागी सांसदों ने काकोली घोष दस्तीदार को अपने गुट का चीफ व्हिप बनाया है, यह पोस्ट ममता बनर्जी ने खत्म कर दी थी।

लोकसभा में तृणमूल कांग्रेस के 29 सांसदों में से 20 सांसदों ने ममता बनर्जी से अलग रास्ता अपनाने का फैसला किया। उन्होंने काकोली घोष दस्तिदार को पार्टी का मुख्य सचेतक (चीफ व्हिप) चुना। ममता बनर्जी ने उन्हें बिना किसी औपचारिक प्रक्रिया के इस पद से तुरंत हटा दिया था।

पार्टी के सांसदों ने, बंगाल चुनावों में सक्रिय भूमिका निभा चुके भाजपा के एक वरिष्ठ नेता के आवास पर दो घंटे तक बैठक की। बैठक में अलग होने वाले सांसदों की रणनीति तय की गई। प्रारंभिक रूप से यह निर्णय लिया गया कि एक नया समूह बनाया जाएगा, जो बाहर से एनडीए को समर्थन देगा।

यह काकोली के लिए बड़ी सफलता मानी जा रही है, क्योंकि अब उनके साथ 20 सांसद हैं और यह संख्या आगे बढ़ने की संभावना है।

एनडीए के साथ तालमेल की रणनीति तैयार करने का श्रेय काकोली घोष दस्तिदार को दिया जा रहा है। सबसे आश्चर्यजनक बात यह रही कि काकोली ने असंतुष्ट सांसदों को एकजुट किया। वे पिछले चालीस वर्षों से ममता बनर्जी की सबसे करीबी राजनीतिक सहयोगियों में से एक रही थीं।

काकोली ने सार्वजनिक रूप से कहा कि वे नैतिक कारणों से ममता बनर्जी से पूरी तरह अलग हो रही हैं। उनका आरोप था कि ममता सरकार के कामकाज से गंभीर नैतिक प्रश्न जुड़े हुए हैं। काकोली ने लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर 20 सांसदों के समर्थन की जानकारी भी दी।

भाजपा के लिए यह स्थिति बेहद लाभकारी मानी जा रही है। तृणमूल कांग्रेस से अलग हुए सांसदों के साथ इससे बेहतर समझौता शायद संभव नहीं था। महत्वपूर्ण विधेयकों पर भाजपा को 20 या उससे अधिक सांसदों का समर्थन मिल सकता है, जो उसके लिए बड़ी ताकत साबित होगा। साथ ही भाजपा को, तृणमूल कांग्रेस के उन सांसदों का बोझ नहीं उठाना पड़ेगा, जिनकी साख काफी हद तक कम हो चुकी है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पूर्व आईएएस सुबोध अग्रवाल की जमानत अर्जी खारिज

जयपुर, 8 जून। एसीबी मामलों की विशेष अदालत क्रम-2 ने जल जीवन मिशन घोटाले से जुड़े मामले में आरोपी तत्कालीन अतिरिक्त मुख्य जलदाय सचिव सुबोध अग्रवाल की जमानत अर्जी को खारिज कर दिया है। पीठासीन अधिकारी राजेश कुमार दडिया ने अपने आदेश में कहा कि इरकॉन कंपनी की ओर से ईमेल प्राप्त होने के बाद भी आरोपी ने मिलीभगत कर ठेका फर्म को अनुचित लाभ पहुंचाया, इसलिये उसे जमानत का लाभ नहीं दिया जा सकता।

जमानत अर्जी में कहा गया कि पीएचईडी में साल 2021 से 2023 तक श्री गणपति ट्यूबवेल और श्री श्याम ट्यूबवेल को 104 टेंडर न्यूनतम बोली दाता होने के नाते दिए गए थे। इनमें से जो टेंडर पांच करोड़ रुपए तक थे, उन्हें चीफ इंजीनियर के स्तर पर ही निपटा दिया गया था। वहीं पांच करोड़ से अधिक कीमत के 37 टेंडर में से 33 टेंडर प्रार्थी से पूर्व पदस्थापित अधिकारी ने अनुमोदित कर दिए थे। केवल चार टेंडर के कार्य आदेश प्रार्थी ने वित्त समिति के माध्यम से अनुमोदित किए

- एसीबी मामलों की विशेष अदालत ने जल जीवन मिशन घोटाले में आरोपी अग्रवाल को जमानत का लाभ देने से मना किया।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

इंडिया ब्लॉक की मीटिंग में ममता बेहद थकी और कमज़ोर नज़र आईं

इंडिया ब्लॉक की मीटिंग अनुपस्थित दलों व नेताओं की वजह से ज्यादा चर्चा में रही

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 जून। इंडिया ब्लॉक की आज की बैठक में उपस्थित नेताओं से ज्यादा चर्चा अनुपस्थित नेताओं की हुई। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी शामिल हुईं, लेकिन मौजूदा हालात में वे अपने पुराने व्यक्तित्व की सिर्फ परछाई जैसी लगीं, क्योंकि बताया जा रहा है कि 20 टीएमसी सांसदों ने सीधे भाजपा में शामिल होने के बजाय, संसद में अलग गुट बनाने का निर्णय लिया है।

- कॉन्स्टीट्यूशन क्लब में 23 गैर एनडीए पार्टियों की बैठक कांग्रेस के मल्लिकार्जुन खड़गे की अध्यक्षता में शुरु हुई। मीटिंग में डीएमके और आप ने हिस्सा नहीं लिया। आप पहले ही इंडिया ब्लॉक छोड़ चुकी है और अब द्रमुक भी अलग हो गई है, साथ ही सीपीएम भी नाराज़ है।
- बैठक से पहले कॉन्स्टीट्यूशन क्लब के आसपास इंडिया ब्लॉक विरोधी पोस्टर देखे गए।
- बैठक में गठबंधन के नेतृत्व के मुद्दे पर कोई चर्चा नहीं हुई, पर, एनडीए सरकार के खिलाफ संघर्ष के लिए 5 बिंदुओं पर सहमति बनी।

23 गैर-एनडीए पार्टियों के नेताओं की मीटिंग कांग्रेस अध्यक्ष एम मल्लिकार्जुन खड़गे की अध्यक्षता में संविधान क्लब में हुई और बताया जाता है कि भाजपा को चुनौती देने के लिए पाँच बिन्दुओं पर सहमति बनी। लेकिन विपक्षी समूह में मौजूद दरारें और लंबित विवाद स्पष्ट दिखाई दिए। आप और द्रमुक बैठक में शामिल नहीं हुए। द्रमुक इस बात पर नाराज़ है कि तमिलनाडु चुनाव के बाद कांग्रेस ने उसके साथ गठबंधन समाप्त कर दिया। इसके साथ ही, सीपीएम भी नाराज़ है, क्योंकि कांग्रेस ने केरल चुनावों के प्रचार के दौरान उसकी कड़ी आलोचना की।

बैठक से पहले, बैठक स्थल तथा उसके आसपास इंडिया ब्लॉक विरोधी पोस्टर देखे गए, जिनमें ममता बनर्जी, पिनाराई विजयन और शरद पवार जैसे नेताओं के बयान शामिल थे। पोस्टरों में एक साझा टैगलाइन थी, जो इंडिया ब्लॉक की एकजुटता पर सवाल उठा रही थी। जहाँ यह संदेह है कि ये पोस्टर भाजपा के कार्यकर्ताओं ने लगाए हों, वहीं विपक्षी ब्लॉक के लिए संदेश स्पष्ट रूप से सकारात्मक नहीं था।

यदि बैठक का उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रीय पार्टियों के बीच विवाद या शत्रुता को खत्म करना था, तो यह उद्देश्य पूरी तरह सफल होता दिखाई नहीं दिया। इंडिया ब्लॉक के नेताओं ने कुछ व्यापक मुद्दों पर सहमति बनाई: शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान से इस्तीफे की सामूहिक मांग और मतदाता सूचियों के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) से जुड़ी चिन्ताओं के संबंध में मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखने का निर्णय। लेकिन समूह के नेतृत्व और राष्ट्रीय स्तर पर रैलियों और प्रदर्शन आयोजित करने के योजनाओं पर चुप्पी रही।

फिर भी एक सकारात्मक संकेत जरूर मिला-एनडीए के खिलाफ

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नीट पेपर बनाने वालों को पूर्ण ''आइसोलेशन'' में रखा गया है

तकरीबन 20 दिन पहले कुछ टीचर्स और विषय के विशेषज्ञों की टीम बनाई गई थी, तब से वे किसी के सम्पर्क में नहीं हैं, उन्हें फोन या इन्टरनैट की सुविधा भी नहीं दी गई है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 जून। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने 21 जून को होने वाले नीट री-एग्जाम के लिए सुरक्षा उपायों को काफी कड़ा कर दिया है, ताकि परीक्षा या प्रश्नपत्र सुरक्षा में किसी भी प्रकार के उल्लंघन को रोका जा सके। यह कदम 3 मई की परीक्षा को देशभर में रद्द करने के बाद उठाया गया, जब पेपर लीक के आरोप लगे थे, जिससे 22 लाख से अधिक छात्रों में व्यापक चिंता उत्पन्न हुई और परीक्षा प्रक्रिया की सत्यनिष्ठा पर सवाल उठे।

- नैशनल टैस्टिंग एजेंसी ने नीट एग्ज़ाम के प्रश्न पत्रों की सुरक्षा के लिए भारी व्यवस्था की है। टीचर्स और एक्सपर्ट्स की जिस टीम को आइसोलेशन में रखा गया है, वह 21 जून को पेपर हो जाने तक किसी से भी संपर्क नहीं कर सकेगी।
- प्रश्न पत्र के ट्रांसपोर्टेशन के लिए भारतीय वायु सेना के विमानों का इस्तेमाल किया जाएगा, इसके अलावा परीक्षा ड्यूटी के लिए 5 लाख सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए हैं।
- एनटीए ने एआई से चलने वाले सर्विलांस कैमरा लगाए हैं तथा सोशल मीडिया पर भी निगरानी बढ़ा दी है।

एनटीए द्वारा भारतीय वायु सेना से भी मदद मांगी गई है, ताकि प्रश्नपत्र हेलीकॉप्टरों के जरिए पहुंचाए जा सकें। प्रश्नपत्र तैयार करने की प्रक्रिया को अभूतपूर्व सुरक्षा के तहत रखा गया है। लगभग 20 दिन पहले प्रश्न पत्र तैयार करने के लिये शिक्षकों और विषय विशेषज्ञों की एक टीम बनाई गई थी। तब से उन्हें पूरी तरह से आइसोलेशन में रखा गया है, फोन या इंटरनेट तक उनकी पहुँच नहीं है और बाहरी दुनिया से भी न्यूनतम संपर्क है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विशाखापत्तनम स्टील प्लांट में आग से आठ श्रमिकों की मौत

हैदराबाद, 08 जून। आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम स्थित स्टील प्लांट में सोमवार को हुए भीषण हादसे में अब तक आठ श्रमिकों की मौत हो चुकी है, जबकि कई अन्य घायल बताए जा रहे हैं।

जानकारी के अनुसार, प्लांट की एसएमएस-2 यूनिट में उस समय दुर्घटना हुई, जब गर्म धातु की बाल्टियां (लैडल्स) गिरने के कारण पिघला हुआ स्टील लीक हो गया। इसके बाद यूनिट में भीषण आग भड़क उठी, जिसकी चपेट में कई श्रमिक आ गए।

- गर्म धातु की बाल्टियां गिरने से पिघला हुआ स्टील लीक हो गया और भीषण आग लग गई।

प्रारंभिक रिपोर्ट में बताया गया है कि कई श्रमिक गंभीर रूप से झुलस गए हैं, जबकि कुछ के यूनिट के भीतर फंसे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमेरिका-इज़रायल को कुछ सफलताएं मिलीं, पर निर्णायक जीत नहीं

अमेरिका-इज़रायल के साथ युद्ध में ईरान अपने बचे रहने को ही अपनी जीत मान रहा है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 जून। संयुक्त राज्य अमेरिका और इज़रायल द्वारा ईरान पर सैन्य अभियान शुरू किए जाने के सौ दिन बाद, यह टकराव एक ऐसे गतिरोध में बदल गया है, जिसमें कोई स्पष्ट विजेता नहीं है। जिसे शुरु में एक छोटी और निर्णायक मुहिम माना जा रहा था, वह अब मिसाइल हमलों, आर्थिक व्यवधान, कूटनीतिक गतिरोध और बढ़ती क्षेत्रीय अस्थिरता के बीच लंबा संघर्ष बन गया है। अप्रैल में की गई युद्धविराम की घोषणा के बावजूद, छुटपुट हमले जारी हैं और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हॉर्मुज़ स्ट्रेट अब भी काफी हद तक बाधित है।

- ईरान-यूएस वॉर के 100 दिन पूरे हो चुके हैं और अभी तक युद्ध खत्म नहीं हुआ है। इस जंग से सबसे बड़ा नुकसान मिडिल ईस्ट देशों को हुआ है। यहाँ हजारों नागरिक मारे जा चुके हैं, आर्थिक गतिविधियाँ थम गई हैं।
- वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भी जंग का प्रभाव पड़ा है। हॉर्मुज़ स्ट्रेट अवरुद्ध होने से विश्व भर में तेल व ऊर्जा की आपूर्ति व्यवस्था बिगड़ी है।
- भारत पर भी इस जंग का बड़ा भारी असर हुआ है। तेल की कीमतें बढ़ने से महंगाई बढ़ी है और करैन्ट अकाउन्ट डैफिसिट भी बढ़ सकता है। इसके अलावा भारत के लाखों लोग खाड़ी देशों में काम करते हैं, इनकी सुरक्षा भी एक बड़ा प्रश्न है।

संयुक्त राज्य अमेरिका और इज़रायल ने कुछ सामरिक सफलताएँ हासिल की हैं, लेकिन निर्णायक जीत नहीं। उनके प्रारंभिक उद्देश्य, ईरान के परमाणु कार्यक्रम को कमज़ोर करना, उसकी मिसाइल क्षमताओं को घटाना और तेहरान के क्षेत्रीय प्रभाव को कम करना था। महत्वपूर्ण मिलिटरी इन्फ्रास्ट्रक्चर को नुकसान पहुंचा है, और ईरानी नेतृत्व को गंभीर क्षति हुई है। हालांकि, ईरान की राज्य संरचना (स्टेट स्ट्रक्चर) अब भी अडिग है, उसकी सेना काम कर रही है, और उसकी मिसाइल क्षमता समाप्त नहीं हुई है।

इसी बीच, ईरान खुद के बचे रहने को ही जीत मानता है। लगातार बमबारी, प्रतिबंध और कूटनीतिक दबाव के बावजूद, शासन ढह नहीं सका। तेहरान मिसाइल और ड्रोन हमले जारी रखे हुए है, क्षेत्रीय सहयोगियों के माध्यम से अपना प्रभाव बनाए हुए है और उसने वैश्विक एनर्जी मार्केट में व्यवधान पैदा करने की अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया है। ईरान के दृष्टिकोण से, संयुक्त राज्य अमेरिका और इज़रायल की संयुक्त सैन्य ताकत के खिलाफ केवल जीवित बने रहना ही एक रणनीतिक उपलब्धि है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

फिलिपींस में 7.8 तीव्रता के भूकंप ने तबाही मचाई

मनीला, 08 जून। फिलीपींस के दक्षिणी हिस्से में सोमवार सुबह आए 7.8 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप ने भारी तबाही मचा दी। इसमें कम से कम 19 लोगों की मौत हो गई, जबकि 134 लोग घायल हुए हैं। कई इमारतों को नुकसान पहुंचा है और कुछ ढ ह गई हैं। भूकंप के बाद पूरे एशिया में सुनामी की चेतावनी जारी की गई थी, जिसे बाद में अधिकांश क्षेत्रों के लिए वापस ले लिया गया।

- 19 लोगों की मौत हुई, 134 घायल हुए, पूरे एशिया में सुनामी की चेतावनी।

फिलीपींस की सरकारी समाचार संस्था फ़िलिपीन न्यूज़ एजेंसी और यूनाइटेड स्टेट्स जियोलॉजिकल सर्वे के अनुसार भूकंप सोमवार सुबह मिंडानाओ में द्वीप के पास आया। फ़िलिपीन इंस्टीट्यूट ऑफ़

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राजस्थान पुलिस में पदोन्नति व वैकेंसी प्रकरण में हाईकोर्ट ने अपने 9 साल पुराने फैसले का रिव्यू किया

वर्ष 2009 से चल रहे इस प्रकरण पर हाईकोर्ट की खंडपीठ अब जुलाई माह में पुनः सुनवाई करेगी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 8 जून। राजस्थान हाईकोर्ट की खंडपीठ ने राजस्थान पुलिस सर्विस में सब इंस्पेक्टर से इंस्पेक्टर तथा इंस्पेक्टर से ऊपरी पदों पर वैकेंसी निर्धारित करने और पदोन्नति से इन पदों को भरने से जुड़े मामले में 9 वर्ष बाद अपना फैसला वापस लिया है। कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश एस.पी.शर्मा और न्यायाधीश आशुतोष कुमार की खंडपीठ ने कहा है कि वर्ष 2017 में सुनाए गए फैसले में 12 अपीलों पर निर्णय दिया गया था, परंतु इस मामले में एकलपीठ के समक्ष 41 याचिकाएं दायर हुई थीं। अदालत ने अपने फैसले को रिव्यू करते हुए सुपीम कोर्ट के फैसलों का भी जिक्र किया। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि वर्ष 2017 में सुनाया गया फैसला 12 याचिकाओं पर सुनवाई के बाद किया गया निर्णय था, जिसमें राज्य सरकार की अपीलों के आधार पर याचिकाएं दायर हुई थीं, परंतु इसका तात्पर्य यह नहीं है कि 41 याचिकाओं में शेष बचे हुए मामलों को नज़रअंदाज़ कर दिया जाए अथवा उन्हें सुनवाई का मौका नहीं दिया जाए। ऐसे में अब हाईकोर्ट इन तमाम 41 याचिकाओं पर जुलाई माह में सुनवाई करते हुए निष्कर्ष पर पहुंचेगा, तब तक राज्य सरकार याचिकाकर्ताओं के खिलाफ दंडात्मक कार्यवाही नहीं कर सकेगी। इस मामले में अभिषेक पारीक व अन्य की ओर से हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई थी। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता सुनील समदड़िया पैरवी के लिए पेश हुए थे।

- अदालत ने नाराज़गी जताते हुए कहा कि गृह विभाग और राजस्थान पुलिस द्वारा रिक्त पदों को लेकर दी जा रही जानकारियां स्पष्ट नहीं है।

ज्ञात रहे कि वर्ष 2009 से 2013 के बीच राजस्थान पुलिस सर्विसेज़ में प्रत्येक वर्ष प्रमोशन के लिए कितनी वैकेंसी निर्धारित की जाएं, इससे जुड़े मामले पहले अपीलीय अधिकरण (ट्रिब्यूनल) तथा इसके बाद हाईकोर्ट की एकलपीठ में पहुंचे थे। इस दौरान ट्रिब्यूनल ने अपने आदेश में कहा था कि राजस्थान पुलिस सर्विस में जितने पद रिक्त हैं, उन पर भर्ती करने के साथ-साथ अपेक्षित पदों पर भी भर्ती का विकल्प रखा जाए। परंतु जब यह प्रकरण हाईकोर्ट की एकलपीठ में पहुंचा तो वर्ष नवंबर-2013 में अदालत ने आदेश दिया कि सिर्फ मौजूदा रिक्त पदों पर ही भर्ती की जाए। इसके बाद प्रकरण हाईकोर्ट की खंडपीठ के समक्ष पहुंचा, जहां अदालत ने ट्रिब्यूनल के फैसले को सही ठहराते हुए रिक्त पदों के साथ-साथ अपेक्षित पदों के मुताबिक भर्ती करने का आदेश दिया। हालांकि खंडपीठ ने वर्ष 2017 में यह आदेश 41 याचिकाओं में से मात्र 12 याचिकाओं पर सुनवाई के बाद ही दिया था।

हाईकोर्ट की खंडपीठ ने गत 22 मई 2026 को अपने 9 वर्ष पुराने फैसले को रिव्यू करते हुए तमाम 41 याचिकाओं को सुनने के बाद ही फैसला देने का निर्णय लिया है। इस पर सुनवाई आगामी जुलाई माह में होगी। अदालत ने सुनवाई के दौरान कहा कि इस मामले में स्पष्ट है कि गृह विभाग और राजस्थान पुलिस के महकमे के बीच कोई स्पष्ट तालमेल नज़र नहीं आ रहा है, क्योंकि आर.टी.आई. में विभाग द्वारा दी गई जानकारियां और रिक्त पदों के आंकड़े अलग-अलग बताए जा रहे हैं।

अदालत ने कहा कि आर.टी.आई. में एक सब इंस्पेक्टर को गृह विभाग ने जवाब दिया कि वर्ष 2009-10 में 87 पद खाली थे। वर्ष 2010-11 में 148 पद, 2011-12 में 297, 2012-13 में 264 पद खाली बताए गए। इसी तरह किसी अन्य व्यक्ति को आर.टी.आई. में ये पद क्रमशः 43, 30 व 55 रिक्त बताए गए। इसी तरह एक अन्य व्यक्ति को 43, 309 और 55 पद खाली होने की जानकारी दी गई। इससे साफ जाहिर होता है कि गृह विभाग और राजस्थान पुलिस के बीच आंकड़ों का अंतर है, दोनों विभाग खाली पदों की स्थिति को लेकर स्पष्ट नहीं है। ऐसे में अब इस प्रकरण की पूरी सुनवाई जुलाई माह में तमाम 41 याचिकाओं को लेकर की जाएगी।

जुलाई में दस्तखत होंगे, भारत-अमेरिका ट्रेड डील पर

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 जून। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि भारत और अमेरिका के बीच लंबे समय से प्रतीक्षित व्यापार समझौते (ट्रेड डील) की पहली किस्त (फर्स्ट ट्रांच) पर जुलाई की शुरुआत में ही

- केन्द्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने यह जानकारी दी और यह भी कहा कि टैरिफ के तनाव के बाद भी दोनों देशों के बीच ट्रेड डील पर चर्चा अंतिम दौर में पहुँच गई है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

आपत्ति मनुष्य बनाती है और संपत्ति राक्षस। –विक्टर ह्यूगो

कॉकरोच जनता पार्टी का भविष्य – असमंजस ही असमंजस

आखिरकार, 6 जून 2026 को दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी (सी जे पी) का बहुचर्चित प्रदर्शन हो ही गया। जब से सी जे पी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने 6 जून को अमेरिका से दिल्ली आने एवं जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की बात कही थी, तभी से, इस संबंध में कई प्रकार की अटकलें और कयास लगाये जा रहे थे। अधिकांश लोगों का मानना था कि दिल्ली पुलिस किसी भी सूरत में अभिजीत दीपके को प्रदर्शन की अनुमति नहीं देगी, क्योंकि जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के लिए दिल्ली पुलिस से अनुमति के लिए कम से कम 10 दिन पूर्व आवेदन करना होता है। अभिजीत ने यह कहा था कि वह 6 जून को अमेरिका से एयरपोर्ट आते ही सबसे पहले संसद मार्ग पुलिस स्टेशन पर जाकर अनुमति लेंगे और उसी के बाद जंतर-मंतर पर प्रदर्शन होगा।

सभी अटकलों और अनुमानों को गलत सिद्ध करते हुए अप्रत्याशित रूप से दिल्ली पुलिस ने अभिजीत के दिल्ली पहुंचने से पहले ही कुछ शर्तों के साथ सी जे पी को प्रदर्शन की अनुमति दे दी। यह उल्लेखनीय है कि कई दिनों से सी जे पी नीट पेपर लीक, सीबीएसई और एन टी ए की लचर और भ्रष्ट कार्यप्रणाली से लगभग एक करोड़ बच्चों का भविष्य बुरी तरह प्रभावित होने के कारण शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को हटाने की मांग कर रहे थे।

इंस्टाग्राम पर सी जे पी के 2 करोड़ से अधिक फॉलोअर्स एक सप्ताह में हो गए थे। सोशल मीडिया का यह आंदोलन धरातल पर वास्तव में कितना उतर पाएगा यह जानने की उत्सुकता सबको थी। यह अनुमान लगाया जा रहा था कि कितने लोग जंतर-मंतर पर प्रदर्शन हेतु एकत्र होंगे? प्रारंभ में तो यही लग रहा था कि अभिजीत दीपके को एयरपोर्ट पर उतरते ही पुलिस गिरफ्तार कर लेगी और किसी प्रकार का प्रदर्शन जंतर-मंतर पर यह सरकार नहीं होने देगी। वैसे भी, वर्तमान केंद्र सरकार न किसी भी प्रकार के विरोध प्रदर्शन के प्रति कोई उदारता या नरमी अब तक नहीं दिखाई थी।

यह प्रदर्शन पूरी तरह गैर राजनीतिक था और केवल युवाओं के द्वारा ही आयोजित था। दिल्ली में सी जे पी के प्रवक्ता सौरव दास 6 जून से पहले मीडिया को निरंतर इस बारे में जानकारी दे रहे थे।

6 जून को दिल्ली पुलिस ने व्यवस्था को बनाए रखने के लिए भारी इंतजाम किया था, क्योंकि संख्या के बारे में कोई भी अनुमान नहीं लगाया जा सकता था। प्रातः काल कुछ सौ लोग ही जंतर-मंतर पर इकट्ठे हुए थे, किंतु धीरे-धीरे इनकी संख्या बढ़ती गई। मीडिया में भी इसको पूरी तरह कवर किया गया। मीडिया कर्मियों द्वारा लोगों से बातचीत के आधार पर यह तो स्पष्ट हो ही गया कि इस प्रदर्शन में भाग लेने वाले लोग स्वेच्छा से आए थे और उनमें अधिकांश युवा थे। इसमें अन्य राजनीतिक दलों की रैलियों और सभाओं की तरह लोगों को बसों में भरकर, पैसे देकर इकट्ठा नहीं किया गया था। आने वालों के लिए भोजन, किराए की व्यवस्था नहीं की गई थी। भाग लेने वाले इतनी गर्मी और उमस में भी अपनी इच्छा से आए और डटे रहे। वे इस आंदोलन में आशा की एक किरण देख रहे थे। इनमें देश के लगभग सभी राज्यों से युवा आए थे। इनमें जहां छात्र थे, वहीं कई छात्रों के अभिभावक भी थे। कुछ शिक्षाविद, कलाकार भी थे जो शिक्षा की खराब होती स्थिति के बारे में चिंतित थे।

भाजपा सरकार ने जिस प्रकार अप्रत्याशित रूप से बिना किसी परेशानी के प्रदर्शन की अनुमति जंतर-मंतर पर दे दी, इससे उसने अपनी समझदारी और विवेक का ही परिचय दिया। इससे अनेक लोगों ने यह अर्थ निकाल लिया कि कहीं यह बात भाजपा की ही चाल तो नहीं है? प्रदर्शन की धार को कुंद करने की दिशा में यह कदम एक प्रकार से मास्टर स्ट्रोक कहा जा सकता है। यदि दिल्ली पुलिस अनुमति नहीं देती तो इससे टकराव होता और संभवतया बहुत तेजी से फैल सकता था।

आयोजकों के पक्ष में यह बात अवश्य जाती है कि उन्होंने इसको पूरी तरह अहिंसात्मक बनाकर रखा और प्रदर्शनकारियों ने भी संयम से काम लिया। हिंदू रक्षा दल के कुछ लोगों ने मीडिया पर यह धमकी दे रखी थी कि शिक्षा मंत्री का इस्तीफा मांगने वालों को लाठियों से पीटा जाएगा और उन्हें थप्पड़ों से मारा इतना मारेंगे कि कि वे उम्र भर याद रखेंगे। इस प्रकार के लोग 15-20 की संख्या में ही थे, जिन्हें पुलिस ने तत्काल हिरासत में ले लिया। इसे पुलिस का निष्पक्ष व्यवहार झलकता है।

प्रारंभ में अभिजीत ने घोषणा की थी कि जब तक शिक्षा मंत्री का इस्तीफा नहीं होगा, तब तक प्रदर्शन जारी रहेगा, किंतु लगभग 4:00 बजे के आसपास इसे समाप्त कर दिया गया और सरकार को अल्टीमेटम दिया कि यदि शिक्षा मंत्री ने अपना पद एक सप्ताह में नहीं छोड़ा तो अगले शनिवार को देश भर में प्रदर्शन होंगे। यह आश्चर्यजनक है कि इतने विरोध के बावजूद, अक्षम सिद्ध शिक्षा मंत्री का इस्तीफा नहीं हुआ है। शायद सरकार दबाव के आगे नहीं झुकने का संकेत देना चाहती है। भाजपा को जिताने के लिए भले ही धर्मेंद्र प्रधान उपयोगी रहे हों, किंतु शिक्षा मंत्री के रूप में उन्होंने जितना नुकसान शिक्षा व्यवस्था और विशेष कर परीक्षाओं के संचालन के संबंध में कर दिया है, उसकी भरपाई नहीं हो सकती।

विपक्ष के लिए एक अवसर था कि वह इस प्रदर्शन को जोर-शोर से समर्थन देते। प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस इस अवसर का लाभ उठाने से चूक गई और इसके नेताओं ने इसे भाजपा का षड्यंत्र बता कर इस आंदोलन को हल्का करने का ही काम किया है। यदि विपक्ष वास्तव में सत्ता की गलत नीतियों का विरोध करने में इतना ही समर्थ और सक्षम होता तथा एकजुट होता तो शायद कॉकरोच जनता पार्टी जैसे आंदोलन का कोई जन्म ही नहीं होता। विपक्ष दल चूंकि पूरी तरह राजनीति में उलझ कर रह गए और अपनी अपनी रोटियां सेंकने में लगे गए, इंडी 'गठबंधन' भी लगभग बिखर सा गया है। इसी रिक्त स्थान को भरने का काम कॉकरोच जनता पार्टी ने किया है।

> **विपक्ष के लिए एक अवसर था कि वह इस प्रदर्शन को जोर-शोर से समर्थन देते । प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस इस अवसर का लाभ उठाने से चूक गई और इसके नेताओं ने इसे भाजपा का षड्यंत्र बता कर इस आंदोलन को हल्का करने का ही काम किया है। यदि विपक्ष वास्तव में सत्ता की गलत नीतियों का विरोध करने में इतना ही समर्थ और सक्षम होता तथा एकजुट होता तो शायद कॉकरोच जनता पार्टी जैसे आंदोलन का कोई जन्म ही नहीं होता।**

सी जे पी के संदर्भ में एक बात विशेषकर उल्लेखनीय है कि उसके नेताओं ने अब तक मुद्दों को सर्वोपरि रखा, न कि व्यक्ति विशेष को। इस प्रदर्शन में लद्दाख के पर्यावरण विद् और शिक्षाविद सोनम वांगचुक की उपस्थिति बड़ी महत्वपूर्ण रही। उन्होंने उपस्थित युवा समुदाय को संबोधित भी किया। 6 जून के आंदोलन के पश्चात भी यह स्पष्ट नहीं हो पा रहा है कि यह किस दिशा में जाएगा? क्या यह किसी जन क्रांति का रूप लेगा या केवल कुछ दिनों तक शक्ति प्रदर्शन करने के पश्चात बिखर सा जाएगा।

भाजपा ने अपने आई टी सेल के माध्यम से सोशल मीडिया पर यह प्रसारित करने का प्रयास किया कि यह आंदोलन विदेशियों द्वारा समर्थित द्वारा है। जिस प्रकार से सी जे पी के प्रवक्ता सौरव दास ने मीडिया के प्रश्नों के उत्तर दिए, उससे यह तो स्पष्ट है कि बेरोजगार युवाओं को कॉकरोच पार्टी के रूप में एक अच्छा मंच दिखाई दे रहा है, तो वे इस अवसर को आसानी से जाने नहीं देंगे। अब, यह विपक्ष दलों के रुख पर निर्भर करता है कि क्या वे इस आंदोलन में पूरी शक्ति से जुड़ते हैं या नहीं?

इस आंदोलन का परिणाम क्या होगा यह तो भविष्य बताएगा।

एक प्रमुख प्रश्न यह है कि क्या सी जे पी एक राजनीतिक दल के रूप में चुनावी राजनीति में उतरेगी या केवल एक सामाजिक आंदोलन के रूप में सरकार को जवाबदेह बनाने का काम करेगी? चुनाव में भाजपा की रणनीति का मुकाबला करके सफलता हासिल करना बहुत टेढ़ी खीर होगा। यह तब ही संभव है जब भाजपा के समर्थक कई युवा भी भाजपा से मोह भंग होने पर कॉकरोच जनता पार्टी का समर्थन करें।

कुछ बड़े पत्रकारों ने जब प्रधानमंत्री बनने से पहले नरेंद्र मोदी से 2014 में साक्षात्कार लिया था तो उन्होंने सबसे बड़ी प्राथमिकता शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार को बताया था। जैसे-जैसे समय निकलता गया, शिक्षा का मुद्दा गौण हो गया। इसी कारण देश में शिक्षा की स्थिति बहुत दयनीय हो चुकी है।

यदि यह आंदोलन सरकार की जवाबदेही सुनिश्चित करने में और और शिक्षा तथा स्वास्थ्य जैसे मूलभूत विषयों को सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता बनाने में सफल होता है, तो इसे सार्थक माना जायेगा। यह एक बड़ी उपलब्धि के रूप में देखा जाना चाहिए।

राजनीतिक दलों की आदत होती है कि वह किसी भी जन समुदाय के सैलाब पर सवार होकर अपनी चुनावी रणनीति को सफल बनाने का प्रयास करते हैं। कॉकरोच जनता पार्टी के सामने बड़ी चुनौती है कि वह ऐसा नहीं होने दे। यदि ऐसा हुआ, तो यह सामान्य युवा का उनमें अब तक का उत्पन्न विश्वास तोड़ने जैसा होगा। यदि कॉकरोच जनता पार्टी एक राजनीतिक दल के रूप में पंजीकरण कर के चुनाव लड़ने का निर्णय लेती है तो उसे आम आदमी पार्टी के हश्र को भी ध्यान में रखना चाहिए। उसके नेताओं ने वह सब करना प्रारंभ कर दिया था जो अन्य सभी राजनीतिक दलों के नेता करते हैं। यही उसके पराभव का कारण बना।

यह सही है कि कॉकरोच जनता पार्टी का जन्म भारत के मुख्य न्यायाधीश द्वारा बेरोजगार युवाओं की कॉकरोच से तुलना करने की गई एक टिप्पणी से हुआ, जिसे अमेरिका में जन संपर्क की पढ़ाई करने वाले, महाराष्ट्र के अभिजीत दीपके ने एक बड़े सोशल मीडिया आंदोलन में परिवर्तित कर दिया और अप्रत्याशित रूप से उसे लाखों, करोड़ों लोगों का समर्थन भी मिल गया। क्या भविष्य में वही इसका चेहरा बन जाएंगे या मुद्दों को आगे रखा जाएगा और चेहरे को पीछे रखा जाएगा, यह कहना कठिन है। भारत के नागरिकों की एक विशेषता रही है, कि वे किसी चेहरे के पीछे चलना अधिक पसंद करते हैं। भाजपा की सफलता के पीछे भी मोदी जी का चेहरा ही रहा। उनमें एक ऐसे नेता की छवि प्रारंभ में दिखाई दी जो उन्हें सभी समस्याओं से मुक्ति दिला देगा। अब चूंकि यह छवि धीरे-धीरे धुंधली होती जा रही है, तो यह अवसर कॉकरोच जनता पार्टी के सामने है कि वह किसी ऐसे व्यक्ति को सामने लाए जो जनता के वास्तविक मुद्दों से लगातार जुड़ा रहे और जिसका व्यक्तिगत स्वार्थ न हो और जो केवल चुनावी जीत के लिए ही काम ना करे।

आज आम नागरिक के मन में शंका यही बनी रहती है कि सरकार के अधिकारी और नेता चाहे कुछ भी कर लें, कोई उनका कुछ भी नहीं बिगाड़ सकता। राजनाथ सिंह ने तो एक बार कहा भी था कि उनकी सरकार में इस्तीफे नहीं होते। इसी संदर्भ में सी जे पी के प्रवक्ता सौरभ दास से यह सवाल पूछा गया तो उन्होंने उत्तर दिया कि यदि कोई मंत्री अगर सही काम न करे, तो उसका इस्तीफा क्यों नहीं होना चाहिए? क्या जनता पर उस व्यक्ति को लगातार थोपा रहना चाहिए जो जन हित में काम करना बंद कर दे? शिक्षा मंत्री का अभी तक इस्तीफा नहीं लेना तो राजनाथ सिंह की बाद को ही सही सिद्ध कर रहा है। किसी भी जन आंदोलन के हिंसक होने की आशंका बनी रहती है और इसी आधार पर इसे बदनाम करने का और इसे राष्ट्र विरोधी घोषित करने का अवसर सत्ताधारी दल को मिल जाता है। कॉकरोच जनता पार्टी के नेता इस आंदोलन को हिंसक नहीं होने देंगे, जैसा कि उन्होंने अभी 6 जून के प्रदर्शन में संयत व्यवहार करके सुनिश्चित किया है।

कॉकरोच जनता पार्टी एवं इसके नेताओं को अपने आचरण से और व्यवहार से, आने वाले समय में इन सब प्रश्नों का उत्तर इस प्रकार से देना होगा कि उनमें व्यक्त विश्वास बना रहे और वह सामान्य नागरिकों के लिए सरकार को उत्तरदाई बनाने में सक्षम हो सके। भविष्य में वास्तव में क्या होगा, यह तो कोई नहीं कह सकता, किंतु देश हित में यही है कि जो सामाजिक आंदोलन जन विश्वास, विशेषकर युवाओं के विश्वास के आधार पर उत्पन्न हुआ है, वह उनके विश्वास पर खरा उतरे और उनके साथ वैसा धोखा न हो जैसा अन्य कई आंदोलनों में हो चुका है। फिलहाल तो असमंजस ही असमंजस है। देश का युवा बड़ी आशा के साथ कॉकरोच जनता पार्टी की ओर देख रहा है। इसके नेतृत्व को अपने कदम बहुत सावधानी पूर्वक उठाने होंगे और विभिन्न प्रलोभनों से बचना होगा।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

नशामुक्त राजस्थान की दिशा में निर्णायक कदम

युवाओं के भविष्य की सुरक्षा के लिए सख्त कार्रवाई और जनजागरण का संगम

जवाहर सिंह बेढम

राजस्थान आज नशे और मादक पदार्थों के अवैध कारोबार के विरुद्ध एक व्यापक और निर्णायक अभियान का साक्षी बन रहा है। नशे और मादक पदार्थों के अवैध कारोबार केवल कानून-व्यवस्था के साथ समाज, परिवार और विशेष रूप से युवा पीढ़ी के भविष्य से जुड़ा हुआ गंभीर विषय है। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ने नशे के विरुद्ध 'जीरो टॉलरेंस' की नीति अपनाते हुए दृढ़ता के साथ कार्रवाई प्रारंभ की है और अब इसके सकारात्मक परिणाम स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगे हैं।

पिछले कुछ वर्षों में देश के अनेक राज्यों की तरह राजस्थान भी नशा तस्करों के निशाने पर रहा है। राज्य की भौगोलिक स्थिति, विशेषकर पाकिस्तान से लगती अंतरराष्ट्रीय सीमा, मादक पदार्थों की तस्करी के लिए चुनौतियां उत्पन्न करती रही है। आधुनिक तकनीक के माध्यम से सीमापार से ड्रोन द्वारा भेजी जा रही नशे की खेप ने सुरक्षा एजेंसियों के सामने नई चुनौतियां खड़ी की हैं। ऐसे समय में राज्य सरकार ने केवल पारंपरिक पुलिसिंग तक स्वयं को सीमित नहीं रखा, बल्कि तकनीकी और रणनीतिक दृष्टि से भी अपनी तैयारियों को मजबूत किया है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने स्पष्ट रूप से कहा है कि युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। यही कारण है कि नशा तस्करों, ड्रग्स माफिया और संगठित अपराध से जुड़े तत्वों के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इस अभियान का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि सरकार केवल अपराधियों की गिरफ्तारी तक सीमित नहीं है, बल्कि नशे की पूरी आपूर्ति श्रृंखला को ध्वस्त करने की दिशा में कार्य कर रही है। इसी सोच के तहत अगस्त 2025 में एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) का गठन किया गया। गठन के बाद से एजीटीएफ ने जिस सक्रियता और दक्षता के साथ कार्य किया है, उसने नशा तस्करों के नेटवर्क पर गंभीर चोट की है। अब तक 389 प्रकरण दर्ज कर 557 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। यह आंकड़ा राज्य सरकार की दृढ़ इच्छाशक्ति और प्रशासनिक प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

इन अभियानों के दौरान जब्त मादक पदार्थों और अन्य संसाधनों का अनुमानित मूल्य 679 करोड़ रुपये से अधिक है। इतनी बड़ी मात्रा में नशीले पदार्थों की बरामदगी से स्पष्ट होता है कि राज्य सरकार ने नशे के अवैध कारोबार पर व्यापक और गहरी चोट की है।

नशे के विरुद्ध लड़ाई में सबसे प्रभावी रणनीति उसके स्त्रोत पर प्रहार करना माना जाता है। राज्य सरकार ने इसी दिशा में उल्लेखनीय सफलता अर्जित की है। एजीटीएफ ने 170 मामलों में अवैध अफीम की खेती का भंडाफोड़ करते हुए लगभग साढ़े सात लाख अफीम के पौधों को नष्ट किया है। साथ ही 519 किलोग्राम अफीम डोडा और 202 किलोग्राम डोडा चूरा जब्त किया गया है। एजीटीएफ के गठन से पहले पूरे प्रदेश में ऐसी केवल छह कार्यवाहियों में 12 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था, जबकि गठन के बाद 27 कार्यवाहियों में 68 आरोपियों की गिरफ्तारी हुई है। यह अंतर स्पष्ट करता है कि विशेषीकृत एजेंसियों के गठन से अपराध नियंत्रण की क्षमता में कितना बड़ा सुधार आता है। राजस्थान की अंतरराष्ट्रीय सीमा को देखते हुए सीमा पार ड्रग्स तस्करी रोकना अत्यंत आवश्यक है।

हाल के वर्षों में पाकिस्तान की ओर से ड्रोन के माध्यम से मादक पदार्थों की खेप भेजने के प्रयास लगातार सामने आए हैं। सुरक्षा एजेंसियों ने इस खतरे को गंभीरता से लेते हुए निगरानी और खुफिया तंत्र को मजबूत किया है। वर्ष 2026 में अब तक सीमा पार तस्करी से जुड़े 14 मामलों में 31 तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। इनके कब्जे से 56.319 किलोग्राम हेरोइन, 11 पिस्तौल और दो ड्रोन बरामद किए गए हैं। यह सफलता दर्शाती है कि राज्य सरकार और सुरक्षा एजेंसियां नई चुनौतियों के अनुरूप अपनी रणनीति को लगातार अद्यतन कर रही हैं।

नशे के कारोबार में शामिल संगठित अपराधियों के विरुद्ध भी कठोर कार्रवाई की जा रही है। अब तक 60 इनामी अपराधियों की गिरफ्तारी इस बात का प्रमाण है कि कानून से बच निकलने की संभावनाएं लगातार कम हो रही हैं। इससे अपराधियों में भय का वातावरण बना है और नशे के अवैध कारोबार को बड़ा झटका लगा है।

हालांकि केवल कानून लागू कर देने से नशे की समस्या का पूर्ण समाधान संभव नहीं है। इसके लिए सामाजिक जागरूकता और जनभागीदारी भी उतनी ही आवश्यक है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर राज्यभर में युवाओं, विद्यार्थियों और आम नागरिकों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने के लिए व्यापक अभियान चलाए जा रहे हैं। विद्यालयों, महाविद्यालयों और विभिन्न सामाजिक मंचों के माध्यम से युवाओं को नशे से दूर रहने तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

विशेषज्ञों का मानना है कि नशे की रोकथाम में जागरूकता सबसे प्रभावी हथियार है। यदि युवाओं को समय रहते इसके दुष्परिणामों की जानकारी मिले और उन्हें सकारात्मक गतिविधियों से जोड़ा जाए तो वे नशे की गिरफ्त में आने से बच सकते हैं। राज्य सरकार का यह प्रयास नशामुक्त समाज के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

एनडीपीएस अधिनियम के तहत दर्ज मामलों के आंकड़े भी सरकार की बढ़ी हुई सक्रियता को दर्शाते हैं। जनवरी से अप्रैल 2025 के दौरान जहां 2,992 प्रकरण दर्ज हुए थे, वहीं वर्ष 2026 की समान अवधि में यह संख्या बढ़कर 3,598 हो गई। यह वृद्धि नशे के प्रसार का नहीं, बल्कि अपराधियों के विरुद्ध अधिक प्रभावी और व्यापक कार्रवाई का संकेत है। इससे स्पष्ट है कि कानून प्रवर्तन एजेंसियां अब पहले से अधिक सक्रियता और सतर्कता के साथ कार्य कर रही हैं। राजस्थान में नशे के विरुद्ध चल रहा यह अभियान सामाजिक परिवर्तन का आंदोलन बनता जा रहा है। सरकार, पुलिस, सुरक्षा एजेंसियों, शिक्षण संस्थानों और समाज के विभिन्न वर्गों की संयुक्त भागीदारी इस लड़ाई को और अधिक प्रभावी बना रही है।

वास्तव में किसी भी राज्य की सबसे बड़ी पूंजी उसकी युवा शक्ति होती है। यदि युवा नशे की गिरफ्त में आ जाएं तो विकास की गति प्रभावित होती है और सामाजिक संरचना कमजोर पड़ती है। इसलिए मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में नशे के विरुद्ध चल रही यह निर्णायक जंग केवल अपराध नियंत्रण का अभियान नहीं, बल्कि राजस्थान के भविष्य को सुरक्षित करने का एक व्यापक प्रयास है।

नशामुक्त राजस्थान का लक्ष्य तभी साकार होगा जब प्रशासनिक कठोरता के साथ सामाजिक जागरूकता भी निरंतर बढ़े। वर्तमान में जिस प्रकार सरकार ने विशेष बल का गठन कर संगठित अपराधियों पर प्रहार किया है, सीमापार तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए तकनीकी निगरानी बढ़ाई है और युवाओं को जागरूक करने के लिए व्यापक अभियान प्रारंभ किए हैं, वह निश्चित रूप से एक सकारात्मक और दूरगामी पहल है।

–जवाहर सिंह बेढम,
गृहराज्य मंत्री, राजस्थान

लंदन डायरी : भारतीय संस्कृति और परम्पराओं के प्रतीक हैं लंदन के हिन्दू मंदिर

बाल मुकुन्द ओझा

भारतवासी जहाँ भी जाते है वहां मंदिर और गुरुद्वारा जरूर बनाते है। भारत की आजादी से पहले से ही इंग्लैंड में भारतीय रहते थे। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के अनुसार साल 1950 तक लंदन में एक भी मंदिर नहीं था। इसके बाद 1960 के दशक में राधा-कृष्णा मंदिर बना, जो कि जॉर्ज हरिंसन के साथ लीज पर था। इस समय ब्रिटेन में मौजूद हिंदू मंदिरों की संख्या 400 के आसपास है। हिन्दू मंदिरों में विश्व में ब्रिटेन का तीसरा स्थान है। इंग्लैंड की राजधानी लंदन में भी हिन्दुओं के दर्जनों आराध्य स्थल देखने को मिल जायेंगे। लंदन में ऐसे हिंदू मंदिर भी हैं जो सिर्फ पूजा स्थल नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और परंपराओं का जीवंत उदाहरण भी हैं। इन मंदिरों में न सिर्फ भव्य पूजा-अर्चना होती है, बल्कि सांस्कृतिक उत्सव, धार्मिक अनुष्ठान और सामुदायिक गतिविधियों के माध्यम से भारतीय जड़ों को मजबूत करने का काम भी किया जाता है। इन मंदिरों की वास्तुकला, धार्मिक अनुष्ठान और उनके ऐतिहासिक महत्व के बारे में जानकर आप भी हैरान रह जाएंगे। इनमें श्री स्वामीनारायण मंदिर, श्री वेंकटेश्वर (बालाजी) मंदिर, श्री मुरुगन मंदिर, इस्कॉन मंदिर और श्री सनातन हिन्दू मंदिर प्रमुख है।

मंदिर को सुख, शांति, समृद्धि और पवित्रता का प्रतीक माना जाता है। मंदिर में जब हम भगवान के दर्शन करते हैं तो हमारे मन में अपार सुकून आता है। पिछली अपनी लंदन यात्रा के दौरान मैं अनेक हिन्दू मंदिरों में भी गया था। इस बार जयपुर से लंदन आये हमें लगभग दो महीने हो गए। इस अवधि में कई स्थानों पर घूमे-फिरे मगर भगवान के दर्शन नहीं हुए। इसी बीच हमारे बेटे सिद्धार्थ ने 2010 में स्थापित हिन्दू सनातन मंदिर चलने का प्रस्ताव रखा तो हम लोग तुरंत तैयार हो गए। यह मंदिर हमारे घर साउथ लंदन से लगभग 35 किमी दूर crawley में स्थित है। मंदिर में अनेक देवी-देवताओं की मूर्तियां और अनेक सांस्कृतिक, सामुदायिक और शैक्षणिक स्थल है। मंदिर स्थल बेहद रमणीक है। मंदिर के प्रवेश द्वार पर हनुमानजी और परिसर में नंदी महाराज की प्रतिमा है। अंदर भगवान गणेशजी, नव दुर्गा, राम, लक्ष्मण, सीता और हनुमान, कृष्ण राधा, महादेव शिवलिंग महावीर स्वामी, विश्वकर्मा, मां गायत्री, सत्यनारायण देव, श्रीनाथजी आदि देवी-देवताओं की आकर्षक, भव्य और मन्त्र मुग्ध कर देने वाली मूर्तिया स्थापित है। जिन्हें बेहद खूबसूरत पोशाकों से सजाया गया है। मंदिर के अन्दर प्रवेश करते ही चैन और सुकून की भावना आत्मा को शुद्ध करती है। मंदिर में भागवत कथा चल रही थी। हिन्दू महिलाऐं परम्परागत भारतीय वस्त्रों में पूजा अर्चना और भागवत कथा का श्रवण कर रही थी।

–बाल मुकुन्द ओझा,
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

न्याय का एक सशक्त मार्ग : जनहित याचिका

प्रो. कैलाश सोडाणी

जनहित याचिका की अवधारणा 1960 में अमेरिका में प्रारम्भ हुई। भारत में इसे 1980 के दशक में सवोच्च न्यायालय द्वारा प्रारम्भ किया गया। जिसके सूत्रधार न्यायमूर्ति पी. एन. भगवती और वी. आर. कृष्ण अय्यर थे। एडवोकेट पुष्पा कपिला हिंगोरानी को जनहित याचिका की जननी माना जाता है। जनहित याचिकाएँ केवल सवोच्च न्यायालय या उच्च न्यायालय के समक्ष ही दायर की जा सकती है। जिला अदालत में दायर नहीं कर सकते हैं। यह भी आवश्यक है कि जनहित याचिका का उद्देश्य केवल सार्वजनिक कल्याण होना चाहिये न कि कोई निजी हित। यदि कोई मुद्दा जनहित में बहुत महत्वपूर्ण होता है, तो न्यायालय स्वयं भी स्वतः संज्ञान ले सकता है।

भारत में न्याय प्राप्त करने की यात्रा बहुत लम्बी और महंगी है। इस सम्बन्ध में कटाक्ष यह भी है कि "उच्चतम न्यायालय और ताज होटल तक वही व्यक्ति पहुँच सकता है जिसकी जेब भारी हो।" न्याय केवल अमीरों तक सीमित नहीं रहना चाहिये। जनहित याचिका के तहत, कोई भी व्यक्ति या सामाजिक संगठन किसी भी व्यक्ति या व्यक्तियों के समूह के अधिकारों की रक्षा के लिए न्यायालय का दरवाजा खटखटा सकता है। जो अपनी गरीबी एवं अज्ञानता के कारण कानूनी राहत के लिए स्वयं अदालत जाने में असमर्थ है।

गरीब वर्ग, बालश्रम, बंधुआ मजदूरी, सरकारी भ्रष्टाचार, प्रदूषण, पर्यावरण संरक्षण,जैसे जनहित से जुड़े मुद्दों के समाधानके लिए जनहित याचिका का मार्ग अपनाया जा सकता है। जनहित याचिका केन्द्र सरकार, राज्य सरकार, नगर पालिका और किसी भी सरकारी विभाग के विरुद्ध दायर की जा सकती है। यह याचिका किसी निजी पक्ष के विरुद्ध दायर नहीं की जा सकती है। याचिका दायर करने की प्रक्रिया की सरलता के कारण ऐसे मामलों में वृद्धि हुई है जिनका कानूनी रूप से कोई महत्व नहीं है। जनहित याचिकाओं के कारण अदालतों का कार्यभार बढ़ता जा रहा है। कभी कभी न्यायालय कार्यपालिका के कार्यक्षेत्र में हस्तक्षेप भी कर देते है। जनहित याचिका की सुविधा का दुरुपयोग भी हो रहा है । कुछ जनहित याचिकाएँ जनहित के लिए नहीं अपितु व्यक्तिगत हितों की पूर्ति, प्रचार पाने के लिए दायर की जाती है। कुछ समय पूर्व किसी एक ही एडवोकेट द्वारा 25 जनहित याचिकाएं दायर करने पर सवोच्च न्यायालय ने सभी को एक साथ खारिज़ कर दिया था।

जनहित याचिका ने भारत की राजनीति और विधि जगत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसके माध्यम से भारत में कई ऐतिहासिक फैसले हुए हैं, लोगों को न्याय मिला है। सबरीमाला और हाजी अली दरगाह में महिलाओं का प्रवेश, तीन तलाक पर प्रतिबन्ध लगा, सहमति से समलैंगिक सम्बन्धों को कानूनी मान्यता मिली; ऐसे अनेक महत्वपूर्ण निणन्य जनहित याचिकाओं के माध्यम से हुए हैं। विशाखा बनाम राजस्थान राज्य (कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न) एम. सी. मेहता मामले (गंगा नदी प्रदूषण) और दिल्ली में वायु प्रदूषण को कम करने के लिए उद्योगो को हटाने के आदेश, हुसैनारा खातून बनाम बिहार राज्य मामले में जेलों में अमानवीय स्थितियों और बिना मुकदमें के जेलों में बंद कैदियों की रिहाई के आदेश। ऐसे अनेक जनहित से जुड़े मुद्दों पर जनहित याचिकाओं के माध्यम से आम लोगों को न्याय प्राप्त हुआ है।

जनहित याचिकाओं के माध्यम से नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा की जाती है। यह सरकारी कामकाज की न्यायिक निगरानी सुनिश्चित करती है। यह कानून के शासन को मजबूत करती है और जनता में जागरूकता बढ़ाती है। प्रदूषण नियंत्रण और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए एक महत्वपूर्ण माध्यम है। संक्षेप में, जनहित याचिका लोकतंत्र में आम नागरिकों को न्यायपालिका के माध्यम से शासन व्यवस्था को बेहतर बनाने और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का अवसर प्रदान करती है। समय के साथ, जनहित याचिका भारत में न्यायिक सक्रियता का एक शक्तिशाली और लोकप्रिय साधन बन गयी। इसके माध्यम से कई सामाजिक कुरीतियों और अन्यायपूर्ण प्रथाओं को समाप्त किया जा सकता है। जनहित याचिका देश के सभी नागरिकों की न्याय तक पहुँच को लोकतांत्रिक ढंग से सुगम बनाती है।

–प्रो. कैलाश सोडाणी,
पूर्व कुलगुरु, वर्धमान
महावीर खुला विश्वविद्यालय,
कोटा

राशिफल मंगलवार 9 जून, 2026

पंडित अनिल शर्मा

द्वितीय ज्येष्ठ मास (अधिक), कृष्ण पक्ष, नवमी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2083, पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र प्रातः 9:40 तक, प्रीति योग प्रातः 8:18 तक, तैतिल करण दिन 2:59 तक, चन्द्रमा आज मीन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृष, चन्द्रमा-मीन, मंगल-मेष, बुध-मिथुन, गुरू-मिथुन, शुक्र-मिथुन, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज सर्वार्थ सिद्धि योग प्रातः 9:40 से सूर्योदय तक है। आज पंचक है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:01 से 10:43 तक, लाभ अमृत 10:43 से 2:08 तक, शुभ 3:51 से 5:32 तक।

राहूकाल: 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 5:36, सूर्यास्त 7:15

मेष

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण बाहर जाना पड़ सकता है। आज समय अनावश्यक कार्यों में समय खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा।

वृष

आज आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी और आर्थिक मामलों में परिचितों से सहयोग मिल सकता है। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

मिथुन

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है।

कर्क

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक सफलता से मनोबल ऊंचा रहेगा। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

सिंह

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कन्या

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ से राहत मिल सकती है। घर-परिवार में चल रही परेशानियां दूर होने लगेगी।

वृश्चिक

व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। घर-परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है।

धनु

घर-परिवार में वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा। परिवार में अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

मकर

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ

विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

मीन

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आज महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है।

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

जिनके जीवन का हर पल, सेवा और राष्ट्रहित के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है,
जिनके लिए जनकल्याण ही जीवन साधना है, ऐसे **सेवा-व्रती नरेन्द्र मोदी जी** के नेतृत्व में
भारत की निरंतर प्रगति का साक्षी पूरा देश कह रहा है...

12 साल विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के

» गरीब कल्याण

- **81+ करोड़** लोगों को प्रतिमाह **मुफ़्त राशन**
- **4+ करोड़ पीएम आवास, 10.5+ करोड़ उज्ज्वला गैस कनेक्शन** और **12+ करोड़ शौचालय** से जीवन हुआ आसान

» युवा शक्ति

- लगभग **2 करोड़** युवाओं को **स्किल ट्रेनिंग**
- **₹40 लाख करोड़** के **मुद्रा लोन**
- देशभर में **2.2 लाख स्टार्टअप्स**
- **10,000+ अटल टिंकरिंग लैब्स** से नवाचार को बढ़ावा

» किसान कल्याण

- **₹4.3 लाख करोड़** की पीएम किसान सम्मान निधि
- **4+ करोड़** किसानों को **₹2 लाख करोड़** का **फसल बीमा**
- **₹26+ लाख करोड़** की फसल खरीद **MSP** पर
- **8 करोड़** किसानों को **किसान क्रेडिट कार्ड**

» नारी शक्ति

- **32+ करोड़** महिलाओं के **जन-धन खाते** खुले
- सेना में महिलाओं को मिला **स्थायी कमीशन**
- **3+ करोड़ लखपति दीदी**
- **10 करोड़** ग्रामीण महिलाएं **91+ लाख सेल्फ हेल्प ग्रुप** के माध्यम से सशक्त

» स्वास्थ्य

- **70+** के बुजुर्गों को भी **₹5 लाख** का **मुफ़्त उपचार**
- **60+ करोड़** लोगों को **आयुष्मान भारत** की सुरक्षा
- देशभर में **19,000+ जन-औषधि केंद्रों** पर **90%** तक सस्ती दवाएं

» मिडिल क्लास

- **₹12.75 लाख** तक की वार्षिक आय **टैक्स फ्री**
- **UDAN** योजना के तहत **1.6+ करोड़** यात्रियों ने की किफ़ायती हवाई यात्रा
- **एमबीबीएस** सीटों की संख्या 151% बढ़कर करीब **1.3 लाख** हुई

» राष्ट्र निर्माण

- **26** शहरों में फैला **1,100+ किमी** का **मेट्रो नेटवर्क**
- देशभर में दौड़ रहीं **164 वंदे भारत ट्रेनें**
- अटल सेतु, सुदर्शन सेतु, चिनाब रेल ब्रिज, बोगीबील ब्रिज, पंबन समुद्री पुल जैसे **बड़े इन्फ्रास्ट्रक्चर का निर्माण**
- **एयरपोर्ट्स** की संख्या 74 से बढ़कर **164** हुई

» राष्ट्र प्रथम

- करीब **₹38,400 करोड़** का रिकॉर्ड **डिफेंस एक्सपोर्ट**
- **नक्सलमुक्त भारत** का सपना साकार, आतंकवाद पर हो रहा **कड़ा प्रहार**
- गुलामी की मानसिकता से मुक्ति - राजपथ बना **कर्तव्य पथ**, **छत्रपति शिवाजी महाराज की मुद्रा** से प्रेरित **नौसेना का नया ध्वज**

» विरासत और विकास

- अयोध्या में **भव्य राम मंदिर** का निर्माण
- काशी विश्वनाथ धाम, महाकाल महालोक और केदारनाथ धाम का **कायाकल्प**

CBC 46101/13/0006/2627

अजमेर में दो ट्रेलर और ऑयल टैंकर की भिड़ंत में एक की मौत, दो जने घायल

प्रारंभिक तौर पर हादसे का कारण तेज रफ्तार और वाहन नियंत्रण खोना माना जा रहा है

अजमेर, (निसं)। पुष्कर थाना क्षेत्र स्थित होकरा पुलिया पर सोमवार दोपहर एक भीषण सड़क हादसा हो गया। यहां दो ट्रेलर और ऑयल टैंकर के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में एक जने की मौत हो गई, वहीं दो व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग सहायता के लिए पहुंच गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि तीनों भारी वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए और उनके परखच्चे उड़ गए। हादसे में वाहन चालकों सहित तीन लोग वाहनों में फंस गए। सूचना मिलते ही 108 एम्बुलेंस और पुलिस टीम मौके पर पहुंची।

हादसे के बाद मौके पर पहुंचे लोगों ने घायलों को वाहनों से बाहर निकालकर अस्पताल भिजवाया।

- **प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि तीनों भारी वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए और उनके परखच्चे उड़ गए**

हादसे की गंभीरता को देखते हुए स्थानीय लोगों ने राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। जेसीबी मशीन की सहायता से क्षतिग्रस्त दोनों ट्रेलर और ऑयल टैंकर को अलग किया गया, जिसके बाद अंदर फंसे घायलों को बाहर निकाला जा सका। बचाव दल ने काफी मशक्कत के बाद घायलों को सुरक्षित बाहर निकालकर एम्बुलेंस के जरिए अजमेर के जवाहरलाल नेहरू अस्पताल भिजवाया।

जेएलएन अस्पताल में चिकित्सकों ने घायलों का प्राथमिक उपचार कर उनकी गहन जांच की। जांच के दौरान एक गंभीर घायल की हालत नाजुक होने के कारण चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं अन्य दो घायलों का उपचार अस्पताल में जारी है। उनकी स्थिति को लेकर चिकित्सक लगातार निगरानी बनाए हुए हैं।

हादसे की सूचना मिलने पर पुष्कर थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाकर यातायात व्यवस्था सुचारू करवाई। पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

प्रारंभिक तौर पर हादसे का कारण तेज रफ्तार और वाहन नियंत्रण खोना माना जा रहा है, हालांकि वास्तविक कारण जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। इस दर्दनाक हादसे के बाद क्षेत्र में शोक की लहर है। स्थानीय लोगों ने सड़क पर बढ़ते भारी वाहनों के दबाव और तेज रफ्तार पर चिंता जताते हुए प्रशासन से सुरक्षा उपायों को और मजबूत करने की मांग की है।

पुष्कर में ज्वैलर्स की दुकान से 10 लाख के चांदी के जेवर चोरी

कृत्रिम आभूषणों को चोरों ने हाथ तक नहीं लगाया

पुष्कर, (निसं)। तीर्थनगरी पुष्कर में चोरों ने एक ज्वैलर्स की दुकान को निशाना बनाते हुए लाखों रुपए के चांदी के आभूषण चोरी कर लिए। घटना शहर की सब्जी मंडी स्थित पूनम ज्वैलर्स की है, जहां देर रात अज्ञात बदमाशों ने सुनियोजित तरीके से चोरी की वारदात को अंजाम दिया।

जानकारी के अनुसार चोर पास की इमारत के सहारे दुकान की चौथी मंजिल तक पहुंचे। वहां लगी लोहे की जाली को काटने के बाद खिड़की तोड़कर भीतर प्रवेश किया। दुकान में घुसते ही उन्होंने सबसे पहले सीसीटीवी कैमरों को क्षतिग्रस्त कर दिया, ताकि उनकी गतिविधियां रिकॉर्ड न हो सके। इसके बाद चोरों ने आराम से दुकान में रखे चांदी के आभूषण समेट लिए।

दुकान संचालक दीपक सोनी ने बताया कि सुबह दुकान खोलने पर पूरा सामान अस्त-व्यस्त पड़ा मिला। दुकान में रखे चांदी के आभूषण और एक बैग में रखे कीमती जेवर गायब थे। वहीं कृत्रिम आभूषणों को चोरों ने हाथ तक नहीं लगाया। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार करीब 10 से 12 लाख रुपए मूल्य के चांदी के आभूषण चोरी हुए हैं। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में लोग मौके पर एकत्र हो गए। सूचना पर थाना प्रभारी विक्रम सिंह राठौड़ पुलिस दल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू की। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पहले चोरी की घटनाएं मुख्य रूप से सर्दियों में होती थीं, लेकिन अब गर्मियों में भी ऐसी वारदातें बढ़ने लगी हैं।

पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू की।

- **चोर पास की इमारत के सहारे दुकान की चौथी मंजिल तक पहुंचे, वहां लगी लोहे की जाली को काटने के बाद खिड़की तोड़कर भीतर प्रवेश किया**
- **दुकान में घुसते ही उन्होंने सबसे पहले सीसीटीवी कैमरों को क्षतिग्रस्त कर दिया, ताकि उनकी गतिविधियां रिकॉर्ड न हो सके**

शिक्षा विभाग ने गर्मी की छुट्टियां बढ़ाई, अब 29 जून से खुलेंगे स्कूल

लगातार पड़ रही गर्मी और शिक्षक संगठनों की मांग के बाद सरकार ने अवकाश बढ़ाने का निर्णय लिया

बीकानेर, (निसं)। प्रदेशभर के विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों के लिए राहत भरी खबर है। शिक्षा विभाग ने गर्मी की छुट्टियां बढ़ाने का आदेश जारी कर दिया है। अब राज्य के सरकारी और निजी स्कूलों में 28 जून तक अवकाश रहेगा और स्कूल 29 जून से पुन: संचालित होंगे। इससे पहले शिक्षा विभाग ने 20 जून तक ग्रीष्मावकाश घोषित किया था। 21 जून को रविवार होने के कारण स्कूल 22 जून से खुलने थे, लेकिन लगातार पड़ रही गर्मी और शिक्षक संगठनों की मांग के बाद सरकार ने अवकाश अवधि बढ़ाने का निर्णय लिया है। नए आदेश के अनुसार इस वर्ष स्कूलों में ग्रीष्मावकाश की कुल अवधि बढ़कर 43 दिन हो गई है। शिक्षा विभाग ने इसके लिए आधिकारिक आदेश जारी कर सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं।

हाल ही में जयपुर में शिक्षक संघ (राष्ट्रीय) के प्रतिनिधिमंडल ने शिक्षा मंत्री से मुलाकात कर गर्मी की छुट्टियां बढ़ाने की मांग रखी थी। उस दौरान शिक्षा मंत्री ने सकारात्मक आश्वासन दिया था। इसके बाद शिक्षा विभाग स्तर पर प्रस्ताव तैयार किया गया और शासन सचिव की स्वीकृति के बाद आदेश जारी कर दिया गया। आदेश में संस्था प्रधानों के लिए अधिकृत अवकाश को लेकर भी संशोधन किया गया है। पूर्व व्यवस्था में एक दिन का अधिकृत अवकाश निर्धारित था, जिसे बढ़ाकर पुन: दो दिन कर दिया गया है।

राजस्थान में इस बार मई और जून के दौरान कई जिलों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच गया था। गर्मी और लू के कारण विद्यार्थियों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए सरकार ने अवकाश बढ़ाने का फैसला लिया है। अब सभी सरकारी और निजी विद्यालय 29 जून से नियमित रूप से संचालित होंगे। इसके साथ ही नए शैक्षणिक सत्र की गतिविधियां भी निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार शुरू की जायेगी।

जोधपुर : अनिता बिश्नोई केस में नया मोड़ आया

जोधपुर, (कासं)। सोशल मीडिया पर लगातार ट्रोलिंग और कथित मानसिक प्रताड़ना के बाद विषाक्त पदार्थ का सेवन कर खुदकुशी का प्रयास करने वाली सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर अनिता बिश्नोई के मामले में नया मोड़ आ गया है। अनिता के पति दीनाराम बिश्नोई की रिपोर्ट पर बनाड़ थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि चिकित्सकों से अनुमति मिलने के बाद अनिता के बयान दर्ज किए जाएंगे, जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

गौरतलब है कि बनाड़ थाना क्षेत्र के शिकारगढ़ स्थित गोदारों की ढाणी निवासी अनिता बिश्नोई ने तीन जून को विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया था। गंभीर हालत में उन्हें जोधपुर के मथुरादास माथुर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है। मामले की जांच थानाधिकारी लेखराज को सौंपी गई है। पुलिस के अनुसार दीनाराम बिश्नोई ने रिपोर्ट में आरोप लगाया है कि मालाराम बैगरा नामक व्यक्ति ने अनिता की इंस्टाग्राम आईडी पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। इसके बाद सोशल मीडिया पर उनकी पोस्ट को लेकर ट्रोलिंग बढ़ गई। पति का आरोप है कि आरोपी लंबे समय से उनकी पत्नी और परिवार को निशाना बना रहा था। करीब तीन वर्ष पहले भी उसने अनिता पर गलत टिप्पणियां की थीं, जिसके बाद उसे ब्लॉक कर दिया गया था। इसका बदला लेने के लिए वह वीडियो बनाकर उनकी निजी जिंदगी को लेकर भ्रामक बातें फैलाना शुरू कर दिया। दीनाराम का कहना है कि लगातार हो रही ट्रोलिंग और आलोचनाओं ने अनिता को मानसिक रूप से परेशान कर दिया था। वह पहले की तुलना में चुप रहने लगी थी और तनाव में रहने लगी थी। इसी मानसिक दबाव के चलते उन्होंने यह कदम उठाया। बहरहाल पुलिस अनीता के बयान के इन्तजार में है।

- **दर्ज रिपोर्ट में अनिता बिश्नोई के पति ने आरोप लगाया है कि मालाराम बैगरा नामक व्यक्ति ने अनिता की इंस्टाग्राम आईडी पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी**
- **आपत्तिजनक टिप्पणी के बाद सोशल मीडिया पर उनकी पोस्ट को लेकर ट्रोलिंग बढ़ गई थी**

रिश्वत के दो दोषी पुलिसकर्मियों को सजा सुनाई

कोटा, (निसं)। होमगार्ड ड्यूटी लगाने की एवज में रिश्वत लेने के करीब 15 साल पुराने मामले में एसीबी न्यायालय ने पकड़े गये दो आरोपियों को दोषी मानते हुए 3-3 साल की सजा सुनाई। एसीबी टीम ने हैड कांस्टेबल अल्ताफ हुसैन और सहयोगी हैड कांस्टेबल रामचरण यादव को रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया था।

सहायक निदेशक अभियोजन जया गौतम ने बताया कि वर्ष 2011 में परिवादी जुगराज व बुधराज ने एसीबी चौकी में शिकायत दी। परिवादी ने शिकायत में कहा कि होमगार्ड की ड्यूटी लगाने को लेकर हेड कांस्टेबल अल्ताफ हुसैन से फोन पर बात की तो हेड कांस्टेबल ने ड्यूटी लगाने की एवज में 500-500 रिश्वत की मांग की, एसीबी टीम ने परिवादी की शिकायत पर मांग का सत्यापन कराया तो रिश्वत मांगने की पुष्टि हुई। एसीबी टीम ने ट्रैप कार्यवाही करते हुए हैड कांस्टेबल अल्ताफ हुसैन और सहयोगी हैड कांस्टेबल रामचरण यादव को 1500 रूपये रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया था। एसीबी टीम ने मामले में अनुसंधान व जांच के बाद पकड़े गये आरोपियों के खिलाफ न्यायालय में चालान पेश किया, मामले में 21 गवाहों के बयान दर्ज कराये गये।

डूंगरपुर के सूने मकान में हुई लाखों की चोरी का खुलासा

डूंगरपुर, (निसं)। जिले की कोतवाली थाना पुलिस ने सोनिया चौक में हुई लाखों की चोरी का खुलासा कर दिया है। इस मामले में चार बाल अपचारियों को हिरासत में लिया गया है। बाल अपचारियों ने शहर में एक अन्य चोरी की वारदात को भी अंजाम देना कबूल किया है।

कोतवाली थाने के सीआई अजय सिंह ने बताया कि 1 मई को सोनिया चौक निवासी जयराज श्रीमाल ने चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। श्रीमाल ने बताया कि 30 अप्रैल को उनकी पत्नी लीना श्रीमाल दो महीने से अपनी बेटी के घर गई हुई थी। उस दिन वह घर पर अकेले थे और सुबह दुकान चले गए थे। रात में घर लौटने पर जब उन्होंने अपना कमरा खोला तो अलमारी का सामान बिखरा हुआ था। अलमारी से 16 तोला सोने के आभूषण, डेढ किलो चांदी और 2 लाख 70 हजार रुपये गायब थे। इसके बाद उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

पांचना से पानी छोड़ने की मांग को लेकर किसान महापंचायत जारी

गंगापुर सिटी, (निसं)। ग्राम खण्डीप में पांचना बांध से नहरों में पानी छोड़ने और हाई कोर्ट के आदेशों का पालन सुनिश्चित कराने की मांग को लेकर चल रही अनिश्चितकालीन किसान महापंचायत सोमवार को चौथे दिन भी जारी रही। इसमें क्षेत्र के हजारों किसानों, महिलाओं और युवाओं ने भाग लेकर पानी छोड़ने की मांग दोहराई।

धरना स्थल पर गंगापुर सिटी विधायक रामकेश मीना, पांचना कमाण्ड क्षेत्र विकास संघर्ष समिति के अध्यक्ष बटुआ पटेल, समिति के पदाधिकारी, पंच-पटेल और सर्व समाज के प्रतिनिधि मौजूद रहे। खेड़ली, बगलाई, पीलोदा, किशोरपुर, पावटा गद्दी, मोहचा और खण्डीप सहित आसपास के कई गांवों से बड़ी संख्या में किसान महापंचायत में पहुंचे और आंदोलन को समर्थन दिया। महापंचायत को संबोधित करते हुए विधायक रामकेश मीना, पिंटू बड़ौली, देवीसिंह कटकड़ और शिवसिंह खण्डीप ने कहा कि कमाण्ड क्षेत्र की कृषि भूमि पानी के अभाव में संकट का सामना कर रही है, जिससे किसानों की आजीविका प्रभावित हो रही है। उन्होंने सरकार पर सकारात्मक निर्णय नहीं लेने का आरोप लगाते हुए चेतावनी दी कि यदि नहरों में जल्द पानी नहीं छोड़ा गया तो आंदोलन को और व्यापक स्वरूप दिया जाएगा। वक्ताओं ने इस संघर्ष को केवल सिंचाई पानी का नहीं, बल्कि किसानों के अधिकारों और भविष्य की रक्षा का आंदोलन बताया। उन्होंने कहा कि क्षेत्रभर से मिल रहा जनसमर्थन किसानों की एकजुटता का प्रमाण है। महापंचायत में जल्द ही आंदोलन की आगामी रणनीति पर महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाने के संकेत भी दिए गए। सोमवार को धरना स्थल पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से किसानों का उत्साहवर्धन किया गया। ग्रामीणों और युवाओं द्वारा भोजन, पेयजल और अन्य व्यवस्थाओं का संचालन किया गया।

ग्राम नयागांव-सैमाड़ा को धरना स्थल की व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी सौंपी गई है। महापंचायत को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आया। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने धरना स्थल पर लगातार निगरानी रखी। बड़ी संख्या में पुलिस जवान और आरएसी के कर्मी सुरक्षा व्यवस्था में तैनात रहे। किसानों ने स्पष्ट किया कि उनकी मांग पूरी होने तक आंदोलन निरंतर जारी रहेगा।

- **गंगापुर सिटी में चौथे दिन महापंचायत जारी, जल्द पानी नहीं छोड़ने पर बड़े आंदोलन की चेतावनी दी**

भीलवाड़ा : लूट और फायरिंग का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले की प्रतापनगर थाना पुलिस ने करीब 10 वर्ष से फरार चल रहे 15 हजार रुपए के इनामी और बेहद शातिर बदमाश अशोक कुमार चौहान को मध्य प्रदेश के इंदौर से गिरफ्तार किया है।

घटना 18 फरवरी 2016 की है। इंडसइंड बैंक (नियर लैंडमार्क होटल, भीलवाड़ा) के कैशियर रविराज सिंह राजपूत और उनके साथी कर्मचारी रामलाल गांधीनगर शाखा से करीब 24 लाख रुपए का कैश कलेक्शन कर पैदल ही मुख्य शाखा में जमा कराने जा रहे थे। इसी दौरान होटल हर्षदीप के पास घात लगाए बैठे दो नकाबपोश बदमाशों ने उनसे रुपयों से भरा बैग छीनने का प्रयास किया। जब बैंक गार्ड रामलाल ने मुस्तैदी दिखाते हुए बदमाशों को पीछे से दबोच लिया, तो हाथापाई के दौरान एक बदमाश के मुंह से कपड़ा हट गया। शातिर बदमाश ने तुरंत पिस्तौल निकालकर फायर कर दिया, जिससे गोली गार्ड रामलाल की पीठ में जा लगी। वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों बदमाश पास ही मोटरसाइकिल लेकर खड़े अपने तीसरे साथी के साथ निम्बार्क आश्रम की तरफ फरार हो गए थे। इस संबंध में प्रतापनगर थाने में मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया था। पुलिस इस प्रकरण में पूर्व में तीन आरोपियों ललित कुमार सैन, कुलदीप सिंह उर्फ कल्लू और संगीता भदौरिया को गिरफ्तार कर चुकी थी, लेकिन मुख्य आरोपी अशोक सिंह तभी से फरार था।

बीज निगम डायरेक्टर और भांजे सहित छह जने रिमांड पर

बीकानेर, (निसं)। नकली मूंगफली बीज घोटाले के मामले में बीज निगम के नामित निदेशक जुगल किशोर समेत 6 आरोपियों को बीकानेर एसीबी स्पेशल कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने सभी आरोपियों को पांच दिन की रिमांड पर भेज दिया है। एसीबी की विभिन्न टीमों ने आरोपियों के ठिकानों पर छापेमारी कर अब तक करीब 2 करोड़ 44 लाख रुपए नकद बरामद किए हैं। इसके अलावा सोने-चांदी के आभूषण, संपत्तियों से जुड़े दस्तावेज और निवेश संबंधी रिकॉर्ड भी जब्त किए गए हैं। एजेंसी आय से अधिक संपत्ति, बेनामी निवेश और पूरे रिश्वत नेटवर्क की जांच कर रही है। अधिकारियों का मानना है कि रिमांड के दौरान इस मामले में और भी बड़े खुलासे हो सकते हैं।

जानकारी के अनुसार नकली बीज की शिकायत के बाद कृषि विभाग ने 27 मई को जोधपुर में गोदाम में सर्च कर 15 करोड़ रुपए के बीज सीज किए गए थे। इसके बाद सैंपल पास कराने, कार्रवाई नहीं करने और बीज को वापस गुजरात भेजने को लेकर रिश्वत का खेल शुरू हुआ था। एसीबी को इनपुट मिला था कि बीज निगम के नामित निदेशक तक पहले ही 2 करोड़ रुपए पहुंच चुके हैं। नकली बीज मामले में गुजरात की कंपनी से सांठगांठ की जा रही है। उल्लेखनीय है कि 7 जून को लूणकरणसर (बीकानेर) में एक निजी बस से 85 लाख रुपए नकद के साथ स्वतंत्र ज्याणी को पकड़ा गया था। रकम बीज निगम के नामित निदेशक के श्रीगंगानगर स्थित ठिकाने पर पहुंचाई जानी थी। इसके बाद एसीबी ने बीकानेर में जयपुर रोड स्थित नामित निदेशक जुगल किशोर के घर पर छापा मारा, जहां से 1 करोड़ 58 लाख रुपए नकद बरामद किए गए। कार्रवाई के दौरान जुगल किशोर, किरण कापड़िया, गणपत बिश्नोई, सतपाल सिंह और सुनील सेठिया को भी अलग-अलग जगह गिरफ्तार किया गया था। अब तक 2 करोड़ 44 लाख रुपए नकद बरामद किए जा चुके हैं।

राज्य सरकार द्वारा किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज उपलब्ध कराने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत विभिन्न बीज गोदामों की जांच की गई। 27 मई को किरण कपाड़िया के स्वामित्व वाले मूंगफली बीज गोदाम पर जोधपुर में सर्च कार्रवाई की थी। इस दौरान गुजरात की 'गजराज' ब्रांड मूंगफली बीज सैंपल लेकर, बीज बेचने पर रोक लगाई थी। कृषि विभाग ने संबंधित गोदाम को सीज कर दिया था, जहां 15 करोड़ रुपए से अधिक के बीज रखे हुए थे। आरोप है कि बीजों को वापस गुजरात ले जाने की अनुमति और सैंपल पास कराने के मामले में बड़े स्तर पर रिश्वतखोरी का खेल शुरू हुआ।

मामले के खुलासे के लिए एसीबी के डीआईजी रामेश्वर सिंह ने 8 विशेष टीमें गठित की, जो जयपुर, बीकानेर और जोधपुर में निगरानी कर रही थी। इसी दौरान एसीबी को इनपुट मिला कि गुजरात की कुछ बीज कंपनियों से सांठगांठ कर कम गुणवत्ता वाले बीज बाजार में बेचने की कोशिश की जा रही है।

जांच में यह भी सामने आया कि राजस्थान राज्य बीज निगम के नामित निदेशक जुगल किशोर बिश्नोई तक एक दलाल के जरिए करीब 2 करोड़ रुपए की रिश्वत पहुंचाई जा चुकी है। रिश्वत के लेन-देन की सूचना मिलने के बाद एसीबी ने तत्काल कार्रवाई करते हुए पांच से अधिक मोबाइल फोन सर्विलांस पर लिए। जांच में खुलासा हुआ कि रिश्वत की राशि का बड़ा हिस्सा जल्द ही श्रीगंगानगर भेजा जाने वाला है। इसके बाद एसीबी ने संबंधित लोगों की गतिविधियों पर लगातार निगरानी शुरू कर दी। 7 मई को जुगल किशोर बिश्नोई का भांजा स्वतंत्र ज्याणी करीब 85 लाख रुपए नकद लेकर बस से श्रीगंगानगर के लिए रवाना हुआ। सूचना के आधार पर एसीबी टीम ने लूणकरणसर के पास चलती प्राइवेट बस में छापेमारी की और स्वतंत्र ज्याणी को नकदी सहित गिरफ्तार कर लिया।

- **एसीबी ने आरोपियों के ठिकानों पर छापेमारी कर 2.44 करोड़ रुपये बरामद किए**

पिकअप की टक्कर से युवक की मौत

मसूदा, (निसं)। मसूदा-ब्यावर राज्य राजमार्ग 26 ए पर सोमवार को हुए एक भीषण सड़क हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद पुलिस के देर से पहुंचने और अस्पताल की मोर्चरी बंद मिलने से ग्रामीणों का आक्रोश भड़क उठा। नाराज ग्रामीणों ने शव उठाने से इनकार करते हुए राजमार्ग पर कांटे डालकर जाम लगा दिया, जिससे दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। बाद में प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की समझाइश के बाद मामला शांत हुआ तथा जाम खुलवाया गया।

जानकारी के अनुसार मसूदा थाना क्षेत्र के रागपुरा निवासी राजेंद्र किसी कार्य से मसूदा की ओर आ रहे थे। इसी दौरान 11 मील चौराहे के निकट तेज गति से आ रही एक बोलेरो पिकअप ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि राजेंद्र ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे की सूचना मिलते ही परिजन और ग्रामीण बड़ी संख्या में घटनास्थल पर पहुंच गए। ग्रामीणों का आरोप था कि सूचना दिए जाने के बावजूद पुलिस काफी देर से मौके पर पहुंची, जिससे लोगों में नाराजगी बढ़ गई। आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क पर कांटे डालकर मार्ग अवरुद्ध कर दिया और शव को उठाने नहीं दिया। करीब एक घंटे तक चले विरोध प्रदर्शन के कारण राजमार्ग पर यातायात पूरी तरह प्रभावित रहा। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों से बातचीत की।

- **हादसे के बाद पुलिस के देर से पहुंचने और अस्पताल की मोर्चरी बंद मिलने से ग्रामीणों में आक्रोश**

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, जिला खण्ड-II, बीकानेर
क्रमांक- 319 दिनांक-01.06.2026
ई-बोली सूचना संख्या - 05/2026-27
UBN - PWD2627WSRC03718
Bid for Annual Rate Contract For Road Maintenance Work Under PWD Sub Dn Sridungargarh Sec-I and Sec-II & PWD Distt Sub Dn-I II Lunkaranar Sec-I to IV are invited from interested bidders from 02.06.2026 to 28.06.2026 6.00 PM, and to be opened 19.06.2026 02:00 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state; and PWD Department website. The approximate value of the procurement is Rs. 292.76 Lac
(संजू शेखावत)
अधिशाषी अभियन्ता,
सानिवि जिला खंड-II, बीकानेर
DIPR/C/9824/2026

Office of the Executive Engineer, PHED. Distt Rural Div I Bikaner
Email ID- eepheddn1bkn@gmail.com Contact No. 0151-2941473
No. 1026-1045 Date: 01.06.2026
Notice Inviting Bid: 05-08/2026-27
Bid for various works are invited to registered interested bidder upto 15.06.2026 upto 02.00 PM. Other particulars of bid may be visited on the Procurement Portal http://eproc.rajasthan.gov.in and http://sppp. raj.nic.in of the state. The approximate value of the procurement of Rs. 231.32 Lacs.
UBN NO. PHE2627WSOB01650, PHE2627WSOB01651, PHE2627WSOB01652, PHE2627WSOB01653
जल सीमित है, इसकी बचत करें।
(Ram Prakash Meena)
Executive Engineer
PHED, Distt (R) Div 1 Bikaner
DIPR/C/9807/2026

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
PUBLIC HEALTH ENGINEERING DEARTMENT PROJECT
DIVISION KARAULI HQ TODABHIM
(email: eecsnpkaroli@gmail.com)
Sr.No. 736-44 **NOTICE INVITING BID** Date : 01.06.2026
Bid for various work in Proj Division Karauli is invited from interested bidder up to 08.06.2026 other articulars of the bid may be visited on the procurement portal s.raj.nic.in of the state
NIB CODE: HE2627A0787

S.No.	NIT NO.	UBN NO.
1	06/2026-27	PHE2627WSOB01632

Executive Engineer
Public Health Engineering Department
Proj. Division Karauli HQ Todabhim
DIPR/C/9755/2026

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
PWD DIVISION DHOLPUR
File No. 913-29 Date: 01.06.2026
Notice Inviting Bid
NIB CODE: PWD2627A0849 and UBN IS: PWD2627WSOB03685
Bids For NIT No. 02/2026-27 Mise. Work of PWD Division Dholpur of subject matter(s) of Procurement are Invited from interested bidders date 03.06.2026 11.00 AM to Date 12.06.2026 upto 6.00 Noon. Other particulars of the id may be visited on the procurement portel (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state; and PWD departmental website. The approximate value of the procurement is Rs. 34.85 Lacs
(Naresh chand Meena)
Executive Engineer
PWD Division Dholpur
DIPR/C/9794/2026

कार्यालय अधीक्षण अभियंता, सा.नि.वि. वृत्त करौली
क्रमांक-1034 दिनांक-01.06.2026
निविदा सूचना संख्या : 03/2026-27
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर जिला करौली में बजट घोषणा 2026-27 की सड़कों के निर्माण कार्य के लिए मय नियमानुसार मरम्मत एवं संधारण की अवधि लिए उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान एवं राज्य सरकार के अन्य विभागों में पंजीकृत "एए" "ए" श्रेणी तथा केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यों हेतु ई-टेन्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में 1 निर्माण कार्य हेतु जिनकी कुल राशि रूपये 87.79 लाख है, प्राप्त की जावेगी। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट http://dipr.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in व http://sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। कार्यवार UBN संख्या निम्नानुसार है।
NIB NO.- PWD2627A0847, UBN NO.- PWD2627WSOB03681
(देवेन्द्र कुमार गुप्ता)
अधीक्षण अभियन्ता
सा.नि.वि. वृत्त-करौली
DIPR/C/9784/2026

कार्यालय अधिशाषी अभियंता, जन स्वा. अभि. विभाग, जिला ग्रामीण खण्ड द्वितीय, बीकानेर
पी.एच.ई.डी. कैम्पस, इण्डस्ट्रीयल एरिया, के.जी. कॉम्पलेक्स के पास, रानी बाजार, बीकानेर (334001)
क्रमांक- 929-39 **Notice Inviting Bid: 32 to 42/2026-27** दिनांक-29.05.2026
Bid for various works are invited to registered interested bidder on date 02.06.2026 at 18.00 hours. Other particulars of bid may be visited on the procurement portal www.sppp.rajasthan.nic.in & "http://eproc.rajasthan.gov.in" of the state. The approximate value of the procurement of Rs. 220.85 Lacs.

NIT NO.	32	33	34	35	36	37
UBN NO.	PHE2627WSOB 01596	PHE2627WSOB 01597	PHE2627WSOB 01598	PHE2627WSOB 01599	PHE2627WSOB 01600	PHE2627WSOB 01601
NIT NO.	38	39	40a	41	42	
UBN NO.	PHE2627WSOB 01602	PHE2627WSOB 01603	PHE2627WSOB 01604	PHE2627WSOB 01605	PHE2627WSOB 01606	

(नरेश कुमार रैगर) अधिशाषी अभियंता
जन स्वास्थ्य अभियांत्रिक विभाग,
जिला ग्रामीण खण्ड-II, बीकानेर
DIPR/C/9835/2026

ड्रोन निगरानी और पुलिस के कड़े पहरे के बीच 5 धार्मिक स्थलों समेत 12 अतिक्रमण जमींदोज

मालवीय नगर में नंदपुरी अंडरपास के पास रेलवे लाइन के समानांतर बनी 80 फीट चौड़ी सड़क में बाधा थे यह निर्माण

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। मालवीय नगर में 1 मस्जिद, 2 मंदिर, 1 सत्संग भवन व 1 मजार समेत कुल 12 अतिक्रमणों को जयपुर विकास प्राधिकरण ने जमींदोज कर दिया। करीब 3000 पुलिसकर्मियों की कड़ी सुरक्षा और ड्रोन की निगरानी में यह कार्रवाई हुई। हालांकि कार्रवाई के दौरान विरोध जैसी कोई स्थिति नहीं रही।

ज्ञात रहे कि मालवीय नगर में नंदपुरी अंडरपास के पास रेलवे लाइन के समानांतर 80 फीट चौड़ी सड़क हैं, परंतु यहां अवैध अतिक्रमणों के चलते आम रास्ता 30-35 फीट का ही रह गया था। पिछले दिनों जेडीए ने यहां 134 से ज्यादा अतिक्रमणों को हटाते हुए धार्मिक स्थलों को स्वयं हटाने के लिए नोटिस दिए थे। खास बात यह रही कि जेडीए की कार्रवाई बिना किसी विरोध के शांति-पूर्ण संपन्न हो गयी। अब मौके से मलबा हटाने का काम किया जा रहा है।

- **ध्वस्तीकरण की कार्रवाई के दौरान चप्पे-चप्पे पर तैनात रहे पुलिसकर्मी, बैरिकेड्स लगाकर लोगों की आवाजाही रोकी**
- **इंटरनेट बंद के साथ सोशल मीडिया पर पुलिस ने कड़ी निगरानी रखी**

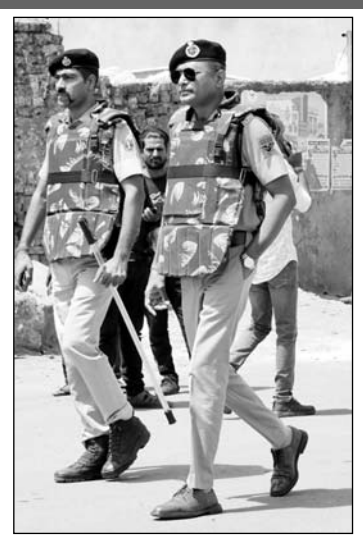

मालवीय नगर इलाके में सोमवार को जेडीए की टीम ने आम सड़क पर बनी मस्जिद, मजार, मंदिर व सत्संग भवन को ध्वस्त किया। कार्रवाई के दौरान पुलिस का भारी जाप्ता तैनात रहा। पुलिस ने इलाके में बैरिकेड्स लगाकर आवाजाही रोक रखी थी, ऐसे में लोगों ने अपनी बालकनी खिड़की से तोड़फोड़ को देखा। फोटो-राष्ट्रदूत

12 अवैध निर्माण हटाने की कार्रवाई

पुलिस के मुताबिक 80 फीट सेक्टर रोड को चौड़ा करने के लिए जेडीए ने अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया था सोमवार की कार्रवाई में 12 अवैध निर्माणों को ध्वस्त किया गया है। इस दौरान स्थिति पूरी तरह शांतिपूर्ण बनी रही और किसी प्रकार का विरोध सामने नहीं आया। स्थानीय लोगों ने भी शांति व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग किया।

नॉर्थ इंडिया की इकलौती 'लोखंडा' मशीन मंगवाई

कार्रवाई के दौरान विशेष रूप से लोखंडा मशीन भी मंगवाई गई थी. बताया जा रहा है कि ये नॉर्थ इंडिया की एकमात्र लोखंडा मशीन है, जिसे विशेष तौर पर इस अभियान के लिए जयपुर मंगवाया गया था। भारी-भरकम लोहे के ढांचों, स्टील स्ट्रक्चर और मजबूत अतिक्रमणों को ध्वस्त करने के लिए ये मशीन बैकअप के तौर पर तैयार रखी गई थी। हालांकि मौके पर मौजूद छोटी ध्वस्तीकरण मशीनों से ही निर्माण हटाने का काम पूरा हो गया, जिसके चलते लोखंडा मशीन का उपयोग करने की आवश्यकता नहीं पड़ी। हाल ही में दिल्ली में एक होटल के अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई में इसी मशीन का इस्तेमाल किया गया था।

मालवीय नगर का पूरा इलाका हाई अलर्ट पर

कार्रवाई को देखते हुए क्षेत्र में हजारों पुलिसकर्मी और आरएसी के जवान तैनात किए गए। कई ऊंची आवासीय इमारतों पर भी पुलिस बल को तैनात किया गया, ताकि लोग छतों पर एकत्रित न हो सके। लाउडस्पीकर के माध्यम से लगातार लोगों से शांति बनाए रखने और भीड़ नहीं लगाने की अपील की जाती रही। मीडिया कर्मियों को भी निर्धारित सीमा से आगे जाने की अनुमति नहीं दी गई। प्रशासनिक अधिकारियों और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी पूरे अभियान की निगरानी करते रहे।

जेसीबी और डंपर से हटाया मलबा

ज्ञात रहे कि वर्तमान में करीब डेढ़ किलोमीटर लंबी ये सड़क कई स्थानों पर केवल 25 से 30 फीट चौड़ी थी, जबकि रिकॉर्ड में इसकी चौड़ाई 80 फीट दर्ज है। ये मार्ग नंदपुरी अंडरपास को जगतपुरा से जोड़ता है और आसपास की कई कॉलोनियों के लिए महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग है।

नंदपुरी रोड की चौड़ाईकरण को लेकर हुई कार्रवाई जयपुर के हाल के सबसे "संवेदनशील अतिक्रमण हटाओ" अभियानों में गिनी जा रही है। प्रशासन जहां इसे शहर की यातायात व्यवस्था सुधारने की दिशा में जरूरी कदम बता रहा है, वहीं पूरे अभियान को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए विशेष सुरक्षा व्यवस्था की गई। आने वाले दिनों में सड़क की चौड़ाई बढ़ाने का कार्य पूरा होने पर जगतपुरा और आसपास के क्षेत्रों को यातायात जाम से काफी राहत मिलने की उम्मीद है।

22 मई को हटाए थे 134 अतिक्रमण

उल्लेखनीय है कि जेडीए ने इसी मार्ग पर 22 मई को भी अभियान चलाकर 134 अतिक्रमण हटाए थे। इसके बाद शेष अतिक्रमण हटाने के लिए समय दिया गया था। प्रशासन ने क्षेत्र में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 लागू कर रखी है, जिसके तहत 22 जून तक बिना अनुमति धरना, प्रदर्शन, रैली और पांच या उससे अधिक लोगों के एकत्र होने पर प्रतिबंध रहेगा। इंटरनेट सुचारू होने के बाद भी सोशल मीडिया पर नजर रखी जाएगी।

इंटरनेट बंद रखने से जनजीवन थमा, कारोबार प्रभावित हुआ

ऑनलाइन बुकिंग, डिजिटल भुगतान कैब और डिलीवरी सर्विस भी ठप

- **ऑटो चालक, राइडर और दुकानदार भी परेशान हुए**

जयपुर। राजधानी जयपुर में इंटरनेट सेवाएं बंद होने का असर सोमवार को आम जनजीवन और कारोबार पर साफ दिखाई दिया। ऑनलाइन भुगतान और इंटरनेट आधारित सेवाओं पर निर्भर लोगों को दिनभर परेशानियों का सामना करना पड़ा। जहां एक ओर दुकानदारों की बिक्री प्रभावित हुई, वहीं दूसरी ओर ऑनलाइन बुकिंग पर निर्भर ऑटो चालकों और होम डिलीवरी प्लेटफॉर्म से जुड़े राइडर्स का कामकाज लगभग ठप रहा।

ऑटो चालक प्रेम प्रकाश ने बताया कि सुबह से एक भी ऑनलाइन बुकिंग नहीं मिली। इंटरनेट बंद होने से पूरा दिन खाली बैठना पड़ा। उन्होंने कहा कि उनकी अधिकांश आमदनी ऑनलाइन बुकिंग पर निर्भर है। ऑटो चालक दिलीप ने बताया कि वर्तमान में अधिकांश ऑटो चालक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से जुड़े हुए हैं। स्टैंड पर ऑफलाइन सवारी कम मिलने के कारण इंटरनेट बंदी का सीधा असर उनकी आय पर पड़ा है।

पूरे दिन एक भी ग्राहक नहीं मिलने से कमाई शून्य रही। छोले-कुलचे की रेहड़ी लगाने वाले अशोक, बाबूलाल और कमल ने बताया कि ग्राहक तो आ रहे हैं, लेकिन अधिकांश लोग ऑनलाइन भुगतान करना चाहते हैं। इंटरनेट सेवा बंद होने के कारण कई ग्राहक बिना खरीदारी किए लौट रहे हैं, जबकि कुछ लोग उधार में सामान लेकर बाद में भुगतान करने की बात कह रहे हैं। ऑनलाइन डिलीवरी प्लेटफॉर्म से जुड़े राइडर हेमराज ने बताया कि इंटरनेट बंद होने से ऑर्डर नहीं मिल रहे हैं। सामान्य दिनों में वह प्रतिदिन एक हजार से पंद्रह सौ रुपए तक कमा लेते हैं, लेकिन सोमवार को एक भी डिलीवरी नहीं मिली। एक अन्य राइडर महेश ने बताया कि ऑनलाइन ऑर्डर बंद होने से कामकाज पूरी तरह ठप हो गया है। रोजाना की कमाई से ही घर का खर्च चलता है, लेकिन इंटरनेट बंदी के कारण आय प्रभावित हो गई है। शहर के विभिन्न बाजारों और व्यावसायिक क्षेत्रों में भी इंटरनेट बंदी का असर देखने को मिला। सामान्य दिनों में जहां बाजारों, बैंकों और कॉर्पोरेट कार्यालयों के आसपास चहल-पहल रहती है, वहीं सोमवार को कई डेयरी बूथ, चाय की थड़ियां और छोटी दुकानें बंद रहीं। कई दुकानदारों ने इंटरनेट सेवा बाधित रहने के कारण दुकानें नहीं खोलीं।

इंटरनेट सेवाएं पुनः बहाल

जयपुर। जयपुर शहर के विभिन्न थाना क्षेत्रों में कानून एवं शांति व्यवस्था की स्थिति सामान्य होने के बाद प्रशासन ने इंटरनेट सेवाएं पुनः बहाल कर दी हैं। संभागीय आयुक्त वी. सरवण कुमार द्वारा जारी आदेश के अनुसार पुलिस आयुक्तालय जयपुर से प्राप्त रिपोर्ट में इंटरनेट सेवाओं पर प्रतिबंध बनाए रखने की आवश्यकता नहीं बताई गई, जिसके बाद पूर्व में जारी अस्थायी निलंबन आदेश में संशोधन कर सेवाएं तत्काल प्रभाव से शुरू करने के निर्देश दिए गए। उल्लेखनीय है कि जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) की प्रस्तावित अतिक्रमण हटाओ कार्रवाई के दौरान कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से मोबाइल इंटरनेट सेवाओं पर अस्थायी प्रतिबंध लगाया गया था। इसके तहत मोबाइल इंटरनेट के साथ-साथ बल्क एसएमएस, एमएमएस, व्हाट्सएप, फेसबुक, एक्स (पूर्व में ट्विटर) को 8 जून की मध्यरात्रि से 9 जून की मध्यरात्रि तक बंद रखने के आदेश जारी किए गए थे।

भूमि विकास बैंकों के पुनरुत्थान की मांग उठाई सहकार नेता आमेरा ने

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास और नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक रवि बाबू को ज्ञापन सौंपा

जयपुर । ऑल राजस्थान कॉ-आपरेटिव बैंक एम्पलाईज यूनियन एवं ऑल राजस्थान को-ऑपरेटिव बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन के प्रांतीय महासचिव एवं सहकारी साख समितियां एम्पलाईज यूनियन राजस्थान के प्रांतीय अध्यक्ष सहकार नेता सूरज भान सिंह आमेरा ने मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास एवं मुख्य महाप्रबंधक नाबार्ड रविबाबू को ज्ञापन सौंपा। आमेरा ने अपने इस पत्र में राजस्थान प्रदेश में सहकारी भूमि विकास बैंकों का आर्थिक पुनरुत्थान एवं सुदृढीकरण कर किसानों के हित में भूमि विकास बैंकों के अस्तित्व को बनाये रखने की मांग की है। आमेरा ने पत्र में भूमि विकास बैंकों को जिला केंद्रीय सहकारी बैंकों में विलय करने के विचार को सिरे से खारिज करते हुए किसी भी प्रकार के विलय का विरोध जताया है। राज्य सहकारी विकास समिति की 21 मई को आयोजित बैठक में मुख्य सचिव द्वारा नाबार्ड से सहकारी भूमि विकास बैंकों की व्यवहार्यता का परीक्षण कर पुरुत्थान अथवा विलय के संबंध में रिपोर्ट मांगी गई है।

सहकार नेता आमेरा ने बताया कि प्रदेश में करोड़ों किसानों को दीर्घकालीन सहकारी ऋण सुविधा के लिए भूमि विकास बैंकों की व्यवहार्यता की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पहल पर भूमि विकास बैंकों को मजबूती देने के लिए पहली बार राज्य सरकार द्वारा 200 करोड का बजट प्रावधान किया जाकर अवधिपार ऋणों की वसूली के लिए मुख्यमंत्री अवधिपार ब्याज राहत एकमुश्त समझौता योजना लागू की गई, जिससे इन बैंकों द्वारा 337 करोड की वसूली की गई है। केन्द्र में पहली बार सहकारिता मंत्रालय, के गठन के साथ सहकारिता मंत्री अमित शाह द्वारा देश के सहकारी भूमि विकास बैंकों के आर्थिक पुनरुत्थान, सुदृढीकरण एवं सक्षमता के लिए 225 करोड रुपये की कम्प्यूटराईजेशन ऑफ एआरडीबी परियोजना लागू की गई है। प्रदेश में भूमि विकास बैंकों के द्वारा सतत प्रयास कर गत वर्षो की तुलना में 175 करोड का ऋण वितरण कर एसएलडीबी वर्ष 2025-26 में 41 करोड़ के वार्षिक लाभ कमाया है तथा 36 पीएलडीबी में से 23 पीएलडीबी परिचालन लाभ में आ गई है। जबकि मुख्य सचिव द्वारा नाबार्ड से राजस्थान में भूमि विकास बैंकों को रखने या नहीं रखने की रिपोर्ट मांगी जा रही है। आमेरा ने मुख्य सचिव एवं मुख्य महाप्रबंधक नाबार्ड को यूनियन की तरफ से पत्र लिखकर प्रदेश के राज्य भूमि विकास बैंक एवं 36 प्राथमिक सहकारी भूमि विकास बैंकों के आर्थिक पुनरुत्थान के लिए कार्ययोजना लागू करने की मांग की है। भूमि विकास बैंकों को केंद्रीय सहकारी बैंकों में विलय का विरोध किया है। उन्होने राज्य सरकार से भूमि विकास बैंकों के अवधिपार ऋणों की वसूली के लिए गिरवी रखी गई भूमि की सहकारी अधिनियम के अनुसार नीलामी-कुर्की पर लगाई गई रोक को हटाकर बैंकों को ऋण वसूली प्रक्रिया शुरु करने देने की भी मांग की।

लॉंचिंग से पहले नोवा 2 व नोवा 2 प्रो स्मार्टफोन का रिव्यू करेगी कंपनी

नई दिल्ली । भारतीय स्मार्टफोन उद्योग में अपनी तरह की पहली पहल करते हुए एआई प्लस स्मार्टफोन ने घोषणा की है कि वह अपने आगामी नोवा 2 नियो और नोवा2 प्रो स्मार्टफोन को बिक्री शुरू होने से पहले ही देशभर के रिव्यूअर्स, कंटेंट क्रिएटर्स, पत्रकारों और टेक्नोलॉजी समुदाय के सदस्यों को उपलब्ध कराएगा, ताकि वे इन डिवाइसेज़ की खुलकर समीक्षा कर सकें और अपनी निष्पक्ष राय दे सकें। एआई प्लस स्मार्टफोन के सीईओ और एनएक्सटीक्वांटम शिफ्ट टेक्नोलॉजीस के संस्थापक माधव शेठ ने कहा, ऐसे समय में जब प्रोडक्ट लॉन्च के साथ अक्सर पहले से तय और नियंत्रित संदेश पेश किए जाते हैं, एआई प्लस एक अलग सोच के साथ आगे बढ़ रही है, जिसमें लॉन्च के दिन की मार्केटिंग से ज्यादा उपभोक्ताओं के हित को प्राथमिकता दी जाती है। हमें सिर्फ तारीफ नहीं चाहिए, बल्कि उपयोगकर्ताओं के हित में ईमानदार और निष्पक्ष फीडबैक चाहिए। उन्होंने कहा कि नोवा2 नियो और नोवा2 प्रो को तब तक बिक्री के लिए उपलब्ध नहीं कराया जाएगा, जब तक यह फीडबैक अवधि पूरी नहीं हो जाती। उपकरण मिलने के 7 दिनों के भीतर समीक्षक अपने विचार पूरी स्वतंत्रता के साथ प्रकाशित कर सकेंगे। चाहे प्रतिक्रिया सकारात्मक हो, आलोचनात्मक हो या दोनों के बीच की कोई भी राय हो, ब्रांड उसे पारदर्शिता और लगातार सुधार की नजर से देखेगा।

बिजली विभाग एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म विकसित करेगा : नागर

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । प्रदेश के विद्युत निगमों की कार्यप्रणाली को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और कार्यकुशल बनाने के लिए एंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग (ईआरपी) प्रणाली लागू की जाएगी। ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने इसके लिए एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म विकसित करने के निर्देश दिए हैं। ऊर्जा मंत्री सोमवार को विद्युत भवन में जयपुर, जोधपुर और अजमेर विद्युत वितरण निगमों तथा ऊर्जा विकास एवं आईटी सर्विसेज निगम लिमिटेड से जुड़े सूचना प्रौद्योगिकी विषयों की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ऊर्जा विकास एवं आईटी सर्विसेज निगम लिमिटेड इस दिशा में सभी आवश्यक संभावनाओं पर कार्य करे, ताकि प्रदेश के सभी बिजली निगम एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म पर संचालित हो सकें। नागर ने कहा कि एकीकृत डिजिटल टूल विकसित होने से निर्णय प्रक्रिया अधिक त्वरित और सुगम बनेगी। मानव संसाधन, वित्त, लेखा, खरीद और परिसंपत्ति प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण कार्यों को एक ही प्लेटफॉर्म पर लाने से कार्य निष्पादन में दक्षता आएगी। उन्होंने कहा कि नई प्रणाली से उपभोक्ता सेवाओं में भी सुधार होगा। बिलिंग, शिकायत निवारण और विभिन्न सेवाओं की ट्रैकिंग अधिक प्रभावी तरीके से की जा सकेगी, जिससे उपभोक्ताओं को त्वरित सेवाएं उपलब्ध होंगी। बैठक में शासन सचिव ऊर्जा एवं चेयरमैन डिस्कॉम्स आरती डोगरा ने बताया कि प्रदेश के वितरण निगम वर्तमान में 1.95 करोड़ से अधिक विद्युत उपभोक्ताओं को डिजिटल माध्यम से सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। 'बिजली मित्र' एप और वेब पोर्टल के माध्यम से नए कनेक्शन, बिजली बिल भुगतान, टैरिफ संबंधी जानकारी, शिकायत निवारण तथा आवेदनों की ट्रैकिंग जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने बताया कि एकीकृत बिजली प्रबंध मैनेजमेंट पोर्टल और एप के जरिए साइट सत्यापन, लागत अनुमान तैयार करना, विजिलेंस, पीडीसी सत्यापन, मीटर परीक्षण तथा ग्रिड सब-स्टेशन मॉनिटरिंग जैसे कार्यों में भी पारदर्शिता और सुगमता आई है।

- **'बिलिंग, शिकायत निवारण और विभिन्न सेवाओं की ट्रैकिंग अधिक प्रभावी तरीके से होगी'**

सार-समाचार

बच्चियों को सिखाएं आत्मरक्षा के गुर

जयपुर। श्री माहेश्वरी महिला परिषद् जयपुर की ओर से आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर में नगर निगम की निवर्तमान चेयरमैन डॉ. मीनाक्षी शर्मा ने बच्चियों को आत्मरक्षा के गुर सिखाए। उन्होंने कहा कि आज के समय में बच्चियों को आत्मरक्षा के लिए किसी पर आश्रित रहने की जरूरत नहीं है, बल्कि अपनी रक्षा के लिए स्वयं मजबूत बनने की आवश्यकता है।

मानसून से पहले की तैयारियों पर चर्चा

जयपुर । कलेक्टर संदेश नायक ने सोमवार को मानसून की तैयारियों, शहर में नाला व सीवरेज लाइनों सफाई को लेकर बैठक ली। उन्होंने जीर्ण-शीर्ण विद्यालयों, आंगनबाड़ी केन्द्रों व पुराने निजी भवन चिन्हित करने के निर्देश दिए, ताकि बारिश के दौरान किसी अनहोनी से बचा जा सके। कलेक्टर ने बाढ़ नियंत्रण कक्षों की स्थापना के साथ ही आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश सभी उपखण्ड अधिकारियों व जिलास्तरीय अधिकारियों को दिए। नगर निगम प्रशासन को जयपुर शहर के सीवर लाईन एवं छोटे-बड़े गन्दे नालों की तत्काल सफाई करवाकर संबंधित अधिशाषी एवं सहायक अभियंताओं से प्रमाणीकरण कराने के निर्देश दिए। कलक्टर ने जिले के जलभराव क्षेत्रों का चिन्हीकरण कर आवश्यकतानुसार फोगिंग एवं एंटी लार्वा एक्टीविटी के लिए कहा। विद्युत विभाग के अधिकारियों को मानसून से पूर्व ढीले तारों को कसवाने, जमीन पर रखे गए ट्रांसफार्मरों को उपर रखवाकर उसके चारों ओर अवरोधक लगवाने के निर्देश भी प्रदान किए हैं। नागरिक सुरक्षा उपनियंत्रक को "बाढ़ बचाओ" टीम में आवश्यकता अनुसार दक्ष प्रशिक्षित तैराक, गोताखोर, रेस्क्यूअर स्वयंसेवकों की नियुक्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने उपखण्ड स्तर पर भी सिविल डिफेंस के स्वयंसेवकों की आवश्यकतानुसार उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

कर्मचारियों की अनदेखी पर फूटा गुस्सा

जयपुर । राजस्थान सरकार स्वास्थ्य योजना (आरजीएचएस) की सुविधा बहाल करने, वेतन विसंगतियों को दूर करने सहित पच्चीस सूत्री मांगों को लेकर आंदोलनरत राज्य कर्मचारियों ने सोमवार से प्रदेशव्यापी जागृति यात्रा की शुरुआत कर दी। राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ (एकीकृत) के प्रदेशाध्यक्ष गजेंद्र सिंह राठौड़ के नेतृत्व में यह यात्रा जयपुर स्थित गवर्नमेंट हॉस्टल से रवाना हुई। यात्रा को कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारियों ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान यात्रा में शामिल कर्मचारियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। जयपुर से रवाना हुई यात्रा बस्सी और कानोता होते हुए दौसा पहुंची, जहां स्थानीय कर्मचारियों ने यात्रा का स्वागत किया। महासंघ के प्रदेशाध्यक्ष गजेंद्र सिंह राठौड़ ने कहा कि यात्रा का उद्देश्य प्रदेशभर के कर्मचारियों को उनकी पच्चीस सूत्री मांगों के प्रति जागरूक करना और आगामी आंदोलन के लिए संगठित करना है। उन्होंने बताया कि कर्मचारियों ने पहले सांकेतिक प्रदर्शन, काली पट्टी बांधकर विरोध और सात दिन तक प्रतिदिन एक घंटे का कार्य बहिष्कार जैसे कार्यक्रम भी किए, लेकिन सरकार की ओर से कोई सकारात्मक पहल नहीं हुई। इसके बाद कर्मचारियों ने प्रदेशव्यापी जागृति यात्रा निकालने का निर्णय लिया। महासंघ के अनुसार जागृति यात्रा 8 जून से 25 जून तक प्रदेश के विभिन्न जिलों में पहुंचेगी। यात्रा के दौरान कर्मचारियों को उनकी मांगों और आगामी आंदोलन की रणनीति से अवगत कराया जाएगा।

घर के बाहर से वॉशिंग मशीन चोरी

जयपुर । मुहाना क्षेत्र में दिनदहाड़े चोरी की एक हैरान करने वाली वारदात सामने आई है। बाइक सवार दो बदमाश एक घर के बाहर रखी वॉशिंग मशीन को महज एक मिनट में चोरी कर फरार हो गए। पूरी घटना घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। पुलिस फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश में जुटी है। पुलिस के अनुसार चोरी की यह वारदात मुहाना मंडी स्थित केसर चौराहा निवासी भगवत सिंह राजावत के घर पर हुई। सीसीटीवी फुटेज में दिखाई दे रहा है कि बाइक पर सवार दो युवक पहले घर के आसपास रैकी करते हैं। इसके बाद दोनों घर के मुख्य गेट के बाहर रुकते हैं।

सरकारी कस्टडी से नकली खाद चुराने की कोशिश करने वाले दो गिरफ्तार

कृषि विभाग ने पिछले दिनों सील किया था गोदाम, आरोपियों ने ताला तोड़कर चोरी की कोशिश की

जयपुर (कासं)। हरमाड़ा पुलिस ने कृषि विभाग द्वारा सील किए गए एक गोदाम से सरकारी अभिरक्षा में रखी नकली खाद चोरी करने के प्रयास का पर्दाफाश करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी कर ले जाई जा रही नकली खाद के 180 कट्टे, एक ट्रेलर और एक मोटरसाइकिल बरामद की है। बरामद खाद की अनुमानित बाजार कीमत करीब तीन लाख रुपए बताई जा रही है। मामले में गोदाम मालिक और दो मुनीम फरार हैं, जिनकी तलाश की जा रही है।

जयपुर पश्चिम के पुलिस उपायुक्त प्रशांत किरण ने बताया कि दुर्गापुरा उद्यान कार्यालय के कृषि अधिकारी एवं उर्वरक निरीक्षक सांवर मल यादव की ओर से हरमाड़ा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी कि कृषि विभाग की टीम ने 29 मई 2026 को सीकर रोड स्थित रामलियावाला में बिना नाम-पट्टिका के संचालित एक गोदाम पर छापा मारा था। जांच के दौरान वहां नमक, रंग और अन्य कच्चे माल से नकली डीएपी (डीएपी) और एमओपी (एमओपी) खाद तैयार कर उसे नामी कंपनियों के ब्रांडेड कट्टों में पैक कर बाजार में सप्लाई करने का खुलासा हुआ था।

- **गोदाम मालिक व दो मुनीम फरार, दोनों की तलाश में जुटी पुलिस**

कार्रवाई के दौरान कृषि विभाग ने मौके से नमूने लिए और गोदाम में रखे माल को सील एवं चपडी कर सुरक्षित अभिरक्षा के लिए मौके पर मौजूद मुनीम नरेंद्र मीणा को सुपुर्द कर दिया था। पुलिस के अनुसार कृषि निरीक्षक सांवर मल यादव को सूचना मिली कि सील किए गए गोदाम का ताला तोड़कर भीतर से खाद निकाली जा रही है।

मौके पर पहुंचने पर गोदाम की सील टूटी हुई और शटर खुला मिला। जांच में सामने आया कि गोदाम मालिक निखिल शर्मा, मुनीम कमलेश मीणा और राजेश गुर्जर ने कानूनी कार्रवाई से बचने तथा जब्त माल को बेचकर लाभ कमाने की नीयत से साजिश रची थी। आरोपियों ने एक ट्रेलर किराए पर लेकर गोदाम के पीछे खड़ा किया और आरोपी सुनील भारद्वाज ने शटर का ताला तोड़ दिया। इसके बाद मजदूरों की मदद से जब्त नकली खाद को ट्रेलर में भरना शुरू कर दिया। इसी दौरान पुलिस और कृषि विभाग की भनक लगने पर आरोपी ट्रेलर और मोटरसाइकिल मौके पर छोड़कर फरार हो गए। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए हरमाड़ा थानाधिकारी उदय सिंह के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया।

इसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मामले में सुनील भारद्वाज (34) निवासी खोरा श्यामदास दौलतपुरा जयपुर और गिरधारी शर्मा (48) निवासी श्रीमाधोपुर जिला सीकर गिरफ्तार किया। वहीं इस मामले में गोदाम मालिक निखिल शर्मा, मुनीम कमलेश मीणा तथा राजेश गुर्जर फरार हैं। पुलिस उनकी तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। पुलिस गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर रही है और यह भी पता लगाया जा रहा है कि वे इस तरह की अन्य अवैध गतिविधियों या चोरी की वारदातों में शामिल है या नहीं।

ARBiT
it happens here...

Celebrating Disney's Iconic Temperamental Duck

National Donald Duck Day is observed every year on June 9 to honour one of Disney's most beloved animated characters, Donald Duck. Created by Walt Disney and first appearing in the 1934 animated film *The Wise Little Hen*, Donald Duck became famous for his sailor outfit, distinctive voice and humorous short temper. Over the decades, the character evolved into a global pop culture icon through cartoons, comics and films. Fans celebrate the day by revisiting classic Disney animations, sharing memorabilia and appreciating Donald Duck's lasting impact on entertainment history.

राष्ट्रदूत
TUESDAY
09 June 2026
A-B

#INTEGRATION

Indianisation Of Mughal Durbar

Another item of clothing that came to symbolize Akbar's eclectic aesthetic was Sheeshshobha, referring to head wear

The Mughal Emperor Akbar (reigned 1556-1605) is often celebrated not only for his military conquests and administrative reforms but also for his unparalleled efforts in fostering cultural exchange and diversity. One of the fascinating aspects of Akbar's reign was his approach to language, art, architecture, and even clothing, particularly through his efforts to blend Indian, Persian, and Arabic influences into a more inclusive and eclectic royal court. This blending of cultures is reflected in numerous aspects of his empire, including the names given to various elements of royal attire, art, and architecture, as well as the use of language in these contexts.

Akbarnama and the Naming of Clothing

The *Akbarnama*, written by Abul Fazl, the royal historian, serves as an invaluable source for understanding Akbar's reign, including his cultural policies. In the text, references are made to the different types of clothing and the manner in which they were named in the Mughal court. These names often held deeper meanings, indicating not only the attire's function but also its symbolic significance.

1. Sarpgadi

In the Akbarnama, one of the distinctive items of clothing mentioned is the Sarpgadi, literally translating to "serpent crown." This piece of attire was not simply a crown but was believed to symbolize power, mysticism, and divine protection, often reflecting Akbar's desire to represent his rule as being guided by celestial forces.

2. Charandharan

Charandharan, meaning 'footwear,' highlights the unique cultural blend in Akbar's court. This piece of footwear was not only designed for practicality but was intricately decorated, often combining local Indian artistry with Persian elements.

3. Sheeshshobha

Another item of clothing that came to symbolize Akbar's eclectic aesthetic was Sheeshshobha, referring to head wear.

Akbar's Use of Sanskrit and Replacement of Arab/ Persian Terms

Akbar's reign was marked by a concerted effort to reduce the dominance of Arabic and Persian languages, especially in the court's nomenclature. While Persian remained the official court language, Akbar began to incorporate Sanskrit in several aspects of royal life, including naming conventions. This shift in linguistic patterns was not just a political decision but a cultural one, symbolizing Akbar's attempt to create an empire that was both Indian and Islamic at its core.

Akbar's Art and Architecture: A Fusion of Cultures

Akbar's approach to art and architecture further exemplifies his eclecticism. His reign is often considered the golden age of Mughal architecture, where Persian, Central Asian, and Indian elements were fused into a distinctive new style. This can be seen in the city of Fatehpur Sikri, Akbar's capital, which stands as a monumental example of this cultural fusion.

Representation of Diversity in Akbar's Rule

Akbar's policies were guided by the idea of religious tolerance and inclusivity. He is famous for establishing a policy known as Sulh-e-Kul, or "peace with all," which allowed people of different faiths, Hindus, Muslims, Jains, and others, to coexist peacefully under his rule. This was reflected not only in his political and social policies but also in his approach to art, language, and culture.

Akbar's reign was one of the most significant periods in the history of South Asia, where the fusion of Persian, Indian, and Central Asian cultures created a unique and rich cultural tapestry. His innovative approach to naming clothing, his use of Sanskrit alongside Persian, and his emphasis on inclusive art and architecture reveal an emperor who sought to represent the diversity of his empire through both symbolism and practice. His patronage of art and architecture, as exemplified in the eclectic structures of Fatehpur Sikri, continues to be a testament to his cosmopolitan and inclusive vision of empire.

A photograph of a painting of Akbar on ivory, on display at Hyderabad's Salar Jung Museum.

The Clothes That Make An Emperor

Akbar's hagiographers and court historians wrote that the emperor's wisdom and beneficence were so great that his body glowed with the power of kingship. His radiance also harked back to the story of Alan Gua, the mythical ancestor of Genghis Khan and the Mongol people, who were impregnated by a beam of sacred light. In wearing the jama, Akbar not only tied himself to the divinity of his Mongol forebears but also ensured that this divinity could be seen and perceived by all.

#ICONOGRAPHY

From left, a miniature of Akbar around 1557; a detail from "Akbar With Lion and Calf," 1630; a Portrait of Akbar the Great.

● Bulbul Joshi

When Babur, the great conqueror and founder of the Mughal Empire, first entered India with his armies in the 16th century, he was not impressed by how people dressed. The climate and landscape of the Indian subcontinent were very different to that of Samarqand (in present-day Uzbekistan), from which he hailed. "I had never seen a hot climate or any of Hindustan before," he recorded in his memoirs. "A new world came into view, different plants, different trees, different animals and birds, different tribes and people, different manners and customs. It was astonishing, truly astonishing."

Describing the clothing he saw on this campaign, he wrote derisively, "Peasants and people of low standing go about naked. They tie on a thing called lunguta, a decency-clout which hangs two spans below the navel."

Babur was the product of a Mongol-descended Islamic dynasty in Central Asia. He grew more familiar with the Indian subcontinent's climates and cultures (and their perceived fashion faux pas) as his forces subjugated increasingly large portions of these lands. His descendants, Mughal emperors such as Akbar and Jahangir, would have to reckon with what it meant, both politically and culturally, to rule this foreign population: what cultural practices would they adopt from their new subjects? How would they fashion themselves?

Central Asian dress in this period consisted of a heavy leather coat (the postin) and a long coat made from wool, silk, and leather (the chapan), clothes that lent themselves favorably to the colder climates of the Mughal's original homeland. When Emperor Akbar (Babur's grandson) adopted a white cotton jama, a translucent garment with a tight bodice, arm-hugging sleeves, and a skirt that fell a little beyond the knees, into his wardrobe, it signalled a significant cultural shift.

Akbar's change of attire was more than a way of dressing for warmer weather. This adoption of local garments was part of a greater effort to marry the Mughal's Islamic traditions with the Indic culture that they now found themselves immersed in.

Such changes were witnessed in other arenas of Mughal public life, such as architecture. (One only has to think of the beautifully carved serpentine brackets at Fatehpur Sikri, a remarkable Gujarati architectural idiom that gets imported to the Mughal capital under Akbar; or the stone inlay in the interior tomb chamber of Jahangir, which owes its brilliant intricacy to the great pre-Mughal heritage of stonework in India.)

But the king's clothing represents a far more personal example of Mughal assimilation. The royal adoption of Indic garb was more than a deliberate campaign to cement control over Indic people and culture, it was a sign of a deeper form of change.

Clothing the body to bare the soul

Appearances had an enormous role to play within the theater of court. The emphasis on dress, which was an inescapable reality of public life, posed a quandary for the Mughals, who found themselves in contact with two distinct sartorial cultures, which were characterised by what cultural historian Phillip Wagoner calls their "sharply opposing attitudes to the body."

In the Indic system of dress, the body was seen as a defining feature of the person, something that reflected "the inner states and qualities of the individual." The classical Sanskrit poet Kalidasa, for instance, describes a heroic prince by saying "his intellect matched (sadrsa) his appearance."

Clothing functioned to frame, accentuate, and reveal the body's contours. This is precisely why traditional depictions of Indian kings show the ruler bare-chested or dressed in sheer, untailored cloth hanging loosely over his shoulders. In sharp contrast, the Islamicate attitude to dress considered the unclothed body to be shameful and held that God provided clothing to cover the nakedness of man, a purpose well fulfilled by the varied robes and tunics that characterised royal dress codes.

The taboo against displaying the body was so great that these garments were worn loosely, to avoid revealing the shape of the figure underneath. Amid such contrasting cultural worlds, cotton, as scholar Sylvia Houghteling puts it, "provided a fabric of compromise." The thin, loose cotton jama allowed the body of the king to be covered, while its translucence revealed his "inner state," a quality that served the Mughal rulers in many ways.

For one, it allowed them to inherit and carry forward an ancient Indic tradition which held that inner virtue manifests itself on the exterior of the body. Buddhist monks, for example, listed beautiful and auspicious "marks" or characteristics that appeared on the body of the mahapurusa (great being) who was "destined to become a Buddha or world-ruling king."

The translucent jama allowed the skin of its wearer to shine through, visibly revealing the king's perfumed sweat as it permeated the fabric. By doing so, the dress adhered to the prescriptions of medieval courtly texts that underlined the significance "of the king's smooth skin and bodily regimens of perfuming."

The donning of plain cotton clothes also had an ethical valence in Islamicate cultures. Sufi texts, much respected at the Mughal court, treated cotton as one of the best fabrics for clothes of piety. Emperor Akbar chose to wear the cotton jama in order to advance a very specific kind of royal propaganda: the mythology of divine light, which radiated from his body, as beneficence and wisdom radiated outward from his rule.

Akbar's hagiographers and court historians wrote that the emperor's wisdom and beneficence were so great that his body glowed with the power of kingship. His radiance also harked back to the story of Alan Gua, the mythical ancestor of Genghis Khan and the Mongol people, who were impregnated by a beam of sacred light. In wearing the jama, Akbar not only tied himself to the divinity of his Mongol forebears but also ensured that this divinity could be seen and perceived by all. The cotton jama served many purposes at once, as can be seen in a painting by Bichitr known as *Jahangir Preferring a Sufi Shaikh to Kings*. The emperor Jahangir sits on an hourglass throne with an Ottoman sultan, a Sufi shaikh, and the English king, James I, arrayed below him. Clad in his jama, Jahangir appears "cool" and "marble-like" while his "warm," "smooth skin" shines through the fabric of his shirt.

The depiction furthers Jahangir's polemical declaration in the painting: that he preferred the company of Sufi shaikhs to kings. In the South Asian cultural milieu, Jahangir's translucent jama would have allowed his subjects to see the smooth, contoured form of the emperor, considered to be the reflection of his inner disposition and virtues. And for the wider Islamicate world, his garment, rendered in white paint, would have implied that the robes were made from humbler cotton, and not sumptuous silks, aligning him with the piety of spiritual beings and not the materiality of earthly kings.

Worldly embodiment of a cosmic overlord

We tend to think of historical fashion like ripples in a pond, spreading outward from the imperial center towards the provinces and rural folk. In Mughal India, we see a departure from this norm with the court's incorporation of regional garments and textiles that had characterized the sartorial culture of South Asia long before Mughal rule. One of the garments that the court adopted was the gold-threaded, lavishly woven patka sash from Gujarati looms. These patkas, which typically measured about 11 feet in length and about a half yard in width, were cinched around the waist to hold together the cross-ways panels of the jama, or to serve as a convenient belt to hang little bags and daggers. The patka was usually plain in the middle section, which went around the waist of the wearer, and sumptuously embellished at the edges. Its designs ranged from geometric styles with chevrons and diamond-shaped patterns to more floral ones by the mid-17th century.

Often, the appearance of the patka in varied regional patterns in Mughal paintings indicated the efforts of the emperor to give a political dimension to their patronage: integrating the diverse regions of the empire through the metaphor of cloth. Writing of representations of the king in early medieval India, Daud Ali describes how "his sovereignty was conceived of as adhering to his person like a vast array of ornaments," and we might say the same for later Mughal paintings too. Textiles adorning the strong and fit body of the emperor symbolised the vastness and economic health of the empire, which burgeoned further through his participation in textile trade.

Abu'l Fazl, Akbar's court historian, noted that the emperor devoted "much attention" to numerous textiles that were regional specialties since pre-Mughal times. Indeed, Akbar heavily supported textile production in his empire. But given the importance of textile patronage in early modern South Asia, and how, according to CA Bayly, "these cloth transactions continued to underpin the commercial structure of the Mughal empire," it does not seem at all accidental that Akbar's patronage frequently spotlighted regions that had been recently annexed to Mughal control.

Paintings depicting the emperor wearing local textiles cemented not only his visual but also his physical conquest over the far-reaching territories of the subcontinent. Houghteling points out several paintings of Akbar that celebrate his military victories by depicting him wearing the characteristic fabrics of the defeated regions.

One such painting shows Akbar receiving news of his army's victory at Gogunda in Rajasthan. Here, the emperor is seated on his throne wearing a red-and-black bandhanpatka over a gold-brocaded silk sash. Scholars such as Steven Cohen have previously argued that Akbar and his son Jahangir made prominent displays of bandhani, a tie-dyed cotton fabric, in their dress and portrait paintings in order to symbolically allude to the marriage alliances that they had entered into with several Rajput lineages, signalling, in this instance, Akbar's connection to the royal family of Kachhwaha.

At Gogunda, the battle was fought between the armies of the Rajput kingdom of Mewar and Akbar's imperial forces led by Raja Man Singh I, the ruler of the Kachhwaha principality of Amber. Here, the inclusion of bandhani reflects both Akbar's familial ties as well as his military conquest.

In the Mughal Empire, notes historian CA Bayly, economic transactions related to cloth amounted to a "political discourse upholding the legitimacy of the ruler and pledging the attachment of subjects." In addition to donning the fabrics of annexed regions, the Mughal emperors were also stitching together the vast peripheries of their empire with the intimate center of the imperial household. The picture that emerged was one of the realm, as embodied by the king, which was, at once, radiantly charming and perfectly ordered.

> In the Mughal Empire, notes historian CA Bayly, economic transactions related to cloth amounted to a "political discourse upholding the legitimacy of the ruler and pledging the attachment of subjects." In addition to donning the fabrics of annexed regions, the Mughal emperors were also stitching together the vast peripheries of their empire with the intimate center of the imperial household. The picture that emerged was one of the realm, as embodied by the king, which was, at once, radiantly charming and perfectly ordered.

We can compare the fashion of the Mughal court to the clothing of the rulers of Vijayanagara, a kingdom that occupied the southern part of the Indian subcontinent. The Vijaynagara empire, which lasted from the 14th to 17th century, also stood at the crossroads of Islamicate and Indic culture: while traditionally Hindu, the empire maintained close ties to the Arab lands to its west. Philip Wagoner's study of the sartorial culture of Vijaynagara in its first two centuries emphasises the growing Islamisation of the region's elite culture as part of an effort to "expand the rhetoric of South Indian kingship" and "participate in the political discourse of Islamicate civilization."

Referring to a well-known 17th-century dyed pictorial textile in the collection of the Association for the Study and Documentation of Asian Textiles in Paris, he identifies a clear distinction between the public and private dress of Vijaynagara kings. The monarch's dress is split between two cultural idioms: when in the public sphere, he wears a lavish Islamicate robe, while in the private, domestic domain, he remains bare-chested, wearing only a lungi (the "decency-clout" described by Babur above) around his waist. Wagoner suggests that the far-reaching process of Islamisation did indeed replace select Indic cultural practices at the Vijaynagara court but only in "key public contexts." Though some have argued that the Mughals also observed this distinction (between the public and private dress/personas of the king), the situation is more complex. Two paintings from Jahangir's period imply that the Mughal emperor's relationship to dressing in public was far more complicated than the one we encounter in Vijaynagara. In the first painting, Jahangir appears bare-chested and seated in the padmasana, or lotus position, in the company of, perhaps, one of the female "kin" members of his royal household.

Even though the clouds in the upper register of the painting suggest an "exterior" locale, such leisurely portrayals, Jahangir is seen drinking wine and may be enjoying an amorous encounter here, could be associated with the domestic domain of the emperor's courtly life. The second painting depicts Jahangir (again topless) in what is one of the most performative of Mughal public domains: the jharokha. Every morning, the Mughal emperor would appear in the jharokha, a large window that allowed those outside the palace to see their ruler, to take in the rising sun and address his subjects.

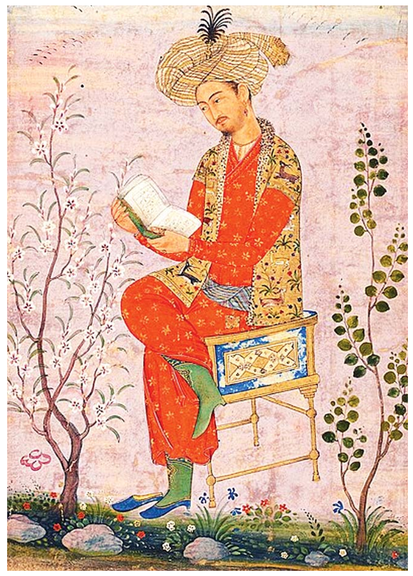

An idealised painting of Babur.

In doing so, the Emperor was offering himself up as an object of worship, giving the people a darsan or "auspicious sight" of their sovereign, who is clad in three layers of pearl necklaces, earrings, turban, and a lungi: the apparel of a Hindu deity.

Becoming another

How do we understand the differences in the courtly cultures of Vijaynagara and Mughal South Asia? An explanation resides in the material realities of the two kingdoms. Islamisation at Vijaynagara operated very much in the public sphere, where a symbolic reference to the norms of its Islamic neighbours was both expedient and natural, while the Indigenous (Indic) culture continued to operate in private.

The Mughals, on the other hand, went through a complete shift in their material circumstances: Babur's conquest of the Indo-Gangetic plain signalled a sharp break from the cultural world of semi-pastoral Central Asia. Though Babur kept alive his native cultural practices, continuing to wear the chapan and the postin, for example, his successors situated the Mughal state more deeply in the socio-religious culture, agrarian economy, and political life of India. This is reflected in their choices of clothing, from their adoption of the translucent jama all the way up to Jahangir's magnificent bare-chested appearance at the jharokha window. Such progressive fusion of two extremely disparate worlds led to thorough changes at the very level of Mughal identity: by the 16th and 17th centuries, they had shed most of the trappings of their former semi-nomadic and pastoral identity to become an essentially Indic agrarian polity.

By assimilating the various materials, meanings, and metaphors that cloth represented in South Asia, the Mughals were not only trying to gain legitimacy but were actually becoming Indic at a deeper level of identity. It is a telling example that Akbar had incorporated muga and tasar silks from Assam and the northeastern peripheries of India into his wardrobe long before Assam came under Mughal control in the 17th century.

The emperor's dress was guided by something beyond outward strategising, politicking, or symbolic actions, it was about a sense of place and connection to the landscape that he had come to inhabit. As the Mughal emperor shed his chapan and postin to don the cotton jama and tied it securely with his new bandhani patka, he shed the trappings of a past identity and embraced a new world, becoming another in the process.

rajeshsharma1049@gmail.com

THE WALL

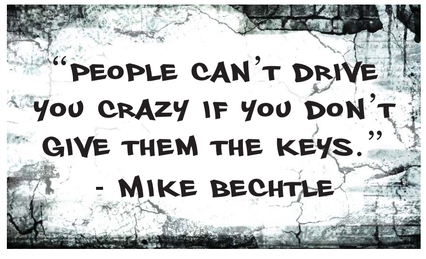

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

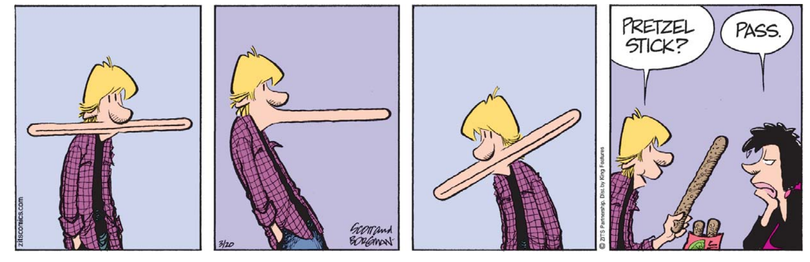

दिल्ली-जयपुर हाईवे पर बेकाबू ट्रेलर ने पैदल जा रहे वृद्ध को कुचला, मौत

नीलका पुलिया के निर्माण कार्य के चलते बनाए गए डायवर्जन के दौरान ट्रेलर बेकाबू हो गया

पावटा, (निसं)। दिल्ली-जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर आंतेला क्षेत्र में सोमवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में पैदल जा रहे 75 वर्षीय वृद्ध की मौत हो गई। नीलका पुलिया के निर्माण कार्य के चलते बनाए गए डायवर्जन के दौरान एक ट्रेलर अचानक बेकाबू हो गया और एक होटल के बाहर बनी पार्किंग में घुस गया। इस दौरान वहां पैदल जा रहे वृद्ध को ट्रेलर ने टक्कर मार दी। वृद्ध गंभीर रूप से घायल हो गया। वृद्ध की गंभीर स्थिति को देखते हुए एम्बुलेंस की मदद से उसे पावटा उपजिला अस्पताल भेजा गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान आंतेला निवासी सुरजाराम पुत्र चुन्नीलाल यादव के रूप में हुई है, जो नारनौलिया की ढाणी का रहने वाला था। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें साफ दिखाई दे रहा है कि तेज रफ्तार ट्रेलर डायवर्जन क्षेत्र में नियंत्रण खो बैठा और सर्विस रोड छोड़कर सीधे होटल परिसर की पार्किंग में जा घुसा।

- **घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जिसमें साफ दिखाई दे रहा है कि तेज रफ्तार ट्रेलर डायवर्जन क्षेत्र में नियंत्रण खो बैठा**
- **नियंत्रण खोने के बाद तेज रफ्तार ट्रेलर सर्विस रोड छोड़कर सीधे होटल परिसर की पार्किंग में जा घुसा**

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सुरजाराम ने ट्रेलर को अपनी ओर आते देख बचने का प्रयास किया, लेकिन वह उसकी चपेट में आ गया। बेकाबू ट्रेलर उसे कुछ दूरी तक घसीटता हुआ ले गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोग तुरंत घायल को अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

घटना के बाद क्षेत्र में आक्रोश का माहौल है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि नीलका पुलिया के निर्माण कार्य के चलते लंबे समय से यातायात डायवर्ट किया गया है, लेकिन सुरक्षा इंतजामों और ट्रैफिक प्रबंधन में गंभीर लापरवाही बरती जा रही है। लोगों ने निर्माण कंपनी और एनएचएआई की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। सूचना मिलने पर भाबरू थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने हादसे में शामिल ट्रेलर को जब्त कर लिया है तथा मामले की जांच शुरू कर दी है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर भी हादसे के कारणों की पड़ताल की जा रही है। हादसे का वीडियो सामने आने के बाद क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल है। ग्रामीणों ने निर्माण स्थल पर बेहतर सुरक्षा व्यवस्था और यातायात नियंत्रण के प्रभावी इंतजाम किए जाने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की दर्दनाक घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

जोधपुर के मोकलावास में महिला और युवक ने फांसी लगाई

जोधपुर, (कासं)। शहर के निकटवर्ती मोकलावास गांव स्थित धांधलों की ढाणी में रहने वाली एक महिला ने अपने घर में और एक युवक ने खेत में पेड़ पर फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। महिला ने सुबह सात बजे के आस पास फंदा लगाया तो युवक ने सुबह 11 बजे से पहले फंदे पर लटककर अपनी जान दी। दोनों मामले सामने आने पर राजीव गांधी नगर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मौका मुआयना किया। दोनों ने आत्महत्या किस कारण से की गई, इसक आरंभिक तौर पर खुलासा नहीं हुआ है। पुलिस दोनों को अलग अलग मामले बता रही है।

- **दोनों ने आत्महत्या किस कारण से की, इसका आरंभिक तौर पर खुलासा नहीं हुआ है**

राजीव गांधी नगर पुलिस ने बताया कि मोकलावास गांव के धांधलों की ढाणी में रहने वाली 36 साल की सेनाकंवर उर्फ चेनकंवर पत्नी खिंवसिंह ने सुबह सात बजे घर में फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। आत्महत्या का कारण पता नहीं चला है। उसकी शादी को 15 साल हो रखे थे। वह मूल रूप से पिचोलिया की रहने वाली है। इस घटना के कुछ देर बाद पुलिस को सूचना मिली कि गांव में एक खेत में 21 साल के युवक लक्ष्मण सिंह ने पेड़ पर फंदा लगाकर आत्महत्या की है। पुलिस सूचना मिलने पर वहां पहुंची। बताया गया कि वह युवक सुबह घर से पेट्रोल पंप पर जाने का कहकर निकला था। मगर वह पेट्रोल पंप नहीं पहुंचा। तब तलाश किए जाने पर खेत में पेड़ पर फंदा लटकाए मिला। बाद में पुलिस को सूचना मिलने पर मौका मुआयना किया गया। उसके भाई श्रवणसिंह ने मर्ग में रिपोर्ट दी है। पुलिस फिलहाल आत्महत्याओं का कारण स्पष्ट नहीं कर पाई है।

लाखों की नकबजनी का खुलासा, तीन गिरफ्तार

गहनों को पिघलाकर खरीदने वाले दुकानदार से सोना-चांदी व 12 लाख की नगदी जब्त

जोधपुर, (कासं)। शहर के एयरपोर्ट थाना क्षेत्र में गत 19 मई को उचियारड़ा के रहने वाले श्रवणराम प्रजापत के मकान में 15 तोला सोना और डेढ़ किलो चांदी के आभूषण चोरी के प्रकरण का पुलिस ने खुलासा करते हुए तीन शातिरों को पकड़ा है। संदिग्ध कार की जब्ती के बाद घटना का खुलासा हो पाया। पुलिस ने 12 लाख नगद, चांदी की दो सिल्ली और 89 ग्राम सोने की एक बट्टी खरीददार से जब्त की है। आरोपियों ने गहनों को पिघलाकर बेच दिया था।

एयरपोर्ट थानाधिकारी संतोष चौधरी ने बताया कि मामला दर्ज होने पर पुलिस की टीमों का गठन किया गया। पुलिस ने सौ से ज्यादा सीसीटीवी फुटेज देखे और एक संदिग्ध ग्रे रंग की कार का पता लगाया। कार बाद में नाथों का बास, सिवांची गेट तक एक कमरे पर आकर रूकी। तब एएसआई गणेशीलाल वहां पहुंचे। तब घर के अंदर डेडीसरा फलोदी निवासी दुर्गेश उर्फ दुर्गाराम पुत्र गोरधनराम मेघवाल, सिवांचीगेट सिंधियों का बास निवासी नवीन उर्फ रॉकी पुत्र राजू भाटी एवं पांचवीं रोड ईदगाह बादमा अस्पताल के पास रहने वाले सोनू उर्फ फतेहराज पुत्र जगदीश सुनार मिले। गहन पूछताछ में इन्होंने चोरी करना स्वीकार किया। थानाधिकारी संतोष चौधरी ने बताया कि सोने-चांदी को आरोपियों ने पिघलाकर दुकानदार को बेच दिया। जिस पर 12 लाख रूपए नगद, दुकान की तस्दीक कर दुकानदार से चांदी की दो सिल्ली दो किलोग्राम एवं सोने की एक बट्टी 89 ग्राम की जब्त की गई। आरोपियों को पांच दिन की पुलिस अभिरक्षा में लिया गया है।

जोधपुर शहर में क्रिप्टो में निवेश के नाम पर ठगी

- **एक्सपो प्लेटफार्म पर इंवेस्टमेंट के नाम पर लाखों की ठगी का प्रकरण दर्ज**

जोधपुर, (कासं)। शहर के नागौरी गेट क्षेत्र में चिट फंड कंपनी चलाने वाले लोगों के खिलाफ लगातार ठगी के प्रकरण दर्ज हो रहे हैं। अब तक आधा दर्जन केस दर्ज हो चुके हैं और दो करोड़ की ठगी का पता लगा है। यह बढ़ भी सकती है। नागौरी गेट, माता का थान, महामंदिर के बाद सरदारपुरा थाने में एक्सपो प्लेटफार्म पर इंवेस्टमेंट के नाम पर लाखों की ठगी का प्रकरण दर्ज हुआ है। शातिरों ने स्थानीय लोगों को यूएसडीटी और क्रिप्टो में निवेश के नाम पर अपनी ठगी का शिकार बनाया। सबसे बड़ी बात है कि इंवेस्टमेंटकर्ताओं ने ना तो पर्ची ली और ना ही किसी प्रकार की लिखा पढ़ी शातिरों से की। सब लेन देन केश में किया गया। पुलिस खुद अब पशोपेश की स्थिति में है। जांच किस प्रकार की जाए।

झंवर रोड स्थित वैशाली टाउनशिप बोरानाडा निवासी शाहरूख खां पुत्र मो. शफीक ने सरदारपुरा थाने में रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि 19 जनवरी 25 से 28 मार्च 26 के बीच में उसने एक्सपो प्लेटफार्म पर लाखों रूपए इंवेस्ट किए थे। इसमें जितेंद्र जांगिड़, रजत शर्मा, पूजा, विजय मोर्य आदि ने मिलकर यूएसटीडी और क्रिप्टो में निवेश के नाम पर बड़े लाभांश की बात की थी। शाहरूख ने अपने कुछ परिचितों को भी इसमें शामिल कर लिया था। शातिरों को चिल्ड्रन पार्क के पास एक चाय की थड़ी पर रूपयों का लेन देन दिया गया। मगर उसके पास में लेन देन की पर्ची या कोई लिखापढ़ी नहीं है। थानाधिकारी जयकिशन सोनी ने बताया कि लेन देन के संबंध में इनके पास कोई कागज इत्यादि नहीं है। फिलहाल मामला दर्ज किया गया है।

जानकारी के अनुसार उक्त लोगों द्वारा शहर के कई लोगों का ठगी का शिकार बनाते हुए दो करोड़ से ज्यादा की अब तक रकम खुर्दबुर्द किए जाने का पता लगा है। जिला पूर्व नागौरी गेट में शातिरों ने कार्यालय खोल रखा था। बाद में रकम ऐंठ कर फरार हो गए। पुलिस का मानना है कि चिटिंग के शिकार लोगों की संख्या बढ़ सकती है।

बोलेरो पलटने से चार जने घायल

सरमथुरा, (निसं)। उपखंड क्षेत्र के छिंगापुरा गांव के पास सोमवार को एनएच 11वी पर बोलेरो गाड़ी पलट गई। इस हादसे में एक बच्ची समेत चार लोग घायल हो गए। पुलिस का कहना है कि बोलेरो गाड़ी सरमथुरा की ओर से आ रही थी। अचानक सामने आई छोटी बच्ची को बचाने के प्रयास में गाड़ी अनियंत्रित होकर पलट गई।

थानाधिकारी हरेंद्र सिंह ने बताया कि ग्रामीणों ने घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही एएसआई हरी सिंह मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों की मदद से घायलों को तुरंत सरमथुरा अस्पताल पहुंचाया गया। सरमथुरा अस्पताल में डॉ. देवेंद्र गर्ग और उनकी टीम ने घायलों का उपचार किया। चार घायलों में से तीन को हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है।

रेफर किए गए घायलों में 6 वर्षीय राजकुमारी पुत्री शिवदयाल, निवासी छिंगापुरा, 55 वर्षीय सोमवती पत्नी कल्ला, निवासी रीछरी और 22 वर्षीय तरुण पुत्र कल्लाराम शामिल हैं। 27 वर्षीय शेर सिंह पुत्र विश्राम का इलाज सरमथुरा अस्पताल में जारी है।

अवैध हुक्का बार पर छापा मारा

जोधपुर, (कासं)। माता का थान पुलिस ने जगदंबा कॉलोनी क्षेत्र में चल रहे एक कैफे की आड़ में हुक्काबार का पता लगाया। पुलिस ने हुक्का सामग्री जब्त किए जाने के साथ संचालक के खिलाफ केस दर्ज किया गया। माता का थान पुलिस थाने के एसआई भागूराम को सूचना मिली कि जगदंबा कॉलोनी क्षेत्र में सिसोदिया कैफे में अवैध रूप से हुक्का पिलाया जा रहा है। इस पर पुलिस टीम के साथ वहां रेड दी गई। पुलिस ने संचालक अशोक बहादूर के खिलाफ अवैध हुक्का बार संचालन का केस बनाया। मौके से हुक्का सामग्री को जब्त किया गया।

नवजात का शव मिला

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर में सोमवार सुबह डस्टबिन (कूड़ेदान) में नवजात का शव मिला। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। शव को हॉस्पिटल पहुंचाया गया। मामला शहर के प्रतापनगर सदर थाना क्षेत्र के गीता भवन के सामने का है। सुबह करीब 7 बजे पुलिस को नवजात मिलने की सूचना मिली थी।

पुलिस के अनुसार सोमवार सुबह लोगों ने सूचना दी थी कि कोई नवजात बच्ची को डस्टबिन में डालकर चला गया। इस पर एएसआई सूरता राम मौके पर पहुंचे। एएसआई सूरताराम ने बताया कि कोई बच्ची को कचरे के ढेर में फेंक कर चला गया था। इसके बाद पुलिस अधिकारियों और कंट्रोल रूम को सूचना दी गई थी। कुछ देर में एफएसएल और डॉग स्क्वायड की टीम भी मौके पर पहुंच गई थी। इसके बाद बच्ची को मथुरादास माथुर हॉस्पिटल लाया गया।

कोटा के थेकड़ा में नाला निर्माण के दौरान 11 केवी के छह पोल गिरे

कोटा, (निसं)। शहर के थेकड़ा इलाके में नाला निर्माण के दौरान की गई खुदाई के चलते 11 केवी की विद्युत लाइन गिरने का मामला सामने आया है। इस विद्युत लाइन के 6 पोल गिर गए हैं, जिनमें एक मकान पर गिरा है। चालू लाइन में पोल गिरने से करंट भी कुछ देर फैल गया था और मकान भी करंट की चपेट में आ गया। हालांकि घर में कोई भी मौजूद नहीं था, इसके चलते जनहानि नहीं हुई है, लेकिन क्षेत्र की बिजली सप्लाई करीब छह घंटे तक बाधित रही। इस दौरान साकेत आवास व अन्य कॉलोनी के 500 से ज्यादा घरों के लोग प्रभावित हुए। मामले में कोटा विकास प्राधिकरण के तहत चल रहे नाला निर्माण में संवेदक की बड़ी लापरवाही सामने आई हैं। यह निर्माण साकेत आवास कॉलोनी के नजदीक हो रहा था। लोगों ने केडीए से संवेदक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

- **चालू लाइन में पोल गिरने से करंट फैल गया और मकान भी करंट की चपेट में आ गया**

कोटा के थेकड़ा इलाके में नाला निर्माण के दौरान की गई खुदाई के चलते विद्युत पोल गिर गए।

स्थानीय निवासी विनोद जैन का कहना है कि नाला खुदाई के बाद पोल को सुरक्षित किए बिना ही छोड़ दिया गया जिससे 11 केवी लाइन के करीब 6 बिजली के पोल रविवार रात को बारिश के बाद गिर गए या झुक गये। यहां से गुजर रही छोटी सप्लाई लाइनें भी इसकी चपेट में आ गई थी जिसके चलते रोड लाईट भी जल गई हैं। कोटा इलेक्ट्रिसिटी डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड के सहायक अभियंता सुरजीत ठाकुर का कहना है कि समय रहते विद्युत लाइन कट गई थी। विद्युत विभाग की टीम मौके पर पहुंचकर पोल को हटाने और लाइन दुरुस्त करने में जुटी। इस मामले में निर्माण कर रहे ठेकेदार की गलती हैं। उसने बिना अनुमति के ही विद्युत पोल के आसपास की जमीन को खोद दिया जिसके चलते हादसा होने से बचा है। इस मामले में हादसा होता तो बिजली कंपनी को लोग जिम्मेदार बता देते। जबकि पूरा घटनाक्रम ठेकेदार की गलती के चलते हुआ है। हादसे के बाद एहतियातन रात 3 बजे से ही पूरे इलाके की विद्युत सप्लाई बंद कर दी गई जिसे दूसरे फीडर से जोड़कर सुबह 8.30 बजे चालू किया गया है।

निर्माण ठेकेदार पुनीत सभरवाल का कहना है कि उन्होंने काफी दूर खुदाई की थी। बारिश के चलते मिट्टी हट गई। उल्लेखनीय है कि कोटा में कुछ दिन पहले इसी तरह से बोरखेड़ा में नाला निर्माण के तहत बिना बैरिकेडिंग का निर्माण हो रहा था। यहां नाले को भी छोड़ देने के चलते रिटायर प्रिंसिपल बाइक समेत नीचे गिर गए थे। उनके गिरने के 10 घंटे बाद लोगों को पता चला, तब तक उनकी मौत हो गई। इस मामले में केडीए ने तीन अभियंताओं को निलंबित किया था और ठेकेदार को भी ब्लैकलिस्ट कर दिया था। ठीक उसी तरह का यह हादसा हुआ है। गनीमत रही कि जनहानि नहीं हुई हैं।

इस पर कोटा विकास प्राधिकरण के डायरेक्टर इंजीनियरिंग रविंद्र प्रकाश माथुर का कहना है कि उन्होंने सूचना मिलने के बाद तत्काल सिविल और इलेक्ट्रिक विंग की टीम को भेज दिया है। ताकि घटना के कारण को समझा जा सके व तत्काल राहत प्रदान की जाए।

कीटनाशक पीने से एक जने की मौत

जोधपुर, (कासं)। झंवर स्थित चिंचड़ली गांव में एक व्यक्ति ने भूल से घर में रखे कीटनाशक का सेवन कर लिया। तबीयत बिगड़ने पर अस्पताल ले जाया गया, मगर उसकी उपचार के बीच मौत हो गई। इस बारे में उसके पिता की तरफ से पुलिस में मर्ग की रिपोर्ट दी गई। झंवर पुलिस ने बताया कि गवारियों की बस्ती तिंवरी मथानिया निवासी गिरधारीराम पुत्र नवलाराम गवारिया की तरफ से मर्ग में रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि उसका पुत्र 42 वर्षीय रामनिवास यहां चिंचड़ली झंवर में रहता था और खेतीबाड़ी करता था। उसने घर पर भूल से कीटनाशक का सेवन कर लिया। तबीयत बिगड़ने पर अस्पताल ले जाया गया। मगर बाद में उसकी मौत हो गई। झंवर पुलिस ने शव को कार्रवाई के बाद परिजन के सुपुर्द किया।

युवक के नहर में कूदने के तीन घंटे बाद पहुंचे गोताखोर, लापरवाही का आरोप

कोटा, (निसं)। गुमानपुरा नहर में युवक के कूदने की घटना को लेकर भाजपा नेता संदीप भाटिया ने नगर निगम की गोताखोर टीम पर गंभीर लापरवाही के आरोप लगाए हैं। उन्होंने सोमवार को नगर निगम आयुक्त को ज्ञापन सौंपकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच करवाने तथा दोषी अधिकारियों-कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

भाटिया ने आरोप लगाया कि रविवार शाम करीब 5.30 बजे गुमानपुरा नहर में एक युवक ने छलांग लगा दी थी। सूचना मिलने पर पुलिस कुछ ही समय में मौके पर पहुंच गई, लेकिन नगर निगम की गोताखोर टीम लगभग तीन घंटे बाद रात साढ़े आठ बजे घटनास्थल पर पहुंची। उन्होंने कहा कि हैरानी की बात यह है कि घटनास्थल से नगर निगम का अग्निशमन एवं बचाव केन्द्र मात्र 200 मीटर की दूरी पर स्थित है। उन्होंने आरोप लगाया कि मौके पर पहुंचने के बाद भी कोई गोताखोर नहर में उतरकर तत्काल खोज एवं बचाव कार्य में नहीं जुटा। घटना के समय नहर में पानी का बहाव भी नहीं था और पर्याप्त उजाला मौजूद था, इसके बावजूद बचाव अभियान शुरू नहीं किया गया। इससे प्रतीत होता है कि टीम में मौजूद गोताखोरों के पास पर्याप्त अनुभव नहीं था। भाटिया ने कहा कि यदि सूचना मिलते ही गोताखोर टीम मौके पर पहुंचकर कार्रवाई शुरू करती तो युवक की जान बचने की संभावना बन सकती थी। अगले दिन सुबह युवक का शव नहर से बाहर निकाला गया। भाटिया ने आयुक्त से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की है।

नगर निगम के मुख्य अग्निशमन अधिकारी राकेश व्यास ने बताया कि उन्हें 7 बजे इसकी फोन पर सूचना मिली थी। सूचना के बाद तुरंत गोताखोरों को घरों से बुलाकर रेस्क्यू ऑपरेशन प्रारंभ कर दिया गया। स्टील ब्रिज के पास से नव को नहर में उतरने में थोड़ी कठिनाई हुई, इस कारण समय भी लगा। 9.15 बजे तक रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। सोमवार सुबह ही रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर शव को रिकवर कर लिया गया है।

हिडन कैमरा मामले पर आज चिड़ावा बंद का आव्हान

चिड़ावा, (निसं)। कस्बे में हिडन कैमरा प्रकरण को लेकर सोमवार को कबीर टीला में एक संयुक्त बैठक आयोजित की गई। इसमें सर्व समाज, व्यापार मंडल और विभिन्न सामाजिक व हिंदूवादी संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में घटना की कड़ी निंदा करते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की गई। वक्ताओं ने कहा कि इस घटना ने महिलाओं की सुरक्षा और निजता पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि मंगलवार को पूरा चिड़ावा बाजार पूर्णत बंद रहेगा।

- **व्यापारियों, संगठनों ने बैठक आयोजित कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की**

प्रतिनिधियों ने पुलिस को चिड़ावा बंद की सूचना का एक पत्र सौंपा।

वस्त्र व्यापार संघ, हार्डवेयर और इलेक्ट्रिक व्यापार संघ तथा व्यापार मंडल ने इस बंद को अपना समर्थन दिया है। सभी व्यापारी और कार्मिक मंगलवार सुबह 10.30 बजे विवेकानंद चौक में एकत्रित होंगे। यहां एक बैठक कर भविष्य की ठोस रणनीति बनाई जाएगी। ताकि भविष्य में कोई ऐसा कृत्य करने का साहस न कर सके। इसके साथ ही, मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों को कड़ी सजा दिलाने के लिए एक स्थायी समिति के गठन पर भी सहमति बनी। इस बैठक में शहर के प्रबुद्ध नागरिकों के अलावा आसपास के गांवों से भी बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचे। भाजपा नेता राजेश दहिया, भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष नरेंद्र गिरधर, नीतिका थालोर, व्यापार मंडल सचिव राजेश मोदी, मुकेश खंडेलवाल, सुनील सिद्धड, पवन शर्मा नवहाल, पूर्व पालिका उपाध्यक्ष अभय सिंह बडेसरा, अमित सैनी गोलू, अमित खंडेलवाल, पूर्व पार्षद सुरेन्द्र सैनी, अजय चौमाल, राजेंद्र शर्मा, आलोक मित्तल, विशाल सुलतानिया, महेंद्र मोदी, मनीष धाबाई, सुनील टेलर, पूर्व पार्षद महेश शर्मा धन्ना, राकेश बाछुका, विकास खंडेलवाल, नितेश जांगिड़, महेंद्र चौधरी, मुकेश खंडेलवाल, किशोरीलाल, बाबू सिंह राजपुरोहित और अभिषेक पारीक सहित कई प्रमुख लोग मौजूद रहे। मौके पर पुलिस जाब्ता भी तैनात रहा और पुलिस को बंद की सूचना का एक पत्र भी सौंपा गया।

कस्बे में ट्रायल रूम में मोबाइल से रिकॉर्डिंग के मामले को लेकर पिछले दो दिनों से लगातार विरोध-प्रदर्शन, धरने और रैलियों का दौर जारी है। विभिन्न सामाजिक और व्यापारिक संगठनों की ओर से कार्रवाई की मांग को लेकर आंदोलन किया जा रहा है। हालांकि इस पूरे घटनाक्रम के बीच स्थानीय कांग्रेस नेताओं की गैरमौजूदगी चर्चा का विषय बनी हुई है। सोशल मीडिया पर लोग सवाल उठा रहे हैं कि महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा से जुड़े इतने संवेदनशील मुद्दे पर कांग्रेस विधायक पितराम सिंह काला और कांग्रेस की निवर्तमान नगरपालिका अध्यक्ष सुमित्रा सैनी की ओर से अब तक कोई सार्वजनिक प्रतिक्रिया सामने क्यों नहीं आई है। आंदोलन से जुड़े कई लोगों का कहना है कि जब पूरा शहर इस मामले को लेकर आंदोलित है। तब जनप्रतिनिधियों और राजनीतिक नेताओं को भी अपनी स्पष्ट राय रखनी चाहिए।

अजमेर के जेएलएन अस्पताल में 227 नर्सिंग ऑफिसरों की हड़ताल जारी

अजमेर, (निसं)। अजमेर संभाग के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल जवाहर लाल नेहरू (जेएलएन) अस्पताल में प्लेसमेंट एजेंसी के माध्यम से कार्यरत 227 नर्सिंग ऑफिसरों को राज्य सरकार द्वारा हटाए जाने के विरोध में चल रहा आंदोलन सोमवार को पांचवें दिन भी जारी रहा। अपनी मांगों को लेकर नर्सिंग कर्मचारियों ने एकजुट होकर विरोध प्रदर्शन किया और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। जिला कलैक्ट्रेट के बाहर विरोध प्रदर्शन कर नर्सेज कर्मचारियों में शामिल दो महिला नर्सेज कर्मचारी अचानक तबीयत खराब हो गई, जिन्हें विरोध प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों ने तुरंत जवाहर लाल नेहरू अस्पताल पहुंचाया।

- **जेएलएन अस्पताल में प्लेसमेंट एजेंसी के माध्यम से कार्यरत 227 नर्सिंग ऑफिसरों को राज्य सरकार द्वारा हटाए जाने का विरोध**

अजमेर के जेएलएन अस्पताल में नर्सिंग ऑफिसरों का आंदोलन पांचवें दिन भी जारी रहा।

जानकारी के अनुसार सोमवार को संविदा नर्सेज कर्मचारी संघ के बैनर तले बड़ी संख्या में नर्सिंग कर्मचारी धरना स्थल से जुलूस के रूप में रवाना हुए। कर्मचारी विभिन्न मार्गों से होते हुए अजमेर जिला कलैक्ट्रेट पहुंचे, जहां कलैक्ट्रेट परिसर के बाहर सड़क पर एकत्र होकर राज्य सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान कर्मचारियों ने अपनी सेवाएं जारी रखने तथा हटाने के निर्णय को वापस लेने की मांग उठाई। प्रदर्शन के दौरान संविदा नर्सेज कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष विशाल पाराशर और प्रदेश संयोजक कशिश कच्छावा ने जिला कलैक्टर को ज्ञापन सौंपकर अपनी समस्याओं और मांगों से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि लंबे समय से अस्पताल में सेवाएं दे रहे नर्सिंग ऑफिसरों को अचानक हटाया जाना न केवल कर्मचारियों के भविष्य के साथ अन्याय है, बल्कि इससे अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाएं भी प्रभावित हो सकती हैं।

संघ पदाधिकारियों ने जिला प्रशासन से आग्रह किया कि उनकी मांगों को प्रदेश के चिकित्सा मंत्री तथा राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष एवं अजमेर उत्तर विधायक वासुदेव देवनानी तक पहुंचाया जाए, ताकि इस मुद्दे का शीघ्र समाधान निकल सके। नर्सिंग कर्मचारियों का कहना है कि जब तक उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक उनका आंदोलन और धरना जारी रहेगा। वहीं अस्पताल में कार्यरत संविदा नर्सिंग कर्मचारियों के आंदोलन को लेकर स्वास्थ्य सेवाओं पर भी असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है। संघ पदाधिकारियों ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने जल्द ही उनकी मांगों पर विचार नहीं किया तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। कर्मचारियों ने राज्य सरकार से संवेदनशीलता दिखाते हुए रोजगार सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा हटाने के आदेश वापस लेने की मांग की है।

संक्षिप्त

भू-खंड आवंटन को लेकर बैठक 12 को

निवाई। कृषि उपज मंडी में रिक्त गोदाम भू-खंडों के आवंटन के लिए 12 जून को मंडी कार्यालय में बैठक आयोजित होगी। मंडी सचिव कमलकिशोर सोनी ने बताया कि 12 जनू को सुबह 11 बजे मंडी प्रशासक की अध्यक्षता में आवंटन समिति की बैठक आयोजित होगी। बैठक में मंडी परिसर में स्थित रिक्त गोदाम भू-खंडों के आवंटन किया जाएगा। जिसमें सभी आवेदक भाग लेंगे।

सीएम का आभार जताया

चौमूं / कालाडेरा। ग्राम मलिकपुर में 33/11 सबस्टेशन की स्थापना के लिए जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड द्वारा प्रशासनिक स्वीकृति जारी कर दी गई है। रामलाल शर्मा ने कहा कि क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था को सुदृढ़ करना और हमारे अन्नदाताओं व ग्रामीणों को बिजली की समस्या से निजात दिलाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल रहा है। मलिकपुर में नया सबस्टेशन बनने से क्षेत्र के बिजली तंत्र में अभूतपूर्व सुधार होगा। पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने इस जनहितैषी निर्णय और त्वरित प्रशासनिक स्वीकृति के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर का क्षेत्रवासियों की ओर से आभार व्यक्त किया और धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि मलिकपुर एवं इसके आस-पास के गांवों के उपभोक्ताओं को लंबे समय से चली आ रही लो-वोल्टेज और बार-बार होने वाली ट्रिपिंग की समस्या से स्थाई रूप से छुटकारा मिलेगा, क्षेत्र के अन्नदाताओं को खेती-बाड़ी और सिंचाई कार्यों के लिए पर्याप्त, सुचारू और गुणवत्तापूर्ण थ्री-फेज बिजली उपलब्ध हो सकेगी, जिससे फसलों की पैदावार में मदद मिलेगी तथा बिजली वितरण व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, संतुलित और लोड-फ्री बनाने के लिए इस सबस्टेशन के अंतर्गत 3 नए 11 आउटगोइंग फीडर भी तैयार किए जाएंगे।

नाबालिग की मौत पर समाज आक्रोशित

बौंली-बामनवास। राजस्थान की राजधानी जयपुर के प्रताप नगर निवासी नाबालिग वंशिका गर्ग की संदिग्ध मौत पर बौंली व बामनवास क्षेत्र के अग्रवाल समाज में भारी आक्रोश व्याप्त है। इस मामले को लेकर अग्रवाल समाज ने बौंली उपखंड अधिकारी को नारेबाजी करते हुए 8सूत्रीय मांग पत्र का ज्ञापन सोपा। ज्ञापन में अंकित किया गया है कि अग्रवाल समाज की नाबालिग बेटी कुमारी वंशिका गर्ग के साथ धटित अत्यंत, दुखद व संदिग्ध घटना से संपूर्ण अग्रवाल समाज में ही नहीं समस्त जनमानस में भय, असुरक्षा एवं चिंता का वातावरण व्याप्त है। समाज की भावना है की इस प्रकरण की निष्पक्ष जांच करा कर दोषियों को कठोर दण्ड व सजा मिले।

कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

मनोहरपुर। पंचायती राज मंत्रालयिक कर्मचारी संगठन राजस्थान के द्वारा आज संपूर्ण प्रदेश भर में स्वाभिमान बचाओ आंदोलन के तहत आज पूरे राजस्थान में सभी जिला कलेक्टर एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारीयों को ज्ञापन सौंपा गया प्रदेश महामंत्री एवं जयपुर जिला अध्यक्ष पुरूषोतम टेलर ने बताया कि यदि सरकार हमारे द्वारा हमारी मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा प्रदेश अध्यक्ष अशोक निठारवाल ने बताया कि इस आंदोलन में 6 जुलाई को मुख्यमंत्री का घेराव किया जाएगा फिर भी मांगे नहीं माने जाने पर पूरी प्रदेश कार्यकारणी और सभी जिला अध्यक्ष और महामंत्रियों द्वारा जल समाधि ली जाएगी जिस की संपूर्ण जिम्मेदारी सरकार की होगी इस अवसर पर राजस्थान राज्य मंत्रालयिक कर्मचारी महासंघ के महामंत्री सुनिल मोदी ने बताया कि यदि सरकार इन कर्मचारियों की मांगे नहीं मानती है तो राजस्थान के सभी 122 विभागों के एक लाख कर्मचारी आंदोलन में उतरेंगे।

मानसून से पहले निकाय व पंचायत अधिकारी आपदा से निपटने के लिए तैयार रहे : अतुल प्रकाश

- खैरथल में कलेक्टर अतुल प्रकाश की अध्यक्षता में हुई जिला स्तरीय तीन अलग-अलग समीक्षा बैठक
- पेंशन-पेंडेंसी से मानसून तक दिए सख्त निर्देश

जिला कलेक्टर अतुल प्रकाश ने खैरथल सचिवालय पर अधिकारियों को समीक्षा बैठक में निर्देशित किया।

खैरथल। जिला कलेक्टर अतुल प्रकाश ने सोमवार को जिला सचिवालय में उन्होंने अलग-अलग चरणों में तीन बड़ी बैठकें की। साप्ताहिक समीक्षा, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ की त्रैमासिक समीक्षा और मानसून आपदा प्रबंधन। बैठक में कलेक्टर ने हर विभाग की क्लास ली और लंबित पेंशन प्रकरणों पर सख्ती दिखाई तिजारा समेत सभी उपखंड अधिकारियों को एक सप्ताह में निस्तारण की डेडलाइन देते हुए चेताया कि राजस्व फाइलों में अगली तारीख खुद डालो, निरीक्षण में देखा जाएगा तारीख किसने दी । साप्ताहिक समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी को लंबित पेंशन प्रकरण तुरंत निपटाने के निर्देश दिए। सभी एसडीएम को एक सप्ताह में पेंडिंग पेंशन क्लियर करने को कहा गया। 90 दिन से ज्यादा लंबित मामलों पर नाराजगी जताते हुए कहा जो केस नियम से निपट सकते हैं, उन्हें पोर्टल पर लटकाकर न रखें। एल आई स्तर पर ही अधिकतम निस्तारण हो। कलेक्टर ने बैठक में चिकित्सा संस्थानों के निरीक्षण में मिली कमियां तुरंत दूर करने, जनगणना के लॉजिकल एरर सुधारने के आदेश दिए। राजस्व न्यायालयों में गुणवत्तापूर्ण निस्तारण पर जोर देते हुए एसडीएम को फाइलों में अगली तारीख स्वयं अंकित करने को कहा साथ उन्होंने चेताया भी कि निरीक्षण में चेक होगा कि तारीख किसने दी। जलदाय विभाग को वित्तीय कार्य समय पर क्लोज करने को कहा ताकि जल जीवन मिशन को बजट मिलने में दिक्कत न हो। कलेक्टर ने सीएलएफ भवनों के लिए भूमि चिन्हीकरण, कन्वर्जन प्रकरणों के निस्तारण और बॉर्डर होमगार्ड के लिए जमीन चिन्हित करने के निर्देश भी दिए। आपदा प्रबंधन बैठक में कलेक्टर ने सभी नगर निकायों को मानसून से पहले तैयार रहने को कहा। जलभराव वाले इलाकों में मड पंप, अस्पतालों में सर्पदंश के लिए एंटीवेनम, बाढ़ के लिए सैंड बैग तैयार रखने के निर्देश दिए। विद्युत विभाग को आंधी-बारिश में पोल गिरने पर तुरंत मरम्मत और ढीले तार-केबल दुरुस्त करने को कहा। हर ठाम पंचायत में रस्सी, ट्ययूब जैसे बचाव संसाधन रखने को कहा। उन्होंने ने जिला स्तरीय 247 कंट्रोल रूम के साथ सभी ब्लॉक में भी कंट्रोल रूम बनाने के आदेश दिए। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ की त्रैमासिक समीक्षा में कलेक्टर ने हर साल लिंगानुपात में कम से कम दो अंकों की वृद्धि का टारगेट दिया। संस्थागत प्रसव बढ़ाने और मातृ-शिशु स्वास्थ्य सेवाएं मजबूत करने को कहा। डीईओ को स्कूलों में नामांकन बढ़ाने के निर्देश दिए।बैठक में अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवपाल जाट, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भिवाड़ी श्रीमन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जया सिंह, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अरविंद गेट, कोषाधिकारी सुरेश कुमार बंसल, अधीक्षण अभियंता सार्वजनिक निर्माण विभाग ओमप्रकाश किराड़, अधीक्षण अभियंता जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग धर्मवीर यादव, अधीक्षण अभियंता विद्युत विभाग जे.पी. बेरवा, महाप्रबंधक उद्योग विभाग अभिनेंद्र सैनी सहित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। तथा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी उपखंड अधिकारी जुड़े रहे।

महिला समिति ने राहगीरों को पिलाया शर्बत

राजगढ़। स्टेशन मार्ग स्थित नसिया जी जैन मंदिर के बाहर गर्मी के मौसम में वैश्य महिला समिति ने राहगीरों को शीतल मीठा शरबत वितरण किया। महिला समिति के इस कार्य की लोगों ने सराहना की।समिति की सदस्यों ने राहगीरों को ठंडा शर्बत पिलाकर उन्हें गर्मी से राहत पहुंचाई।

इस सेवा कार्य में समिति की अध्यक्षा रेणु जैन, जिला उपाध्यक्ष मीना खण्डेलवाल, संरक्षिका अर्चना भांगला की विशेष उपस्थिति रही।

इस अवसर पर ममता विजय, नमिता गुप्ता, कृष्णा गुप्ता, कमलेश खण्डेलवाल, सुषमा गोयल, बबीता गोयल, दीपिका अग्रवाल, लवी गुप्ता, अनीता विजय, अनीता खण्डेलवाल, भगवती गुप्ता, कमलेश गुप्ता सहित अन्य सदस्याएं उपस्थित रहीं।

समिति द्वारा किया गया यह सेवा कार्य न केवल सराहनीय है, बल्कि समाज में सेवा और सहयोग की भावना को भी प्रेरित करता है।

समयबद्ध क्रियान्वयन व परिवाद निस्तारण सर्वोच्च प्राथमिकता : अपर्णा गुप्ता

- जिला कलेक्टर ने फ्लैगशिप योजनाओं, बजट घोषणाओं, सम्पर्क प्रकरणों, ग्रीष्मकालीन व्यवस्थाओं एवं मिशन हरियालो राजस्थान की तैयारियों की समीक्षा की

कोटपूतली। जिला कलेक्टर अपर्णा गुप्ता की अध्यक्षता में सोमवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित साप्ताहिक समीक्षा बैठक में राज्य सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं, बजट घोषणाओं, विकास कार्यों, सम्पर्क पोर्टल पर दर्ज परिवादों तथा आमजन से जुड़ी आधारभूत सुविधाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में उपखंड एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए। जिला कलेक्टर ने फ्लैगशिप योजनाओं की राज्य स्तरीय रैंकिंग एवं ब्लॉकवार प्रगति का विश्लेषण करते हुए अधिकारियों को योजनाओं का प्रभावी एवं परिणामोन्मुखी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्ति तक समय पर पहुंचे और प्रत्येक विभाग निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप कार्य करे।

ग्रीष्मकालीन परिस्थितियों के मद्देनजर जिला कलेक्टर ने पेयजल, विद्युत एवं स्वास्थ्य सेवाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए।

उन्होंने विद्युत विभाग को आंधी-तूफान से प्रभावित क्षेत्रों में त्वरित मरम्मत, नियमित मॉनिटरिंग तथा आवश्यक अपठोडेशन कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए, ताकि आमजन को निर्बाध विद्युत आपूर्ति मिल सके। बैठक में वर्ष 2024-25, 2025-26 एवं 2026-27 की लंबित बजट घोषणाओं की विभागवार समीक्षा करते हुए जिला कलेक्टर ने कार्यों में गति लाने तथा निर्धारित समयसीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। सम्पर्क पोर्टल पर प्राप्त परिवादों की समीक्षा के दौरान जिला कलेक्टर ने कहा कि आमजन की शिकायतों का संवेदनशीलता, जवाबदेही एवं गुणवत्ता के साथ समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की समीक्षा के दौरान पेयजल आपूर्ति व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने, टैंकर संचालन की प्रभावी मॉनिटरिंग, जल जीवन मिशन के कार्यों को समय पर पूर्ण करने तथा समर कंटीजेंसी कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा मौसमी बीमारियों की स्थिति एवं स्वास्थ्य प्रबंधन संबंधी तैयारियों की जानकारी प्रस्तुत की गई। जिला कलेक्टर ने आवश्यक दवाओं एवं जांच सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने, स्वास्थ्य सेवाओं की सतत मॉनिटरिंग रखने तथा आमजन को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने पर जोर दिया।

स्वरोजगार और उद्योग विकास की योजनाओं से रूबरू हुए युवा

लालसोट। कस्बे की अग्रवाल धर्मशाला में जिला उद्योग केन्द्र दौसा के तत्वावधान में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के लिए जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। शिविर में उद्यिमयों, युवाओं एवं व्यापारियों को केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। जिला उद्योग केन्द्र दौसा के संयोजक जितेंद्र कुमार ने बताया कि अभियान का उद्देश्य एमएसएमई क्षेत्र से जुड़े लोगों को सरकारी योजनाओं तथा डिजिटल प्लेटफॉर्म की जानकारी देकर उनकी प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ाना है। उन्होंने युवाओं से योजनाओं का लाभ उठाकर स्वरोजगार एवं उद्यिमता की दिशा में आगे बढ़ने का आव्हान किया। शिविर में विशेषज्ञों ने वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) नीति, पीएम विश्वकर्मा योजना तथा मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया एवं लाभों की विस्तृत जानकारी दी।

लालसोट में पुलिस का बड़ा एक्शन, अवैध गैस रिफिलिंग पर शिकंजा

- 10 वाहन जब्त, 5 लोगों पर कार्रवाई; पैदल गश्त कर संदिग्धों की जांच

पैदल गश्त कर संदिग्धों की जांच करते हुए पुलिस कर्मचारी।

लालसोट। कस्बे में कानून व्यवस्था सुदृढ़ करने और अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस ने विशेष अभियान चलाकर सघन कार्रवाई की। वृताधिकारी दिलीप मीणा एवं थाना प्रभारी पवन कुमार जाट के नेतृत्व में पुलिस टीम ने पैदल गश्त कर अवैध गैस रिफिलिंग, यातायात नियमों के उल्लंघन तथा संदिग्ध गतिविधियों की जांच की। अभियान के दौरान घरेलू गैस सिलेंडरों से अवैध रिफिलिंग की आशंका वाले प्रतिष्ठानों की जांच की गई तथा संचालकों को नियमों की पालना करने के निर्देश दिए गए।

पुलिस ने विभिन्न स्थानों पर संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की भी गहन तलाशी ली। यातायात नियमों की अनदेखी करने वालों पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने मॉडिफाइड वाहन, काले शीशे लगी गाड़ियां एवं अन्य नियम उल्लंघन करने वाले 10 वाहनों को जब्त किया।

वहीं धारा 60 पुलिस एक्ट के तहत 5 व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई की गई तथा आरएनसी एक्ट के तहत एक मामला दर्ज किया गया। थाना प्रभारी पवन कुमार जाट ने कहा कि अवैध गैस रिफिलिंग जैसी गतिविधियां जनसुरक्षा के लिए गंभीर खतरा हैं। ऐसे मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा अपराधियों व नियम तोड़ने वालों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

सवा साल बाद चोरी हुआ डंपर बरामद

लालसोट। रामगढ़ पचवारा थाना पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर तंत्र की मदद से सवा साल पहले चोरी हुए एक डंपर को बरामद करने में सफलता हासिल की है।

पुलिस की इस कार्रवाई को क्षेत्र में वाहन चोरी के मामलों के विरुद्ध महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। थानाधिकारी मदन लाल मीणा ने बताया कि परिवादी सांवलराम ने 23 जनवरी 2025 को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 22 जनवरी 2025 की रात सोनड क्षेत्र से उसका डंपर अज्ञात चोर चोरी कर ले गए। रिपोर्ट के आधार पर रामगढ़ पचवारा थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस टीम ने लगातार तकनीकी विश्लेषण, सूचनाओं के संकलन एवं मुखबिर तंत्र की सहायता से डंपर की तलाश जारी रखी। लंबी जांच के बाद चोरी हुआ डंपर हरियाणा के पलवल-फरीदाबाद रोड स्थित सिलानी चौराहे के पास से बरामद कर लिया गया। पुलिस ने डंपर को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। वहीं, मामले में शामिल आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं। इस कार्रवाई में थानाधिकारी मदन लाल मीणा, हेड कांस्टेबल निहाल सिंह, कांस्टेबल रोहिताश, महेश एवं हंसराज की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस अधिकारियों ने टीम के प्रयासों की सराहना करते हुए जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार करने का भरोसा जताया है।

खेलना गांव में आठ दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा महोत्सव शुरु

- भव्य कलश यात्रा में उमड़ा जनसैलाब
- कथा प्रतिदिन प्रातः 11:15 बजे से सायं 3:15 बजे तक आयोजित की जाएगी।

पावटा के गांव खेलना में आठ दिवसीय संगीतमय श्रीमद्भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ का शुभारम्भ हुआ।

पावटा। तहसील पावटा के गांव खेलना में आठ दिवसीय भव्य धार्मिक महोत्सव संगीतमय श्रीमद्भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ का शुभारम्भ सोमवार को विशाल कलश यात्रा के साथ हुआ। स्वास्थ्य केन्द्र एवं पुरानी स्कूल के सामने स्थित बाउंड्रीवाल परिसर में आयोजित होने वाली कथा के शुभारम्भ अवसर पर निकली कलश यात्रा में हजारों श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कलश यात्रा का शुभारम्भ गांव स्थित टीलाजी महाराज के जानकी रघुनाथ मंदिर से हुआ। पंडित द्वारकेश मिश्र एवं महेश मिश्र ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना कर कलश यात्रा को रवाना किया। कथा स्थल से शुरू हुई यात्रा पूरे गांव की परिक्रमा करते हुए पुनः कथा स्थल पहुंची। इस दौरान महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में सिर पर कलश धारण कर नगर भ्रमण किया, वहीं श्रद्धालु भजन-कीर्तन, ढोल-नगाड़ों और बैंड-बाजों की धुन पर नाचते-गाते चल रहे थे। शोभायात्रा में सूबेदार वीरेंद्र सिंह एवं पूरण सिंह पवित्र श्रीमद्भागवत कथा पोथी को सिर पर धारण कर चल रहे थे। साधु-संत रथों पर विराजमान रहे, जबकि जयकारों से पूरा गांव भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो गया। आयोजन समिति ने बताया कि पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर श्री टीलाजी महाराज के आशीर्वाद तथा ठाम खेलना एवं आसपास के क्षेत्रवासियों के सहयोग से इस विशाल धार्मिक आयोजन का आयोजन किया जा रहा है। कथा का वाचन वृन्दावन धाम के प्रसिद्ध कथा प्रवक्ता आचार्य रामवतार दास महाराज के श्रीमुख से होगा। कथा प्रतिदिन प्रात: 11:15 बजे से सायं 3:15 बजे तक आयोजित की जाएगी। कथा कार्यक्रम में 9 जून को परीक्षित शुक संवाद, 10 जून को श्री वामन (बावन) अवतार, 11 जून को श्रीकृष्ण जन्मोत्सव, 12 जून को श्री गोवर्धन पूजा, 13 जून को श्रीकृष्ण-रुक्मिणी विवाह, 14 जून को श्री कृष्ण सुदामा चरित्र एवं शुकदेव विदाई, 15 जून को हवन यज्ञ एवं महाप्रसादी वितरण होगा।

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य विजय सिंह पुत्र श्री भैरो सिंह नि. प्लॉट नं. ए-210, जय नगर, मुरलीपुरा, जयपुर का पुत्र युवराज सिंह मेरे अभिभाष्य के कहने सुनने में नहीं है तथा मेरे अभिभाष्य व उसके परिवार के प्रति कतज्ञ नहीं है तथा वह मेरे अभिभाष्य से अलग अन्यत्र निवास कर रहा है इसलिये मेरे अभिभाष्य ने अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्तियों से उसे वेदखल कर दिया है। यदि कोई भी व्यक्ति/संस्था इत्यादि युवराज सिंह से किसी प्रकार का संव्यवहार करता है तो उसकी समस्त ज़िम्मेदारी स्वयं की होगी। मेरे अभिभाष्य किसी प्रकार ज़िम्मेवार नहीं होंगे। अत सूचित रहे।
दिनांक- 08.06.2026 (अनिल सिंह तंवर), एडवोकेट मो.नं. 9829006244

नम्बर मिलाइए
8890333139
सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

खोया पाया

मेरे मकान नंबर 262/314 सैक्टर 26 प्रताप नगर सांगानेर जयपुर की औरिजनल फाइल जिसमें आवेदन पत्र अलाटमेंट लेटर, कब्जापत्र मूल भौतिक कब्जा अदेय प्रमाण पत्र, जमा रसीद कहीं खो गया। मिलने पर सूचित करें रजनी देवी 8233200785

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक-1319 दिनांक-08.06.2026
जाहिर आम-सूचना राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर योजना में आवास संख्या 64/251 (MIG-A), (एरिया 90.000 वर्गमीटर) प्रताप नगर, सांगानेर का आवंटन श्री हीरा लाल पुत्र श्री ताराचन्द को किया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 2908 दिनांक 29.10.1997 को जारी किया गया। श्री हीरालाल की मृत्यु दिनांक 12.05.2018 को हो जाने के कारण पंजीकृत हकत्याग पत्र के आधार पर इनकी पत्नी श्रीमती पुष्पा मेहरा पत्नी स्व. श्री हीरा लाल मेहरा द्वारा उक्त आवास को स्वयं के नाम हस्तान्तरण करने हेतु आवेदन किया गया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ती हो तो अद्योहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नही है श्रीमती पुष्पा मेहरा पत्नी स्व. श्री हीरा लाल मेहरा का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।
सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त-प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक-1312 दिनांक-08.06.2026
जाहिर आम-सूचना राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर योजना में आवास/फ्लैट संख्या 28/बी/एफ.1/08 (1-F) (MIG-B), प्रताप नगर, सांगानेर का आवंटन श्रीमती आशा शर्मा पत्नी श्री शम्भुदयाल शर्मा को किया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 13185 दिनांक 11.02.2016 को जारी किया गया। श्रीमती आशा शर्मा पत्नी श्री शम्भुदयाल शर्मा के पक्ष में उक्त आवास/फ्लेट के पंजीयन प्रपत्र दिनांक 02.05.2016 को उप पंजीयक सांगानेर प्रथम जयपुर के यहां पंजीकृत करवाये गये। श्रीमती आशा शर्मा पत्नी श्री शम्भुदयाल शर्मा की मृत्यु दिनांक 25.10.2025 को हो जाने के कारण उनके पुत्र श्री लोकेशन शर्मा पुत्र श्री शम्भुदयाल शर्मा द्वारा पंजीकृत वसीयतनामा के आधार से स्वयं का नाम उक्त आवास के रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज कराने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ती हो तो अद्योहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय मे 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नहीं है श्री लोकश शर्मा पुत्र श्री शम्भुदयाल शर्मा का नाम मण्डल रिकॉर्ड मे दर्ज कर दिया जावेगा।
सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त-प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

नाम परिवर्तन

मैं दीपा देवी (शादी से पूर्व नाम-दीपा) पत्नी श्री भगत सिंह निवासी 41 महेन्द्र नगर न्यू सांगानेर रोड जयपुर जन्मतिथि 06 फरवरी 1984, शादी 25 मई 2001 को हुई। शादी बाद मेरा नाम दीपा से दीपा देवी हो गया। भविष्य में मुझे नए नाम दीपा देवी से जाना पहचाना जाए।

मैंने अपना नाम कोमलबेन लक्ष्मणदास खुहा से बदलकर कोमल खत्री पत्नि मोहित खत्री कर लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जावें। पता 77/138 अरावली मार्ग, मानसरोवर, जयपुर-302020

उद्घोषणा (इश्तिहार) न्यायालय (राज.)
व्यवहार मिश्रित (मुत्तफरिक) वाद सं. 24023/2025
विषय: उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्राप्त करने हेतु प्रार्थना-पत्र।
प्रार्थी-नाम भूपेन्द्र कुमार रावंका पुत्र स्व. सुरेन्द्र कुमार रांवका जरिये मुखत्यार बसंत मधुकर विवाद स्थान मकान नं. C-75, मंगल मार्ग, शिवाड एरिया बापू नगर, जयपुर मृतक स्व. सुरेन्द्र कुमार रावंका की सम्पत्ति के विषय में।
पेशी दिनांक 02.07.2026
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, उपरोक्त प्रार्थी/प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में इस आशय का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है कि मृतक, नाम सुरेन्द्र कुमार रांवका पुत्र स्व. चांदू लाल रावंका निवासी- C-75, मंगल मार्ग, शिवाड एरिया बापू नगर, जयपुर का उत्तराधिकारी स्वीकार कर उसके पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र, प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन, प्रदान किया जावे।
अतः उक्त प्रार्थना-पत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय में दिनांक 02 माह 07 सन् 2026 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। उक्त दिवस के पश्चात् कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
आज दिनांक 18 माह 05 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुद्रांकन से जारी किया गया। प्रार्थी ने मृतक सुरेन्द्र कुमार के नाम प्रारूप में वर्णित खातों में जमा राशि बाबत उत्तराधिकार प्रमाणपत्र चाहा है।
मोहर — आज्ञा न्यायालय से, वरिष्ठ मुंसरिम जिला एवं सेशन न्यायालय जयपुर महानगर प्रथम

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
न्यायालय उपखण्ड अधिकारी महोदय पावटा, जिला कोटपूतली-बहरोड
शंकर लाल बनाम सुवालाल वगैरह
वाद तकास्मा एवं स्थाई निषेधाज्ञा
बनाम
1. सुवालाल पुत्र गिरधारीलाल जाति माली, निवासी पावटा, जिला कोटपूतली-बहरोड, राजस्थान, 2. मेवा देवी पत्नि मदनलाल, 3. भैरूराम, 4. नागेश पुत्रान मदनलाल, 5. मंजू देवी पत्नि धोलाराम पुत्र मदनलाल, 6. अखिलेश पुत्र धोलाराम, 7. अनिशा पुत्री धोलाराम
6 व 7 नाबालिग ज़रिये संरक्षक कुदरती वली माता मंजू देवी पत्नि धोलाराम, समस्त जाति अहीर निवासी पावटा, तहसील पावटा, जिला कोटपूतली-बहरोड, राजस्थान
वादी ने आपके विरूद्ध वाद पंजीयत किया है। आपका इस न्यायालय में तारीख 10.06.2026 को दिन में 10 बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक अनुदेश दिए गये हों और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल/सुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन मे साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसी दस्तावेजों को उल्लिखित समय के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।
यह वाद ता. 08 माह 06 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
मोहर अदालत — न्यायालय-उपखण्ड अधिकारी पावटा (कोटपूतली-बहरोड)

राजस्थान राज्य सहकारी आवासन संघ लि., जयपुर
5वी व 6वीं मंजिल नेहरू सहकार भवन, 22 गोदाम सर्किल, जयपुर
Phone: 0141-2741805 Email: rsehfjaipur@yahoo.com,
Office Website:- www.rschf.com
क्रमांक-55/26 दिनांक- 08.06.2026
आम सूचना संघ की आवासीय योजना कमला नेहरू नगर, अजमेर रोड, जयपुर का भवन संख्या-2-घ-3 श्री कृष्ण वल्लभ खण्डेलवाल को आवंटित किया गया था, जिसकी संघ द्वारा दिनांक 31.03.1999 को कन्वेन्स डीड एवं परप्यूचल लीज जारी कर रजिस्ट्री करवा दी गई थी। श्री खण्डेलवाल की मृत्यु उपरान्त उनके पुत्र श्री पीयूष खण्डेलवाल द्वारा उनके पिता का मृत्यु प्रमाण पत्र, वारिसान प्रमाण पत्र एवं वारिसान का उनके पक्ष में रजिस्टर्ड हक-त्याग पत्र दिनांक 27.01.2024 व आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत कर स्वयं के नाम उक्त भवन ट्रांसफर करने हेतु आवेदन किया गया है। जिस किसी को उक्त भवन के हस्तान्तरण पर आपत्ति हो, तो संघ कार्यालय में 15 दिवस मे प्रमाण सहित प्रस्तुत करें, अन्यथा भवन संख्या 2-घ-3, कमला नेहरू नगर, अजमेर रोड, जयपुर को श्री पीयूष खण्डेलवाल पुत्र स्व. श्री कृष्ण वल्लभ खण्डेलवाल के नाम हस्तान्तरण कर दिया जावेगा।
(योगेश शर्मा) प्रबन्ध निदेशक
राजस्थान राज्य सहकारी आवासन संघ लि., जयपुर

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक-1311 दिनांक-05.06.2026
जाहिर आम-सूचना [illegible]
सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त-प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी नगरपालिका किशनगढ़बास, खैरथल-तिजारा
क्रमांक:-न.पा.कि.बास/2026/942 प्रारूप-10 नियम 6 (7) देखिए दिनांक:-03/06/2026
लोक सूचना
[illegible]

जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा नं.	क्षेत्र
किशनगढ़बास खैरथल-तिजारा	दयालपुर हल्का पटवार	174,175,176	1.5200 है (15200 वर्गमीटर)

[illegible]
प्राधिकृत अधिकारी, नगरपालिका किशनगढ़बास, खैरथल-तिजारा

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 659/2026
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि श्री दुर्ग सिंह चौहान, निवासी 43 ए, श्याम वाटिका, रामनगर विस्तार, सोडाला, जयपुर ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास मानव सेवा संस्थान, 43 ए, श्याम वाटिका, रामनगर विस्तार, सोडाला, जयपुर राजस्थान के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 02.06.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 10.08.2026
मोहर अदालत — सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग जयपुर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 658/2026
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि श्री जितेन्द्र सिंह शेखावत, निवासी प्लाट नम्बर 34 हरी नगर, झोटवाडा जयपुर ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास मां श्री तनोटराय भक्त सेवा संस्थान, प्लाट नम्बर 34 हरी नगर, झोटवाडा जयपुर राजस्थान के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 02.06.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 10.08.2026
मोहर अदालत — सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग जयपुर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 663/2026
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि श्री भृगु सिंह लालस, निवासी 118 ए, गैटोर रोड, ब्रह्मपुरी, जयपुर राजस्थान ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास इंटरनेशनल ध्रुवपद धाम ट्रस्ट 118 ए, श्री गोकुल मंजरी, गैटोर रोड, ब्रह्मपुरी, जयपुर राजस्थान के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 04.06.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 11.08.2026
मोहर अदालत — सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग जयपुर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 662/2026
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि श्री सुभाष पाण्डेय निवासी 95 आर के नगर, पुलिस लाईन कोटा राजस्थान ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास कनिका पाण्डेय फाउण्डेशन ट्रस्ट महिमा लाईट अपार्टमेन्ट 3 702, स्वेज फार्म, न्यू सांगानेर रोड जयपुर राजस्थान के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 04.06.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 11.08.2026
मोहर अदालत — सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग जयपुर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 664/2026
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि श्रीराम चौरसिया निवासी 11/26 कावेरी पथ, मानसरोवर जयपुर ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास अम्बेडकर अनुसूचितजाति अधिकारी कर्मचारी एसोसियेशन, राजस्थान 11/26 कावेरी पथ, मानसरोवर, जयपुर राजस्थान के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 04.06.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 11.08.2026
मोहर अदालत — सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग जयपुर

'सचिन पायलट को नई जिम्मेदारी दिए जाने की चर्चाओं से असहज है अशोक गहलोत'

केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत पर निशाना साधा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस में बदलते राजनीतिक समीकरणों और सचिन पायलट को नई जिम्मेदारी दिए जाने की चर्चाओं से गहलोत असहज हैं, इसलिए वे लगातार अनर्गल टिप्पणियां कर रहे हैं। सोमवार को भाजपा कार्यालय में मीडिया से बातचीत के दौरान शेखावत ने कहा कि चार दशकों तक राजस्थान की राजनीति में कांग्रेस की धुरी बने रहने वाले गहलोत को अब उस स्थिति से हटने का भय सताने लगा है। उन्होंने आरोप लगाया कि राजनीतिक प्रासंगिकता बनाए रखने के लिए गहलोत समय-समय पर ऐसे बयान देते रहते हैं।

शेखावत ने कहा कि गहलोत स्वयं को गांधीवादी नेता के रूप में प्रस्तुत करते हैं, लेकिन उनका राजनीतिक व्यवहार सभी के सामने है। गहलोत ने उन्हें राजनीतिक रूप से अपनी लाइन लंबी करने की सलाह दी है, जबकि राजस्थान और कांग्रेस का इतिहास इस बात का साक्षी है कि पार्टी मं जिस किसी नेता या कार्यकर्ता ने अपनी राजनीतिक पहचान मजबूत करने का प्रयास किया, उसे हाशिये पर धकेलने की कोशिश की गई।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वह वीर दुर्गादास राठौड़ की परंपरा से प्रेरणा लेते हैं और उनकी ही तरह एक सामान्य परिवार से आते हैं। शेखावत ने कहा कि डर मेरे चरित्र और व्यक्तित्व का हिस्सा नहीं है। मैं अपने संकल्प और विचारों के प्रति पूरी निष्ठा के साथ काम करता हूं। अशोक गहलोत पर तीखा प्रहार करते हुए शेखावत ने कहा कि वे इतने वरिष्ठ नेता हैं कि उनकी हर टिप्पणी का जवाब देना आवश्यक नहीं है, लेकिन यह कहना जरूरी है कि उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन में स्वयं को प्रासंगिक बनाए रखने के लिए कभी सत्ता, कभी आर्थिक संसाधनों और कभी मीडिया प्रभाव का उपयोग किया है। शेखावत कहा कि राजनीतिक प्रबंधन की इसी कला के कारण राजस्थान के अनेक मीडिया कर्मी उन्हें 'जादूगर' कहकर संबोधित करते हैं। गहलोत की इस क्षमता से राजनीतिक कार्यकर्ताओं को सीख लेने की आवश्यकता है। राज्यसभा के लिए सतीश पूनिया और अलका गुर्जर के चयन का स्वागत करते हुए केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि इससे राज्यसभा में भाजपा की विचारधारा और राजस्थान का पक्ष और अधिक प्रभावी ढंग से रखा जा सकेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा और उसके व्यापक वैचारिक परिवार में कौन कार्यकर्ता किस भूमिका में कार्य करेगा, इसका निर्णय नेतृत्व करता है। कार्यकर्ताओं की योग्यता, अनुभव और क्षमता के आधार पर जिम्मेदारियां सौंपी जाती हैं। सतीश पूनिया और अलका गुर्जर का चयन भी इसी प्रक्रिया का परिणाम है। उन्होंने कहा कि पार्टी जहां भी जो जिम्मेदारी देगी, सभी कार्यकर्ता उसे पूरी निष्ठा के साथ निभाते हुए भाजपा का पक्ष मजबूती से रखेंगे।

> ■ उन्होंने कहा कि "राजस्थान की राजनीति में कांग्रेस की धुरी बने रहने वाले गहलोत को अब उस स्थिति से हटने का भय सताने लगा है।"

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पूंछरी स्थित श्रीनाथजी मंदिर में की पूजा-अर्चना

रात्रि में करेंगे गोवर्धन परिक्रमा, श्रद्धालुओं ने किया स्वागत

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को गोवर्धन क्षेत्र के पूंछरी स्थित श्रीनाथजी मंदिर में सपत्नीक पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। मंदिर पहुंचने पर श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों ने मुख्यमंत्री का उत्साहपूर्वक स्वागत एवं अभिनंदन किया।

मुख्यमंत्री ने मंदिर में विधिवत दर्शन कर भगवान श्रीनाथजी का आशीर्वाद लिया। इस दौरान मंदिर परिसर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर सुरक्षा एवं प्रशासनिक व्यवस्थाएं भी चाक-चौबंद रहीं।

पूजा-अर्चना के बाद मुख्यमंत्री ने श्रद्धालुओं से मुलाकात की और उनका अभिवादन स्वीकार किया। श्रद्धालुओं ने मुख्यमंत्री के साथ फोटो खिंचवाए तथा उनके स्वस्थ एवं सफल कार्यकाल की कामना की।प्राप्त जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सोमवार रात्रि करीब 8:30 बजे से पवित्र गोवर्धन परिक्रमा मार्ग की परिक्रमा प्रारंभ करेंगे। यह परिक्रमा लगभग छह घंटे में पूर्ण होने की संभावना है। मुख्यमंत्री की परिक्रमा को लेकर प्रशासन एवं पुलिस विभाग द्वारा आवश्यक तैयारियां की गई हैं। मुख्यमंत्री के धार्मिक कार्यक्रम को लेकर क्षेत्र में विशेष उत्साह का माहौल है और बड़ी संख्या में श्रद्धालु भी गोवर्धन परिक्रमा में शामिल होने के लिए पहुंच रहे हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को गोवर्धन क्षेत्र के पूंछरी स्थित श्रीनाथजी मंदिर में सपत्नीक पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

डमी कैंडिडेट बैठाकर वरिष्ठ अध्यापक बना आरोपी 4 साल बाद एसओजी के हत्थे चढ़ा

एसओजी ने आरोपी शिक्षक श्रवण कुमार को गिरफ्तार किया

जयपुर। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने वरिष्ठ अध्यापक भर्ती परीक्षा-2022 में डमी अभ्यर्थी बैठाकर सरकारी नौकरी हासिल करने वाले एक फरार आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी लंबे समय से फरार चल रहा था, जिसे तकनीकी निगरानी और लगातार प्रयासों के बाद गिरफ्तार किया गया।

एसओजी के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक विशाल बंसल ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी श्रवण कुमार पुत्र राजूराम बिश्नोई, निवासी नेरी नाड़ी, तहसील धोरीमन्ना, जिला बाड़मेर है। उसे 6 जून को गिरफ्तार किया गया।

एसओजी हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायत में आरोप लगाया गया था कि राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) द्वारा आयोजित वरिष्ठ अध्यापक भर्ती परीक्षा-2022 (विज्ञान विषय) में वण कुमार ने स्वयं परीक्षा देने के बजाय डमी अभ्यर्थी को परीक्षा में बैठाया था। शिकायत के आधार पर जांच शुरू की गई और आरोप सही पाए जाने पर एसओजी थाना जयपुर में मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया। जांच के दौरान एसओजी ने राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर से आवेदन पत्र, प्रवेश पत्र, उपस्थिति पत्रक, ओएमआर शीट, पात्रता जांच पत्र सहित अन्य अभिलेख प्राप्त कर उनकी गहन पड़ताल की। जांच में सामने आया कि आरोपी ने 24 दिसंबर 2022 को जोधपुर के बालसमंद स्थित राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित विज्ञान विषय की परीक्षा तथा 29 जनवरी 2023 को कालीबेरी स्थित राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित सामान्य ज्ञान एवं शैक्षिक मनोविज्ञान विषय की परीक्षा में अपने स्थान पर डमी अभ्यर्थी को बैठाया था।

एसओजी की जांच में यह भी खुलासा हुआ कि इस फर्जीवाड़े के जरिए आरोपी ने परीक्षा में सफलता हासिल की। चयन होने के बाद उसने आवेदन एवं दस्तावेज सत्यापन के दौरान अपने फोटो और दस्तावेज प्रस्तुत कर वरिष्ठ अध्यापक पद पर सरकारी नौकरी प्राप्त कर ली। इस घटना के बाद से आरोपी फरार चल रहा था। एसओजी की तकनीकी सेल की सहायता से उसकी लोकेशन ट्रेस कर 6 जून को गिरफ्तार कर लिया गया। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

जांच एजेंसी यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि परीक्षा में डमी कैंडिडेट के रूप में किस व्यक्ति ने परीक्षा दी थी और इस संगठित परीक्षा फर्जीवाड़े में अन्य कौन-कौन लोग शामिल थे। मामले में अन्य संभावित आरोपियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

आरोपी श्रवण कुमार

नए औद्योगिक क्षेत्रों के लिए तेजी से हो रहा है भूमि आवंटन

जयपुर। राज्य सरकार द्वारा औद्योगिक विकास को गति देने, निवेश को प्रोत्साहित करने एवं रोजगार के नये अवसर सृजित करने के उद्देश्य से नए औद्योगिक क्षेत्रों के विकास हेतु भूमि आवंटन की प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूर्ण की गई है। इस क्रम में राज्य सरकार ने अपने अब तक के कार्यकाल में 5160 हेक्टेयर भूमि का आवंटन औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने हेतु रीको को किया है। जिससे राज्य में उद्योगों के विस्तार, रोजगार सृजन एवं आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण गति मिली है। रीको द्वारा औसतन लगभग हर 17 दिन में एक औद्योगिक क्षेत्र आवंटन हेतु खोला गया है तथा प्रतिदिन औसतन 6 भूखण्डों का आवंटन किया गया है।

वर्ष 2025-26 में 21 औद्योगिक क्षेत्र आवंटन हेतु खोले गये हैं। साथ ही राजस्थान इंडस्ट्रियल पार्क प्रमोशन पोलिसी-2026 के तहत भी निजी क्षेत्र के सहयोग से नए औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने की कार्यवाही प्रारम्भ कर दी गई है, जो राज्य में औद्योगिक गतिविधियों को और गति प्रदान करेगी।

नाकाबंदी के दौरान ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी पर कार चढ़ाई

करधनी क्षेत्र में 6-7 जून की मध्यरात्रि को हुई वारदात

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। करधनी क्षेत्र में नाकाबंदी के दौरान एक तेज रफ्तार कार चालक ने पुलिसकर्मी को टक्कर मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। आरोपी ने बैरिकेड्स तोड़ते हुए सड़क किनारे खड़े कॉन्स्टेबल को कार से कुचल दिया। घायल पुलिसकर्मी को एसएमएस अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने आरोपी चालक को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।

जांच अधिकारी एसआई चमन लाल के अनुसार जयपुर पुलिस लाइन में तैनात हेड कांस्टेबल दशरथ सिंह (52) ने करधनी थाने में मामला दर्ज कराया है। उन्होंने बताया कि 6-7 जून की दरमियानी रात उनकी ड्यूटी झोटवाड़ा स्थित एसपी ऑफिस के पास 9 दुकानों के सामने नाकाबंदी में लगी हुई थी।

उनके साथ कॉन्स्टेबल अमित गजराज, विक्रम और सुनीता भी तैनात थे।रात करीब 2:15 बजे झोटवाड़ा की ओर से एक कार तेज गति से आती दिखाई दी। पुलिसकर्मियों ने वाहन रोकने का इशारा किया, लेकिन चालक ने कार की रफ्तार और बढ़ा दी। कार ने नाकाबंदी में लगे कई बैरिकेड्स को टक्कर मारकर तोड़ दिया और एक पेड़ से टकराने के बाद सड़क किनारे खड़े कॉन्स्टेबल अमित गजराज (43) को अपनी चपेट में ले लिया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर लगने के बाद कॉन्स्टेबल सड़क पर गिर गया, लेकिन चालक ने वाहन रोकने के बजाय उसके ऊपर कार चढ़ा दी। इसके बाद आरोपी भागने का प्रयास करने लगा, लेकिन मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने उसे पकड़ लिया।

हैड कांस्टेबल दशरथ सिंह ने बताया कि घायल अमित गजराज कार के नीचे फंस गए थे। राहगीरों की मदद से कार को उठाकर उन्हें बाहर निकाला गया। हादसे में उनके हाथ और पसलियों में फ्रैक्चर हो गया। उन्हें तत्काल एसएमएस अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी चालक हजारी गुर्जर (30) निवासी गांव काली धोबड़ी, सांभर एवं हाल निवासी गोविंदपुरा, करधनी, शराब के नशे में वाहन चला रहा था। मेडिकल जांच में उसके शरीर में 183.6 मिलीग्राम अल्कोहल पाया गया। आरोपी टैक्सी चालक का काम करता है। करधनी थाना पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर सोमवार सुबह न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।

> ■ आरोपी ने मौके से फरार होने का प्रयास किया तो पुलिस ने दबोचा

देवनानी हिमाचल प्रदेश पंजाब व हरियाणा के दौरे पर

जयपुर (कासं)। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी पंजाब, हरियाणा व हिमाचल प्रदेश के दौरे पर सोमवार को यहां जयपुर से रवाना हुए। देवनानी चंडीगढ़ एवं हिमाचल प्रदेश के दौरे के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेंगे तथा अनेक महत्वपूर्ण स्थलों का भ्रमण करेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार देवनानी चंडीगढ़ प्रवास के दौरान मंगलवार को प्रात: पंजाब के राज्यपाल से शिष्टाचार भेंट करेंगे। इसके पश्चात वे आईटी पार्क स्थित द ललित होटल में आयोजित सीपीए इंडिया रीजन, जोन-द्वितीय सम्मेलन में सहभागिता करेंगे।सम्मेलन उपरांत देवनानी बुधवार को शिमला पहुंचेंगे। शिमला प्रवास के दौरान वे हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल से शिष्टाचार भेंट करेंगे। साथ ही जाखू मंदिर, मॉल रोड, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडी (वायसराय लॉज), आर्मी म्यूजियम तथा कुफरी सहित विभिन्न प्रमुख स्थलों का भ्रमण करेंगे। देवनानी हरियाणा के कुरुक्षेत्र पहुंचेंगे, जहां वे ब्रह्म सरोवर, सन्निहित सरोवर, ज्योतिसर स्थित महाभारत अनुभव केन्द्र, भद्रकाली मंदिर, तिरुपति बालाजी मंदिर, कृष्ण संग्रहालय तथा पैनोरमा एवं साइंस सेंटर सहित विभिन्न ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थलों का अवलोकन करेंगे। देवनानी 11 जून को जयपुर लोटेंगे।

लिव-इन पार्टनर पर गहने-नकदी और घरेलू सामान चोरी करने का आरोप

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजधानी में लिव-इन रिलेशनशिप से जुड़ा एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। एक युवक ने अपनी लिव-इन पार्टनर पर घर का सामान, सोने-चांदी के आभूषण और नकदी चोरी कर फरार होने तथा झूठे दुष्कर्म के मामले में फंसाने की धमकी देकर ब्लैकमेल करने का आरोप लगाया है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने न्यायालय के आदेश के बाद मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस ने बताया कि जयपुर निवासी 40 वर्षीय युवक ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। वह निजी कंपनी में कार्यरत है। शिकायत में युवक ने बताया कि पड़ोस में रहने वाली एक युवती से उसकी जान-पहचान हुई थी। युवती ने स्वयं को पति से तलाकशुदा बताते हुए घरेलू विवाद और मारपीट के कारण अलग रहने की बात कही थी। परिचय बढ़ने के बाद दोनों ने वर्ष 2024 में 100 रुपए के स्टाम्प पर लिव-इन एग्रीमेंट किया और साथ रहने लगे। युवक का आरोप है कि एक दिन वह सुबह नौकरी पर गया था और युवती घर पर अकेली थी।

शाम को लौटने पर घर का सारा सामान गायब मिला। आरोप है कि युवती लोडिंग वाहन में घरेलू सामान भरकर ले गई। साथ ही घर में रखे सोने-चांदी के आभूषण और करीब 30 हजार रुपए नकद भी गायब थे।पीड़ित का आरोप है कि जब उसने युवती से संपर्क किया तो उसने दो लाख रुपए की मांग की और रुपए नहीं देने पर झूठे रेप केस में फंसाने की धमकी दी।

इसके अलावा जान से मरवाने की धमकी भी दी गई। शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि बाद में जानकारी करने पर युवती के किसी अन्य युवक से संबंध होने की बात सामने आई। उसे संदेह है कि इसी कारण युवती सामान लेकर चली गई।

पुलिस ने बताया कि पीड़ित ने न्यायालय से आदेश प्राप्त कर युवती के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। मामले की जांच की जा रही है तथा आरोपों की सत्यता के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

फर्जी दस्तावेजों से बैंक लोन लेने की साजिश

जयपुर। वैशाली नगर थाना पुलिस ने वांछित अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए करीब 11 साल से फरार चल रहे 5 हजार रुपए के इनामी आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर एक कीमती प्लॉट के फर्जी दस्तावेज तैयार कर बैंक से लोन लेने का प्रयास किया था और वर्ष 2015 से फरार चल रहा था।जयपुर पश्चिम के पुलिस उपायुक्त प्रशांत किरण ने बताया कि पुलिस आयुक्तालय जयपुर की ओर से 1 मई से 30 जून 2026 तक वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत वैशाली नगर थानाधिकारी आरती सिंह तंवर के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई थी।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी रामप्रसाद कुमावत (51) निवासी हनुमान नगर विस्तार, खातीपुरा वैशाली नगर है। आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर वर्ष 2015 में एक कीमती प्लॉट पर कब्जा करने और स्वयं को अनुचित लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से आपराधिक षड्यंत्र रचा था।

प्रदेशभर में 9523 वाहन चालकों पर पुलिस की कार्रवाई

अवैध हूटर, फ्लैशर, काली फिल्म तथा नियम विरुद्ध नंबर प्लेट लगाने के मामलों में शिकंजा कसा

जयपुर। राजस्थान पुलिस द्वारा यातायात नियमों की अवहेलना करने वालों और अवैध हूटर, फ्लैशर, काली फिल्म तथा नियम विरुद्ध नंबर प्लेट लगाने वाले वाहन चालकों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत प्रदेशभर में 9 हजार 523 वाहनों पर कार्रवाई की गई। पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा के निर्देश पर चल रहे अभियान के सातवें दिन अवकाश होने के बावजूद पुलिस टीमों ने सघन नाकेबंदी कर कार्रवाई को अंजाम दिया।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (यातायात) डॉ. बी.एल. मीणा ने बताया कि सर्वाधिक कार्रवाई वाहनों पर लगी काली फिल्म और नियम विरुद्ध नंबर प्लेटों के खिलाफ की गई। अभियान के दौरान 3 हजार 491 वाहनों से काली फिल्म हटवाई गई, जबकि 2643 वाहनों पर दोषपूर्ण नंबर प्लेट मिलने पर कार्रवाई की गई। इसके अलावा 1 हजार 313 वाहनों पर अनाधिकृत शब्द और चिन्ह, 811 वाहनों में अवैध मॉडिफिकेशन, 741 वाहनों पर अवैध हूटर-फ्लैशर तथा 524 वाहनों पर प्रेशर हॉर्न के मामले सामने आए।

इस कार्रवाई के मामले में कोटा शहर पुलिस प्रदेश में पहले स्थान पर रही, जहां 830 वाहनों पर कार्रवाई की गई। अजमेर में 570 और बूंदी में 459 वाहनों के खिलाफ चालान बनाए गए। जयपुर कमिश्नरेट में 450 वाहनों पर कार्रवाई की गई, जिनमें 275 मामले काली फिल्म और 84 मामले नियम विरुद्ध नंबर प्लेटों के थे। जयपुर संभाग में कोटपूतली-बहरोड़ जिला 372 वाहनों पर कार्रवाई के साथ सबसे आगे रहा, जबकि दौसा में 112, जयपुर ग्रामीण में 98, भिवाड़ी में 88 और अलवर में 37 वाहनों के खिलाफ कार्रवाई हुई। वहीं जोधपुर संभाग में जैसलमेर में 140, जोधपुर ग्रामीण में 151, बाड़मेर में 108, बालोतरा में 96, फलोदी में 92 तथा जालोर में 58 वाहनों पर कानूनी कार्रवाई की गई। डॉ. मीणा ने कहा कि वाहनों पर पद, जाति या संस्था का नाम लिखना, अवैध हूटर व फ्लैशर का उपयोग करना और काली फिल्म लगाना कानूनन अपराध है। ऐसे मामलों में आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

25 हजार में खरीदी चोरी की स्पोर्ट्स बाइक, खरीदार नाबालिग डिटेन

जयपुर। सोडाला थाना पुलिस ने वाहन चोरी के एक मामले में कार्रवाई करते हुए सिविल लाइंस क्षेत्र से चोरी हुई यामाहा आर-15 स्पोर्ट्स बाइक बरामद कर ली है। पुलिस ने चोरी की बाइक खरीदने वाले एक विधि से संघर्षरत बालक (नाबालिग) को डिटेन किया है। वहीं बाइक चोरी करने वाले मुख्य आरोपी अभी फरार हैं, जिनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार प्रयास कर रही है।

जयपुर दक्षिण के पुलिस उपायुक्त राजर्षि राज ने बताया कि गंगापोल निवासी जदुवीर सिंह (25) पुत्र नरेंद्र सिंह गौड़ ने सोडाला थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि 3 जून 2026 की रात अपनी यामाहा आर-15 मोटरसाइकिल (आरजे 60 टीएस 1010) को 53-ए, सूरज नगर ईस्ट, सिविल लाइंस स्थित स्थान पर खड़ा किया था। अगले दिन 4 जून की तड़के करीब 2.15 बजे तीन अज्ञात बदमाश बाइक चोरी कर ले गए। शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

पंच गौरव योजना के प्रस्ताव शीघ्र भेजे जाएं : मुख्य सचिव

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने सोमवार को सचिवालय में आयोजित बैठक में पंच गौरव योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि चालू वित्तीय वर्ष के बजटीय प्रावधानों के अनुरूप प्रस्ताव शीघ्र तैयार कर राज्य स्तरीय समिति को अनुमोदन के लिए भेजे जाएं, ताकि समयबद्ध स्वीकृतियां जारी कर कार्यों को गति दी जा सके। बैठक में मुख्य सचिव ने "एक जिला-एक उत्पाद", "एक जिला-एक वनस्पति प्रजाति", "एक जिला-एक खेल", "एक जिला-एक पर्यटन स्थल" तथा "एक जिला-एक कृषि उपज" के अंतर्गत संचालित कार्यों की प्रगति, वित्तीय प्रावधान और निगरानी व्यवस्था की समीक्षा की।

उन्होंने कहा कि पंच गौरव योजना प्रदेश की विशिष्ट पहचान को सशक्त बनाने, स्थानीय संसाधनों के संरक्षण तथा रोजगार और आजीविका के अवसर बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। सभी विभागों को समन्वित प्रयासों से इसके उद्देश्यों को धरातल पर प्रभावी रूप से उतारना चाहिए।

आयोजना विभाग के सचिव रवि कुमार सुरपुर ने बताया कि वर्ष 2025-26 में "एक जिला-एक कृषि उपज" योजना के अंतर्गत 50 हजार से अधिक किसानों को प्रशिक्षण दिया गया है। वहीं "एक जिला-एक वनस्पति प्रजाति" योजना के तहत 85 लाख पौधों का वितरण किया जा चुका है। "एक जिला-एक उत्पाद" योजना के अंतर्गत आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों और संगोष्ठियों में 17 हजार से अधिक लोगों ने भाग लिया है।

अधिकारियों ने बताया कि "एक जिला-एक खेल" योजना के तहत आयोजित प्रतियोगिताओं में 25 हजार से अधिक खिलाड़ियों ने भागीदारी की है। "एक जिला-एक पर्यटन स्थल" योजना के अंतर्गत चयनित स्थलों पर 150 से अधिक मेले, उत्सव, स्वच्छता अभियान और जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। मुख्य सचिव ने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए योजना के उद्देश्यों को और अधिक प्रभावी ढंग से लागू करने के निर्देश दिए। बैठक में खेल विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव प्रवीण गुप्ता सहित वित्त, पर्यटन, कृषि, उद्योग और वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने सोमवार को सचिवालय में आयोजित बैठक में पंच गौरव योजना की प्रगति की समीक्षा की।

अश्विनी वैष्णव 11 जून को जयपुर आएंगे

जयपुर । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित किए जा रहे "12 साल विश्वास के, विकास के एवं जनकल्याण के" अभियान के अंतर्गत 11 जून को कृषि अनुसंधान केंद्र, दुर्गापुरा में प्रबुद्धजन सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन की तैयारियों को लेकर भाजपा जयपुर शहर जिलाध्यक्ष अमित गोयल ने रविवार को प्रमुख कार्यकर्ताओं की बैठक लेकर कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान अमित गोयल ने मंच, बैठक व्यवस्था, पार्किंग, स्वागत, पंजीयन, सुरक्षा, पेयजल, मीडिया, साज-सज्जा सहित सभी व्यवस्थाओं का विस्तार से जायजा लिया तथा विभिन्न व्यवस्था प्रमुखों एवं कार्यकर्ताओं को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कार्यक्रम को सुव्यवस्थित, अनुशासित एवं भव्य बनाने पर जोर दिया।अमित गोयल ने कहा कि यह सम्मेलन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में हुए ऐतिहासिक विकास, सुशासन और जनकल्याणकारी कार्यों को समाज के प्रबुद्ध वर्ग तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम बनेगा।

पतंजलि और इंडोनेशिया के हिंदू विश्वविद्यालय के बीच एमओयू

पतंजलि योगपीठ और इंडोनेशिया के यूनिवर्सिटी हिंदू नेगरी के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

हरिद्वार। पतंजलि योगपीठ और इंडोनेशिया के एकमात्र हिंदू विश्वविद्यालय, यूनिवर्सिटी हिंदू नेगरी के बीच इंडोनेशिया में एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। यह साझेदारी न केवल दोनों देशों के बीच शैक्षिणक और अनुसंधान के सेतु का निर्माण करेगी, बल्कि बाली की धरती पर सनातन और योग के वैभव को पुनर्जीवित करने में मील का पत्थर साबित होगी। पतंजलि विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य बालकृष्ण की अगुवाई में हुआ यह समझौता वैश्विक स्तर पर संस्कृति आधारित विकास का एक अनूठा मॉडल पेश करेगा। इस समझौते के तहत दोनों विश्वविद्यालयों के छात्रों के लिए स्ट्रेट सेशन (सीधे सत्र) के साथ-साथ अनुसंधान और योग प्रतिस्पर्धाओं के आयोजन पर सहमति बनी है। आपको बता दें कि इंडोनेशिया का यह विशिष्ट विश्वविद्यालय 35 अलग-अलग संकायों का संचालन करता है। प्रोफेसर डॉ. गुस्ती न्युराह सुदियाना और प्रोफेसर माडे पूर्नामा की अगुवाई में प्रबंध समिति ने आचार्य बालकृष्ण और पतंजलि की टीम का भावपूर्ण स्वागत किया। आचार्य श्री ने इस आत्मीयता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि पतंजलि बहुत जल्द इंडोनेशिया में शिक्षा, योग और सनातन संस्कृति को पुनर्स्थापित करने के लिए बड़े स्तर पर कार्य शुरू करेगा। इस अवसर पर भारतीय परंपरा के एकमात्र विधायक बाली के एमएलए डॉ सोमवीर भी मौजूद रहें।

मुंबई क्रिकेट का चुनौतीपूर्ण माहौल खिलाड़ियों को उच्च स्तर पर नेतृत्व के लिए तैयार करता है। उन्होंने सूर्यकुमार यादव का उदाहरण देते हुए अय्यर की सफलता पर विश्वास जताया, जिन्होंने हाल ही में मुंबई लीग में 61 रनों की मैच-विनिंग पारी खेली थी। - **रोहित शर्मा**

पूर्व भारतीय कप्तान, श्रेयस अय्यर को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

पी.वी. सिंधू

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू मंगलवार से यहां शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलिया ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में लंबे समय से चले आ रहे खिताब के सूखे को खत्म करने की कोशिश करेंगी, जबकि उभरते सितारे आयुष शेट्टी पुरुष एकल में भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगे। तीसरी वरीयता प्राप्त सिंधू 2024 में सैयद मोदी इंटरनेशनल जीतने के बाद से अपना पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब जीतने की कवायद में हैं। पूर्व विश्व चैंपियन का इस सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन जनवरी में मलेशिया ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचना रहा है।

क्या आप जानते हैं ?... सबसे बड़ी हार : 1952 के हेलसिंकी ओलंपिक में यूगोस्लाविया के खिलाफ भारत को 10-1 से हार का सामना करना पड़ा था।

भारत ने अफगानिस्तान को पारी और 300 रन से हराकर दर्ज की टेस्ट इतिहास की सबसे बड़ी जीत

न्यू चंडीगढ़, 8 जून। महाराजा यादविंद्र सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में भारतीय टीम ने ऐसा प्रदर्शन किया, जिसे लंबे समय तक याद रखा जाएगा। सोमवार को अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र मुकाबले में भारत ने पारी और 300 रन से जीत दर्ज कर अपने इतिहास की सबसे बड़ी जीत हासिल कर ली।

तीन दिन के भीतर समाप्त हुए इस मुकाबले में भारत हर विभाग में अफगानिस्तान पर पूरी तरह हावी रहा। बल्लेबाजी में विशाल स्कोर, गेंदबाजी में लगातार दबाव और मैदान पर बेहतरीन नियंत्रण ने इस जीत को ऐतिहासिक बना दिया।

भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 विकेट पर 564 रन बनाकर अपनी पारी घोषित की। शीर्ष क्रम ने मजबूत नींव रखी और मध्यक्रम ने उसे बड़े स्कोर में बदला। भारतीय बल्लेबाजों ने अफगान गेंदबाजों को पूरे मैदान में थकाया और विशाल बढ़त की भूमिका तैयार कर दी।

जवाब में अफगानिस्तान की पहली पारी सिर्फ 152 रन पर सिमट गई। भारतीय स्पिन और तेज गेंदबाजों ने उन्हें संभलने का कोई मौका नहीं दिया। इसके बाद कप्तान शुभमन गिल ने फॉलोऑन देने का फैसला किया।

दूसरी पारी में भी अफगानिस्तान की कहानी नहीं बदली। भारतीय गेंदबाज लगातार सही लाइन और लेंथ पर हमला करते रहे और पूरी टीम केवल 112 रन पर ढेर हो गई। इसी के साथ भारत ने मुकाबला तीसरे दिन ही

समाप्त कर दिया। दूसरी पारी में वाशिंगटन सुंदर ने शानदार गेंदबाजी करते हुए चार विकेट लिए। उन्होंने बल्लेबाजी में भी अर्धशतक लगाया और मुकाबले के नायकों में शामिल रहे।

जीत के बाद सुंदर ने कहा कि उन्हें शुरुआत से ही अपनी लय महसूस हो रही थी। उन्होंने कहा कि लंबे समय बाद इस प्रारूप में खेलकर अच्छा लगा और गेंद तथा बल्ले दोनों से योगदान देना संतोषजनक रहा।

भारतीय धरती पर इससे बड़ी जीत केवल वेस्टइंडीज ने भारत के खिलाफ 1958 में ईडन गार्डन्स में दर्ज की थी, जब भारत पारी और 336 रन से हारा था। एशियाई टीमों में इससे बड़ी जीत केवल पाकिस्तान ने 2002 में लाहौर में न्यूजीलैंड के खिलाफ पारी और 324 रन से हासिल की थी।

भारत की पारी से सबसे बड़ी जीतें

पारी और 300 रन बनाम अफगानिस्तान, मुल्लांपुर (2026)
पारी और 272 रन बनाम वेस्टइंडीज, राजकोट (2018)
पारी और 262 रन बनाम अफगानिस्तान, बेंगलुरु (2018)
पारी और 239 रन बनाम बांग्लादेश, मीरपुर (2007)
पारी और 239 रन बनाम श्रीलंका, नागपुर (2017)

अफगानिस्तान की सबसे बड़ी पारी की हार

पारी और 300 रन बनाम भारत, मुल्लांपुर (2026)
पारी और 262 रन बनाम भारत, बेंगलुरु (2018)
पारी और 73 रन बनाम जिम्बाब्वे, हरारे (2025)

टेस्ट में अफगानिस्तान के सबसे छोटे स्कोर

103 रन बनाम भारत, बेंगलुरु (2018)
109 रन बनाम भारत, बेंगलुरु (2018)
112 रन बनाम भारत, मुल्लांपुर (2026)
115 रन बनाम बांग्लादेश, मीरपुर (2023)
120 रन बनाम वेस्टइंडीज, लखनऊ (2019)

मानव के ऐतिहासिक 6 विकेट

न्यू चंडीगढ़, 8 जून। बाएं हाथ के युवा स्पिनर मानव सुथार ने अपने पदार्पण मुकाबले में ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए 6 विकेट झटके और अफगानिस्तान की पहली पारी को 152 रन पर समेटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। भारत ने पहली पारी में 412 रन की विशाल बढ़त हासिल करने के बाद अफगानिस्तान को फॉलोऑन देने का फैसला किया। महाराजा यादविंद्र सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, मुल्लांपुर में खेले जा रहे एकमात्र मुकाबले में मानव सुथार ने 33 रन देकर 6 विकेट लिए। इसके साथ ही वह पदार्पण मुकाबले में किसी भारतीय बाएं हाथ के स्पिनर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले गेंदबाज बन गए। उन्होंने 46 वर्ष पुराना दिलीप दोशी का रिकॉर्ड तोड़ा। दोशी ने वर्ष 1979 में चेन्नई में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पदार्पण मुकाबले में 103 रन देकर 6 विकेट लिए थे। मानव सुथार ने लगातार झटके दिए। उन्होंने शराफुद्दीन अशरफ को विकेटकीपर ऋषभ पंत के हाथों कैच कराया। अगले ही ओवर में रहमत शाह और सलीम सफी को भी आउट कर अफगानिस्तान की वापसी की उम्मीद खत्म कर दी। जियाउर रहमान शरीफी ने मैदान पर आते ही छक्का लगाया, लेकिन वाशिंगटन सुंदर ने उनका विकेट लेकर अफगानिस्तान की पारी समाप्त कर दी। भारत की ओर से मानव सुथार ने 6 विकेट लिए, जबकि प्रसिद्ध कृष्णा को 3 विकेट मिले। वाशिंगटन सुंदर ने 1 विकेट हासिल किया। मोहम्मद सिराज और कुलदीप यादव को कोई सफलता नहीं मिली।

आरसीए द्वारा आयोजित सीनियर महिला चेम्पियनशिप के लिये जिले की महिला टीम घोषित

दौसा, 8 जून। जिला क्रिकेट संघ सचिव बृज किशोर उपाध्याय ने बताया कि राजस्थान क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित सीनियर महिला चैंपियनशिप

दिनांक 10/06/2026 को राजस्थान के विभिन्न जिलों में आयोजित की जा रही है जिसमें दौसा जिले से निम्न खिलाड़ियों का चयन किया गया है याना वर्मा, कृति उपाध्याय, सोनम सैनी, तनिका शर्मा, महिमा राज, रिशिता राज, प्राची मीणा, निधि सैनी, मनोहर बाई, पायल कंवर, अदिति चौहान, भूमिका चौधरी, मोनिका धवन, निकिता कसाना, तानिया शर्मा, सरोज परिहार, अलीशा देहरान सचिव बृज किशोर उपाध्याय द्वारा यह भी बताया गया कि राजस्थान क्रिकेट संघ द्वारा 10.6. 2026 से सीनियर महिला चैंपियनशिप राजस्थान में अलग-अलग जिलों में आयोजित की जा रही है दौसा जिले की टीम को ग्रुप सी में अलवर भेजा जाएगा वहां दौसा का पहला मैच सिरोही से 10.06.2026 को दूसरा मुकाबला अलवर से 11 .06.2026 को और तीसरा मैच हनुमानगढ़ से 12.06.2026 को आयोजित किए जाएंगे ।प्रत्येक ग्रुप में से दो टीमें क्वालीफाई करेंगी जो की 14.06. 2026 से जयपुर में प्री क्वार्टर फाइनल में हिस्सा लेगी। डीसीए सचिव बृजकिशोर उपाध्याय ने कहा की दौसा जिले में केवल दस महिला खिलाड़ी ही ट्रायल देने आई थी इन सभी को टीम में ले लिया बाकी सभी खिलाड़ी एनओसी प्लेयर ली गई है। टीम के कोच प्रेम सिंह नाथावत और मैनेजर शोभना गुर्जर है। सचिव बृज किशोर उपाध्याय द्वारा यह भी बताया गया कि दौसा जिले की महिला टीम में दौसा जिले की केवल 10 खिलाड़ी ही हिस्सा ले रही है बाकी 7 महिला खिलाड़ी प्रोफेशनल टीम में जोड़े गए हैं पुरुष वर्ग की तुलना में महिला टीम की परफॉर्मेंस पिछले वर्ष बहुत अच्छी रही है पिछले वर्ष महिला टीम सेमीफाइनल तक पहुंची थी जिला क्रिकेट संघ के सभी पदाधिकारी एवं सचिव महोदय ने इस बार टीम को पिछले वर्ष से और अच्छा करने के लिए मोटिवेट किया।

आरसीए एडहॉक कमेटी मीटिंग आज आरसीए कार्यालय, जयपुर में आयोजित की जायेगी

जयपुर, 8 जून। राजस्थान क्रिकेट संघ एडहॉक कमेटी मीटिंग कल दिनांक 9 जून को आरसीए कार्यालय, आरसीए अकादमी , सवाई मान सिंह स्टेडियम पर पर आयोजित की जाएगी। राज्य स्तरीय सीनियर वीमेन प्रतियोगिता (उदयपुर-श्रीगंगानगर जीती) राजस्थान क्रिकेट संघ के तत्वाधान में आज से उदयपुर में शुरू हुई राज्य स्तरीय सीनियर वीमेन प्रतियोगिता के पहले दिन उदयपुर व श्रीगंगानगर टीमों ने जीत दर्ज की। उदयपुर के शिकारबाड़ी ग्राउंड पर खेल गए मैचों का परिणाम :- उदयपुर - पाली (उदयपुर 8 विकेट से जीती), पाली पारी 81/8 (20 ओवर)। टीम के लिए पविताबिश्नोई 20 व मंजू देवी 18 रन। उदयपुर की गेंदबाज तनिष्का चौधरी 7/3, ऋतू लोढ़ा 15/3 विकेट। उदयपुर पारी 82/2, टीम के लिए प्रियांशी चौधरी नाबाद 33 व रिज़ा शेख नाबाद 28 रन। श्रीगंगानगर - बारां (श्रीगंगानगर 18 रन से जीती), श्रीगंगानगर पारी 154 /2 (20 ओवर)। टीम के लिए औली श्रीमाली नाबाद 81 , अनुष्का ग्रेवाल 25 व राजवीर कौर 22 रन, बारां पारी 136 /1, बारां की गेंदबाज सिमरन कँवर व अवनि जांगिड़ 1 - 1 विकेट। टीम के लिए सिमरन कँवर राठौर 52 , रानी राणा नाबाद 55 व प्रीती जूनवाल नाबाद 15 रन।

फीफा विश्व कप 2026 : यूरोप की 16 टीमों के बीच महामुकाबला, फ्रांस और स्पेन में कौन बनेगा चैम्पियन?

नई दिल्ली, 8 जून। फुटबॉल विश्व कप 2026 का रोमांच अब अपने चरम पर पहुंच रहा है और दुनिया भर के प्रशंसकों की नजरें यूरोप की उन टीमों पर टिकी हैं, जिन्होंने इस खेल के सबसे बड़े मंच पर हमेशा अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराई है। गौरतलब है कि अर्जेंटीना, ब्राजील और उरुग्वे को छोड़ दें तो विश्व कप का खिताब जीतने वाली सभी अन्य टीमें यूरोप से ही रही हैं। यही कारण है कि इस बार भी यूरोपीय देशों को टूर्नामेंट के सबसे बड़े दावेदारों में गिना जा रहा है।

इस बार यूरोप से 16 टीमें विश्व कप में हिस्सा ले रही हैं। इनमें इंग्लैंड, फ्रांस, जर्मनी, स्पेन, पुर्तगाल, नीदरलैंड, क्रोएशिया और बेल्जियम जैसी मजबूत टीमें शामिल हैं। वहीं ऑस्ट्रिया, बोस्निया और हर्जेगोविना, नॉर्वे, स्कॉटलैंड और तुर्किये जैसी टीमें भी लंबे समय बाद अपनी छाप छोड़ने की कोशिश करेंगी।

मौजूद जानकारी के अनुसार सबसे ज्यादा उम्मीदें फ्रांस और स्पेन से लगाई जा रही हैं। फ्रांस की टीम के पास लगभग हर स्थान पर विश्व स्तरीय खिलाड़ी मौजूद हैं। किलियन एम्बाप्पे की अगुवाई में फ्रांस तीसरी बार विश्व चैंपियन बनने का सपना देख रहा है। उस्मान डेम्बेले और डिज़रे दूए जैसे खिलाड़ी टीम की ताकत को और बढ़ाते हैं। खास बात यह है कि मुख्य प्रशिक्षक दिदिए देसां इस प्रतियोगिता के बाद पद छोड़ देंगे, इसलिए वह अपने कार्यकाल का अंत खिताब के साथ करना चाहेंगे। दूसरी ओर विश्व की नंबर एक टीम स्पेन भी खिताब की प्रबल दावेदार मानी जा रही है। युवा स्टार लामिन यामाल इस समय टीम का सबसे बड़ा आकर्षण हैं। यूरोपीय चैंपियन बनने के बाद स्पेन का आत्मविश्वास काफी ऊंचा है और टीम अपने दूसरे विश्व कप खिताब की तलाश में मैदान पर उतरेगी।

वहीं इंग्लैंड की उम्मीदें एक बार फिर हैरी केन पर टिकी हुई हैं। देश के सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी के रूप में हैरी केन इंग्लैंड के सबसे भरोसेमंद खिलाड़ी बने हुए हैं। हालांकि इंग्लैंड को एक बेहद कठिन समूह में रखा गया है, जहां क्रोएशिया, घाना और पनामा जैसी टीमें चुनौती पेश करेंगी।

जर्मनी की स्थिति भी काफी दिलचस्प है। चार बार की विश्व चैंपियन टीम पिछले दो विश्व कप में समूह चरण से आगे नहीं बढ़ सकी थी। ऐसे में जूलियन नागेल्समान की टीम पर दबाव रहेगा। हालांकि फ्लोरियन विर्ट्ज, जमाल मुसियाला, जोशुआ किमिख और एंटोनियो रुडिगर जैसे खिलाड़ियों की मौजूदगी जर्मनी को मजबूत बनाती है।

डेनमार्क-यूक्रेन मैत्री मैच के दौरान फिर गिरे क्रिस्टियन एरिक्सन, मुकाबला बीच में रोका गया

ओडेन्से, 8 जून। क्रिस्टियन एरिक्सन रविवार को एक बार फिर मैदान पर गिर पड़े, जिसके बाद डेनमार्क और यूक्रेन के बीच खेला जा रहा अंतरराष्ट्रीय मैत्री फुटबॉल मुकाबला बीच में ही रोक दिया गया। घटना डेनमार्क के ओडेन्से स्थित नेचर एनर्जी पार्क में हुई। मुकाबले के दूसरे हाफ में डेनमार्क 2-1 से आगे था, तभी एरिक्सन ने अपने सीने की ओर हाथ ले जाते हुए मैदान पर गिरना शुरू किया। तुरंत चिकित्सा टीम मैदान पर पहुंची और खेल रोक दिया गया। बाद में डेनिश फुटबॉल संघ ने पुष्टि की कि एरिक्सन होश में हैं और उनकी स्थिति स्थिर है। मुकाबले को रद्द कर दिया गया। डेनिश फुटबॉल संघ के अनुसार राष्ट्रीय टीम के डॉक्टर मॉर्टन बोएसन ने बताया कि एरिक्सन खुद चलकर मैदान से बाहर गए और उनके शरीर में लगा हृदय उपकरण अपेक्षित तरीके से काम कर गया। डॉक्टर के अनुसार, एरिक्सन कुछ समय के लिए बेहोश हुए थे लेकिन बहुत जल्दी होश में लौट आए और उनसे बातचीत भी हुई। उन्होंने अपने साथियों को संदेश भेजकर बताया कि वह ठीक हैं। इस घटना ने खिलाड़ियों और प्रशंसकों को पांच साल पहले की उस घटना की याद दिला दी, जब यूरोपीय चैम्पियनशिप 2021 (यूरो 2020) के दौरान फ़िनलैंड के खिलाफ मैच में एरिक्सन को मैदान पर हृदयाघात हुआ था और कुछ मिनटों तक उनका हृदय रुक गया था। उस समय मैदान पर ही उन्हें चिकित्सकीय सहायता देकर बचाया गया था।

महिला टी-20 विश्व कप के लिए आईसीसी ने घोषित की विश्वस्तरीय कमेंट्री टीम

नई दिल्ली, 8 जून। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने महिला टी-20 विश्व कप के लिए विश्वस्तरीय कमेंट्री टीम की घोषणा कर दी है। इस बार कमेंट्री पैनल में महिलाओं की प्रमुख भूमिका देखने को मिलेगी, जिसमें विश्व कप विजेता खिलाड़ी, पूर्व अंतरराष्ट्रीय कप्तान, अनुभवी प्रसारक और क्रिकेट जगत की कई प्रतिष्ठित आवाजें शामिल हैं।

महिला टी-20 विश्व कप का आयोजन 12 जून से शुरू होगा, जिसमें उद्घाटन मुकाबला इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच खेला जाएगा। प्रतियोगिता का फाइनल 5 जुलाई को लॉर्ड्स मैदान पर होगा। पूरे टूर्नामेंट के दौरान कुल 33 मुकाबलों का प्रसारण किया जाएगा।

बांग्लादेश वनडे श्रृंखला से बाहर हुए मिचेल मार्श और ट्रैविस हेड, जोश इंगलिस करेंगे कप्तानी

नई दिल्ली, 8 जून। ऑस्ट्रेलिया को बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला से पहले बड़ा झटका लगा है। कप्तान मिचेल मार्श और स्टार बल्लेबाज़ ट्रैविस हेड इस श्रृंखला से बाहर हो गए हैं। उनकी अनुपस्थिति में जोश इंगलिस टीम की कप्तानी संभालेंगे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने सोमवार को उक्त जानकारी दी।

मार्श और हेड हाल ही में पाकिस्तान के खिलाफ 2-1 से गंवाई गई एकदिवसीय श्रृंखला में भी नहीं खेले थे। मार्श अभी टखने की चोट से उबर रहे हैं, जबकि हेड को निजी कारणों से अवकाश दिया गया है।

ऑस्ट्रेलिया को एक और झटका लेग स्पिनर तनवीर संघा के रूप में लगा है। पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय मुकाबले के दौरान उन्हें हैमस्ट्रिंग में चोट लगी थी, जिसके कारण वे बांग्लादेश दौरे से बाहर हो गए हैं। हालांकि मिचेल मार्श टीम के साथ बांग्लादेश जाएंगे और वहीं पुनर्वास प्रक्रिया जारी रखेंगे। उम्मीद की जा रही है कि वह इसके बाद होने वाली टी-20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला तक वापसी कर सकते हैं। पाकिस्तान दौरे के बाद स्वदेश लौटने वाले युवा बल्लेबाज़ ओली पीक और हरफनमौला खिलाड़ी मैट शॉर्ट अब टीम के साथ बने रहेंगे।

फ्लोरेंटिनो पेरेज फिर बने रियल मैड्रिड के अध्यक्ष

स्पेन, 8 जून। रियल मैड्रिड के अध्यक्ष पद के चुनाव में फ्लोरेंटिनो पेरेज़ ने एक बार फिर जीत हासिल करते हुए अगले चार वर्षों के लिए अपना कार्यकाल सुरक्षित कर लिया है। रविवार को हुए चुनाव में उनकी जीत के साथ वह लगातार क्लब की कमान संभालते रहेंगे। यह पिछले 20 वर्षों में पहली बार था जब क्लब में अध्यक्ष पद के लिए वास्तविक मुकाबला देखने को मिला। इससे पहले पेरेज़ वर्ष 2009, 2013, 2017, 2021 और 2025 में बिना किसी प्रतिद्वंद्वी के निर्वाचित हुए थे। रियल मैड्रिड के आधिकारिक टीवी चैनल के अनुसार, पेरेज़ ने अपने प्रतिद्वंद्वी एनरिके रिकेल्मे को हराया। हालांकि क्लब की ओर से अभी आधिकारिक मतगणना जारी नहीं की गई है।

// पहली बार जयपुर में आयोजित हुआ नॉर्थ जोन नेशनल स्क्वैश कैम्प //

एशियन चैम्पियन आर्यवीर व दिव्यांशी समेत 22 खिलाड़ी ले रहे हैं कोचिंग

जयपुर, 8 जून। देश के उभरते और शीर्ष जूनियर स्क्वैश खिलाड़ी इन दिनों जयपुर में आगामी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की तैयारियों में जुटे हैं। पहली बार नॉर्थ जोन नेशनल स्क्वैश कैंप का आयोजन सवाई मानसिंह स्टेडियम स्थित स्क्वैश कोर्ट्स पर किया जा रहा है। इस प्रतिष्ठित कैंप में हाल ही चीन में आयोजित एशियन जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप के अंडर-19 वर्ग के चैंपियन आर्यवीर दीवान और अंडर-13 बालिका वर्ग की एशियन कांस्य पदक विजेता जयपुर की दिव्यांशी जैन समेत कुल 22 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं।

देशभर में लगाए जाएंगे आठ राष्ट्रीय कैंप

हरिन्दर पाल सिंह संधु ने बताया कि स्क्वैश फेडरेशन ऑफ इंडिया ने भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) और एचसीएल के सहयोग से देशभर में वर्षभर आठ क्षेत्रीय राष्ट्रीय कैंप आयोजित करने का निर्णय लिया है। इस योजना के तहत साउथ जोन कैंप चेन्नई और ईस्ट जोन कैंप कोलकाता में आयोजित किया जा चुका है। नॉर्थ जोन कैंप का आयोजन पहली बार जयपुर में हो रहा है, जबकि वेस्ट जोन कैंप मुंबई में लगाया जाएगा। उन्होंने बताया कि हर जोन में साल में दो बार कैंप का आयोजन होगा। प्रत्येक कैंप में विभिन्न आयु वर्गों के शीर्ष आठ खिलाड़ियों को शामिल किया जाता है। खिलाड़ी अपने-अपने जोन में प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं।

राजस्थान के आठ खिलाड़ियों को मिला मौका

शिविर में राजस्थान स्क्वैश एकेडमी के आठ प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का चयन हुआ है, जो राज्य के लिए गौरव की बात है। खिलाड़ियों को तकनीकी दक्षता, फिटनेस, मानसिक मजबूती और प्रतिस्पर्धी रणनीतियों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिससे वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन कर सकें।

भारतीय टीम के कोच दे रहे प्रशिक्षण

कैंप में भारतीय स्क्वैश टीम के कोच हरिन्दर पाल सिंह संधु और सुरभि मिश्रा खिलाड़ियों को प्रशिक्षण दे रहे हैं। दोनों अनुभवी कोच खिलाड़ियों की तकनीकी कमियों को दूर करने के साथ-साथ उन्हें आधुनिक खेल शैली और उच्च स्तरीय प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार कर रहे हैं।

फेडरेशन, साई और एचसीएल का जताया आभार

राजस्थान स्क्वैश एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेन्द्र मेहता ने जयपुर में कैंप के आयोजन के लिए स्क्वैश फेडरेशन ऑफ इंडिया, भारतीय खेल प्राधिकरण और एचसीएल का आभार जताते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से खिलाड़ियों को नियमित उच्च स्तरीय प्रशिक्षण और प्रतिस्पर्धी माहौल मिलेगा। मेहता ने कहा कि इन कैंपों का प्रमुख उद्देश्य खिलाड़ियों को आगामी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए बेहतर तरीके से तैयार करना है। जयपुर में आयोजित यह कैंप राजस्थान में स्क्वैश के विकास को नई गति देने के साथ-साथ राज्य के खिलाड़ियों को देश के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ प्रशिक्षण का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा कि हमें अवसर मिलता है तो भविष्य में भी हम ऐसे कैंप आयोजन के लिए तैयार हैं।

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर
जोधपुर-342304, राजस्थान, भारत

ई-निविदा 03/2026-27

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा Smart Class, Conference System & CCTV for CoA Baytu की खरीद के लिए ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा संबंधी विस्तृत विवरण एवं जानकारी www.sppp.rajasthan.gov.in एवं https://eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

UBN NO. : JAU2627GLOB00052
राज.संवाद/सी/26/4351 — नियंत्रक (वित्त)

कार्यालय नगर परिषद् जैसलमेर (राज.)- 345001

क्रमांक/विकास/2026-27/885 — दिनांक :- 04.06.2026

-:: निविदा सूचना संख्या 05/2026-27 ::-
NIB Code DLB2627A2586

नगर परिषद् जैसलमेर की ओर से नगर परिषद् जैसलमेर में उपयुक्त श्रेणी व अन्य विभागों में "ए" व 'एए' श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से उपरोक्त कार्य हेतु ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। ई-निविदा से संबंधित कार्यो की विस्तृत जानकारी, निविदा की शर्तें आदि वेबसाईट http://eproc.rajasthan.in व http://sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है। उक्त कार्यो के यू.बी.एन. नं. DLB2627WSOB06426, 06427, 06428, 06429, 06430, 06431, 06433, 06434, 06435, 06436, 06437, 06438, 06439, 06440, 06442 है।

आयुक्त
राज.संवाद/सी/26/4328 — नगर परिषद् जैसलमेर

कार्यालय नगर पालिका हिण्डोली जिला - बून्दी (राज0)

क्रमांक :- न0पा0हि0/निर्माण/2026-27/756 — दिनांक :- 03.06.2026

ई-निविदा सूचना संख्या 10/2026-27

नगर पालिका हिण्डोली द्वारा विभिन्न कार्यो हेतु नगर पालिका हिण्डोली में पंजीकृत कार्यो के अनुसार सक्षम स्तर के संवेदक एवं अन्य विभागों में पंजीकृत AA,A श्रेणी के संवेदकों से द्वी लिफाफा पद्धति/ई-निविदा पद्धति से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य की निविदा बेचे जाने की दिनांक 05.06.2026 से तथा अपलोड करने की दिनांक 05.06.2026 से दिनांक 15.06.2026 तक है। जिसकी कुल लागत 87.05 लाख है। निविदा शर्तें आदि सम्पूर्ण विवरण http://sppp.raj.nic.in, http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती हैं।
NIB code :- DLB2627A2595

Sr.N.	UBN No.	Tender Cost in lakh
1	DLB2627WSOB06450	38.18
2	DLB2627WSOB06453	48.87

राज.संवाद/सी/26/4318 — प्रशासक — अधिशाषी अधिकारी

कार्यालय नगर पालिका निवाई

क्रमांक : न.पा.नि./स्टोर/2026-27/180 — दिनांक :- 03.06.2026

ई-निविदा सूचना संख्या :- 05/2026-27

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से निम्न कार्य के लिए उपयुक्त श्रेणी में नगर पालिका निवाई में पंजीकृत उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों एवं विभिन्न अभियान्त्रिकी विभागो के संबंधित श्रेणी में "A" "AA" श्रेणी में पंजीकृत संवेदको एवं स्वायत्त शासन विभाग में पंजीकृत उपयुक्त श्रेणी के संवेदको से, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में निविदाएं आमन्त्रित की जाती है। निविदा फार्म ऑनलाईन वेबसाईट www.sppp.rajasthan.gov.in व http://www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है :-

निविदा का कार्य	:	NIB Code:- DLB2627A2551 (कुल 02 कार्य)
Unique Bid Number	:	DLB2627SLOB06330, 331
निविदा की कुल लागत	:	Rs 70.00 लाख रुपये
निविदा जारी करने की दिनाक	:	दिनांक 04.06.2026
निविदा दस्तावेजो को डाउनलोड करने की शुरूआती दिनांक व समय	:	दिनांक 04.06.2026 को 11:00 बजे से
ऑन लाईन निविदा जमा कराने की अन्तिम दिनांक	:	दिनांक 15.06.2026 सांय 6:00 बजे तक
भौतिक रुप से कार्यालय में निविदा व धरोहर शुल्क जमा	:	दिनांक 16.06.2026 दोपहर 12:00 बजें तक
ऑनलाईन तकनीकी बिड खोलने की दिनांक	:	18.06.2026 को अपराह 12:00 बजे
वित्तीय बिड खोलने की दिनांक व समय	:	Will be Intimated latter to the Technically qualified Bidders
बिड की वैधता समयावधि	:	120 Day

अधिशाषी अधिकारी
राज.संवाद/सी/26/4305 — नगर पालिका निवाई

जगद्गुरू रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय
मदाऊ, भांकरोटा-मुहाना लिंक रोड़, जयपुर (राज.) . 302026
वेबसाईट : www.jrrsanskrituniversity.ac.in ई-मेल - jrrsu@yahoo.com टेलीफैक्स : 0141-2850551-75

क्रमांक पं.(01)जरारासंविवि/पीएसएसटी/26-27/1880 — दिनांक : 08.06.2026

विज्ञप्ति

प्री-शिक्षाशास्त्री (द्वि-वर्षीय), प्री-शास्त्री-शिक्षाशास्त्री (चार वर्षीय) एवं प्री-शिक्षाचार्य (द्वि-वर्षीय) 2026-27 में प्रवेश आवेदन हेतु सूचना

जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर से सम्बद्ध शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में सत्र 2026-27 के लिए द्विवर्षीय शिक्षाशास्त्री पाठ्यक्रम, चार वर्षीय इन्टीग्रेटेड शास्त्री-शिक्षाशास्त्री पाठ्यक्रम एवं शिक्षाचार्य पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु राज्य सरकार एवं राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् के नियमानुसार प्रवेश परीक्षा (प्री-टेस्ट) के लिए पात्र अभ्यर्थियों से ऑनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं। द्विवर्षीय शिक्षाशास्त्री हेतु शास्त्री या समकक्ष या सामान्य कला स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण या अन्तिम वर्ष में प्रविष्ट अभ्यर्थी तथा चार वर्षीय इन्टीग्रेटेड शास्त्री शिक्षाशास्त्री पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए वरिष्ठ उपाध्याय या समकक्ष या सामान्य कला विषय से सीनियर सैकण्डरी कक्षा उत्तीर्ण या प्रविष्ट अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं। शिक्षाचार्य हेतु शिक्षाशास्त्री या बी.एड. संस्कृत शिक्षण विषय सहित परीक्षा उत्तीर्ण या अंतिम वर्ष में प्रविष्ट अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं।

उक्त पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु आवेदन पत्र विश्वविद्यालय की वेबसाइट https://psst2026.jrrsu.in एवं www.jrrsanskrituniversity.ac.in पर दिनांक 10.06.2026 से 31.07.2026 तक उपलब्ध रहेगा। उक्त से संबंधित विस्तृत सूचना विश्वविद्यालय की वेबसाईट पर उपलब्ध रहेगी। अभ्यर्थी अपनी अभ्यर्थिता की भली प्रकार से जाँच कर आवेदन करें। अभ्यर्थियों को सलाह दी जाती है कि वे अग्रिम सूचनार्थ विश्वविद्यालय वेबसाइट का अवलोकन करते रहें।

हेल्पलाइनः- 7073704054
हेल्पलाईन ईमेलः- helpdesk@jrrsu.in

राज.संवाद/सी/26/4382 — कुलसचिव एवं समन्वयक PSST, PSSST, PSAT- 2026-27

मुख्यमंत्री की उपस्थिति में पूनिया व गुर्जर ने राज्यसभा का नामांकन भरा

सतीश पूनिया व अल्का गुर्जर के अनुभव का लाभ अब प्रदेश और देश को मिलेगा- भजनलाल

जयपुर, 8 जून। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि डॉ. सतीश पूनिया एवं डॉ. अल्का गुर्जर के अनुभव का फायदा अब प्रदेश के साथ देश को भी मिलेगा। दोनों का संसद के उच्च सदन में जाना राजस्थान के लिए गर्व का विषय है।

मुख्यमंत्री सोमवार को विधानसभा की "हां" पक्ष लॉबी में विधायक दल की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ग्राम विकास रथ और ग्राम विकास चौपाल जैसे कार्यक्रमों के जरिए अंतिम पंक्ति के व्यक्ति का विकास सुनिश्चित किया जा रहा है। वहीं, वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान द्वारा आमजन की भागीदारी के साथ जल संरक्षण को जल आंदोलन का रूप दिया गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 साल में किए गए ऐतिहासिक कार्यों का जन-जन तक प्रचार करना हमारा कर्तव्य है। इसी को लेकर 5 जून से 21 जून तक "12 साल विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के" कार्यक्रम के जरिए विभिन्न आयोजन किए जा रहे हैं।

विधायक दल की बैठक के बाद राज्यसभा प्रत्याशी डॉ. सतीश पूनिया और डॉ. अल्का गुर्जर ने रिटर्निंग अधिकारी के समक्ष नामांकन पेश किया। इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, उप-मुख्यमंत्री दिया कुमारी, डॉ. प्रेमचंद बैरवा, संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल, मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग, राज्यसभा सांसद मदन राठौड़, भाजपा संगठन महामंत्री अजेय कुमार सहित अन्य विधायकगण मौजूद थे।

- **भाजपा विधायक दल की बैठक में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के पिछले 12 साल के ऐतिहासिक कार्यों के प्रचार के लिए 5 से 21 जून तक कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं।**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को विधानसभा की हां पक्ष लॉबी में विधायक दल की बैठक ली। बैठक के बाद राज्यसभा प्रत्याशी डॉ. सतीश पूनिया और डॉ. अल्का गुर्जर ने मुख्यमंत्री की उपस्थिति में नामांकन भरा।

तृणमूल कांग्रेस नेता जहाँगीर खान को एसटीएफ ने गिरफ्तार किया

कोलकाता, 08 जून। पश्चिम बंगाल के फाल्टा विधानसभा क्षेत्र के तृणमूल कांग्रेस नेता जहांगीर खान को राज्य पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने नेपाल सीमा के पास से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, उन्हें गिरफ्तार कर कोलकाता लाया जा रहा है।

सूत्रों का दावा है कि जहांगीर खान नेपाल सीमा के रास्ते देश छोड़कर भागने की कोशिश कर रहे थे, तभी गुप्त सूचना के आधार पर विशेष कार्य बल की टीम ने उन्हें घेराबंदी कर पकड़ लिया। बताया जा रहा है कि उन्हें पहले से फरार घोषित माना जा रहा था।

- **वह नेपाल सीमा के रास्ते देश से भागने की फिराक में पकड़ा गया।**

जानकारी के अनुसार, वर्ष 2019 में जहांगीर खान के खिलाफ एक मामला दर्ज किया गया था। उस मामले में उन्हें पहले अदालत से अंतरिम सुरक्षा मिली थी। इसके अलावा, फाल्टा विधानसभा क्षेत्र में पुनर्निर्वाचन से पहले भी उन्हें उच्च न्यायालय से सुरक्षा कवच प्राप्त हुआ था। हालांकि, 26 मई को उच्च न्यायालय ने उनके खिलाफ जारी सभी सुरक्षा आदेश वापस ले लिए, जिसके बाद पुलिस के लिए गिरफ्तारी का रास्ता साफ हो गया।

एसआई पेपर लीक में सहायक लेखाधिकारी नागेश यादव गिरफ्तार

घटना सामने आने के बाद से वह अजीतगढ़ में अपनी ड्यूटी से अनुपस्थित होकर फरार हो गया था

जयपुर, 8 जून। बहुचर्चित उप निरीक्षक (एसआई) भर्ती परीक्षा-2021 पेपर लीक प्रकरण में स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने कार्रवाई करते हुए 10 हजार रुपए के इनामी और लंबे समय से फरार चल रहे सहायक लेखाधिकारी नागेश कुमार यादव को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी घटना के बाद से फरार था और उसकी गिरफ्तारी पर एसओजी ने 10 हजार रुपए का इनाम घोषित कर रखा था।

एसओजी के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक विशाल बंसल ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी नागेश कुमार यादव (32) निवासी हरदास का बास, ढाणी पड़ाव की, तहसील श्रीमाधोपुर, थाना अजीतगढ़, जिला सीकर है। वह उस समय पंचायत समिति अजीतगढ़, जिला सीकर में सहायक लेखाधिकारी द्वितीय के पद पर कार्यरत था। घटना सामने आने के बाद वह ड्यूटी से अनुपस्थित होकर फरार हो गया था। एसओजी ने सीकर पुलिस के सहयोग से उसे गिरफ्तार किया है।

जांच में सामने आया कि उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा-2021 के प्रश्न पत्रों के उत्तर तत्कालीन राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) सदस्य बाबूलाल कटारा से कुन्दन कुमार पंड्या ने प्राप्त किए थे। इसके बाद कुन्दन कुमार पंड्या ने प्रश्नों के उत्तर अपने परिचित संदीप कुमार लाटा और पुरुषोत्तम दाधीच को उपलब्ध कराए। उस समय पुरुषोत्तम दाधीच स्थानीय निधि अंकेक्षण विभाग, उदयपुर में सहायक लेखाधिकारी द्वितीय के पद पर कार्यरत था।

एसओजी जांच में खुलासा हुआ कि पुरुषोत्तम दाधीच और नागेश कुमार यादव एक ही विभाग में काम करते थे। नागेश ने अपने भाई सुरजीत सिंह यादव को उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा में चयनित कराने के उद्देश्य से पुरुषोत्तम दाधीच से 7.50 लाख रुपए में पेपर खरीदा था।

लीक पेपर का अध्ययन कर परीक्षा देने के कारण सुरजीत यादव ने हिन्दी विषय में 200 में से 190.79 अंक तथा सामान्य ज्ञान में 200 में से 158.27 अंक प्राप्त किए। उत्कृष्ट अंकों के आधार पर वह मेरिट सूची में 18वें स्थान पर रहा और उपनिरीक्षक पद पर अंतिम रूप से चयनित हो गया।

एसओजी ने इस मामले में सुरजीत सिंह यादव को 9 अक्टूबर 2024 को तथा पुरुषोत्तम दाधीच को 2 जून 2025 को गिरफ्तार किया था। दोनों के विरुद्ध न्यायालय में आरोप पत्र भी प्रस्तुत किए जा चुके हैं।

एडीजी बंसल ने बताया कि नागेश कुमार यादव लंबे समय से फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे थे तथा उस पर 10 हजार रुपए का इनाम भी घोषित था। आखिरकार तकनीकी निगरानी और सीकर पुलिस के सहयोग से उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

- **एसओजी की जाँच में खुलासा हुआ कि नागेश ने अपने भाई सुरजीत सिंह यादव को उपनिरीक्षण भर्ती परीक्षा में चयनित कराने के लिए पुरुषोत्तम दाधीच से 7.50 लाख रूपए में प्रश्न पत्र खरीदा था।**

'दिल्ली जिमखाना, पोलो ग्राउण्ड जैसे हरित क्षेत्रों का अधिग्रहण क्यों करना चाहते हैं?'

हाई कोर्ट ने केन्द्र सरकार से कहा, "दिल्ली में छोटा सा फेफड़ा है, आप उसे भी लेना चाहते हैं तो ले लें"

नई दिल्ली, 08 जून। दिल्ली उच्च न्यायालय ने दिल्ली के दिल्ली जिमखाना, पोलो ग्राउंड जैसे हरित क्षेत्र को अधिग्रहीत करने के केन्द्र सरकार के फैसले पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि दिल्ली में काफी कम हरित क्षेत्र है। उसे हटाने के बाद प्रदूषण से दम घुटकर हमारी मौत हो जाएगी। जस्टिस नीना बंसल कृष्णा की वेकेशन बेंच ने ये टिप्पणी इंडियन पोलो एसोसिएशन की एक याचिका पर सुनवाई के दौरान की।

सुनवाई के दौरान, कोर्ट ने केन्द्र सरकार से पूछा कि आपको पोलो ग्राउंड क्यों चाहिए। आप दिल्ली जिमखाना समेत सभी हेरिटेज ढ ांचों का क्या करेंगे। आप उनका क्या करने वाले हैं। आप वहां बीस मंजिला बिल्डिंग खड़ी करेंगे। कोर्ट ने कहा कि नई दिल्ली नगर पालिका परिषद के इलाके में थोड़ी बहुत सांसे बची हुई हैं। हम सभी घुटकर मरने वाले हैं। सरकार को 200 सालों में इनकी कोई जरुरत नहीं हुई। दिल्ली में एक छोटा सा फेफड़ा है, आप उसे भी चाहते हैं कि ले लें।

- **दिल्ली हाई कोर्ट ने सरकार से पूछा कि आप सभी हेरिटेज ढांचों का क्या करेंगे,आप वहाँ बीस मंजिला बिल्डिंग खड़ी करेंगे?**

दरअसल, इंडियन पोलो एसोसिएशन ने याचिका दायर कर पटियाला हाउस कोर्ट के एक आदेश को चुनौती दी है। पोलो एसोसिएशन ने कहा है कि उन्होंने पटियाला हाउस कोर्ट में एक याचिका दायर कर केन्द्र सरकार के, ग्राउन्ड को खाली करने के आदेश को चुनौती दी है, लेकिन पटियाला हाउस कोर्ट के जज ने नोटिस पर रोक संबंधी अर्जी पर कोई विचार नहीं किया और एक सामान्य नोटिस जारी कर दिया। इसपर उच्च न्यायालय ने पटियाला हाउस कोर्ट को निर्देश दिया कि वो खाली करने के नोटिस पर रोक की अर्जी पर फैसला करे।

सुनवाई के दौरान केन्द्र सरकार के वकील आशीष दीक्षित ने केन्द्र सरकार के फैसले का बचाव करते हुए कहा कि सरकार केवल रक्षा जरुरतों के लिए इन इलाकों का अधिग्रहण करना चाहती है। तब कोर्ट ने पूछा कि क्या ऊंची बिल्डिंग बनना जनता के हित में है। दिल्ली में केवल ऊंची बिल्डिंग हैं। इसे भगवान ही बचा सकते हैं।

अब उज्ज्वला योजना के तहत सिर्फ 4 सिलैंडर मिलेंगे

नई दिल्ली, 08 जून। केंद्र सरकार ने प्रमुख उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों के लिए सब्सिडी वाले रसोई गैस सिलिंडरों कीसंख्या साल के 12 से घटाकर चार कर दी है। यह निर्णय औसत घरेलू खपत के स्तर को देखते हुएलिया गया है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव प्रवीण माल खनूजा ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना मई 2016 में गरीब परिवारों की वयस्क महिलाओं को जमा-मुक्त एलपीजी कनेक्शन प्रदान करने के लिए शुरू की गई थी। शुरुआत में लाभार्थियों को प्रति वर्ष सब्सिडी वाले 14.2 किलोग्राम के 12 सिलिंडर मिलते थे। पिछले साल सब्सिडी कोटा घटाकर नौ कर दिया गया था, और अब इसे और कम करके चार कर दिया गया है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने सैन्य व सुरक्षाकर्मियों को रक्षा अलंकरण प्रदान किए

उन्होंने सात कीर्ति चक्र, 15 वीर चक्र तथा 29 शौर्य चक्र प्रदान किए

नई दिल्ली, 08 जून। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में आयोजित रक्षा अलंकरण-2026 समारोह के प्रथम चरण के दौरान, रक्षा बलों, केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों और राज्य एवं केन्द्र शासित प्रदेश पुलिसकर्मियों को सात कीर्ति चक्र (दो मरणोपरांत), 15 वीर चक्र (तीन मरणोपरांत) और 29 शौर्य चक्र (एक मरणोपरांत) प्रदान किए।

वीरता पुरस्कार, कर्तव्य पालन के दौरान अदम्य साहस, अद्वितीय वीरता और व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह न करते हुए वीरता का प्रदर्शन करने वाले सैन्य एवं सुरक्षाकर्मियों को प्रदान किए जाते हैं। राष्ट्रपति ने आज जिन्हें सम्मानित किया, उनके नाम इस प्रकार हैं- कीर्ति चक्र (मरणोपरांत): सिपाही जंजाल कांस्टेबल (जीडी) दीपक चिंगाखम तथा राइफलमैन सुनील कुमार।

- **राष्ट्रपति भवन में आयोजित रक्षा अलंकरण-2026 समारोह में कर्तव्य पालन के दौरान अदम्य साहस, अद्वितीय वीरता और व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह न करते हुए वीरता का प्रदर्शन करने वाले सैन्य एवं सुरक्षाकर्मियों को सम्मानित किया गया।**

वीर चक्र: कर्नल कोषांक लांबा, ग्रुप कैप्टन रणजीत सिंह सिद्धू, ग्रुप कैप्टन मनीष अरोड़ा, ग्रुप कैप्टन अनिमेष पाटनी, ग्रुप कैप्टन कुणाल कालरा, विंग कमांडर (वर्तमान में ग्रुप कैप्टन) जॉय चंद्रा, लेफ्टिनेंट कर्नल सुशील बिष्ट, स्क्वाड्रन लीडर (वर्तमान में विंग कमांडर) सार्थक कुमार, स्क्वाड्रन लीडर सिद्धांत सिंह, स्क्वाड्रन लीडर रिजवान मलिक, फ्लाइट लेफ्टिनेंट (वर्तमान में स्क्वाड्रन लीडर) आरशवीर सिंह ठाकुर तथा नायब सूबेदार सतीश कुमार।

टीएमसी के 20 ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वर्तमान स्थिति यह है कि तृणमूल कांग्रेस के केवल कुछ ही नेताओं की विश्वसनीयता बची हुई है। अब बंगाल की जनता उनके साथ किसी भी तरह के जुड़ाव को बहुत बुरी नज़र से देखेगी।

बंगाल के लोगों, विशेष रूप से डायमंड हार्बर लोकसभा क्षेत्र के मतदाताओं के लिए एक और बड़ी जीत यह रही कि तृणमूल के अखिल भारतीय महासचिव अभिषेक बनर्जी के सबसे करीबी सहयोगी जहाँगीर खान को गिरफ्तार कर लिया गया।

इस घटनाक्रम के साथ ही , राज्यसभा सांसद सुखेन्दु शेखर रॉय ने तृणमूल कांग्रेस से तथा अपने राज्यसभा पद से भी इस्तीफा दे दिया। इस्तीफा देने से पहले सुखेन्दु रॉय ने तृणमूल कांग्रेस के कामकाज की खुलकर आलोचना की थी।

उन्होंने पार्टी से जुड़े भ्रष्टाचार के मामलों पर भी तीखा हमला बोला। उनका कहना था कि पार्टी के कई पदाधिकारियों से जुड़े नए-नए घोटाले लगातार सामने आ रहे हैं। इन नेताओं पर अवैध रूप से धन कमाने के अलावा, सैक्स रैकेट चलाने और महिलाओं को धमकाने जैसे गंभीर आरोप भी लग रहे हैं।

सुखेन्दु शेखर रॉय इससे पहले भी पार्टी से दूरी बना चुके थे, जब राज्य के एक सरकारी अस्पताल में एक युवा महिला डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और हत्या का मामला सामने आया था। उन्होंने सार्वजनिक रूप से आरोप लगाया था कि पार्टी ने इस मामले को दबाने की कोशिश की और हत्या से जुड़े सबूतों को नष्ट किया गया।

विरोध की इस घटना के बाद ममता बनर्जी ने उन्हें पार्टी और उसके सभी मामलों से लगभग अलग कर दिया था। लेकिन माना जा रहा है कि पार्टी छोड़ने का अंतिम फैसला उन्होंने तब लिया, जब प्रधानमंत्री ने सार्वजनिक मंच से उनके पिता की स्वतंत्रता संग्राम में निभाई गई भूमिका की खुलकर तारीफ की।

प्रधानमंत्री ने एक जनसभा में सुखेन्दु शेखर रॉय के पिता को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि उन्होंने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के साथ मिलकर बंगाल को पाकिस्तान में शामिल होने से रोकने के प्रयासों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

इंडिया ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संयुक्त कार्रवाई की एक छोटी शुरुआत हुई है। बैठक में निर्णय लिया गया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से सभी पार्टियों की बैठक बुलाने के लिए आग्रह किया जाएगा, जिसमें अर्थव्यवस्था, बेरोजगारी, मूल्य वृद्धि और कृषि मुद्दों पर चर्चा हो। बैठक के बाद खड़गे ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि अब ब्लॉक हर दो महीने में बैठक करेगा तथा अगली बैठक अगस्त में हैदराबाद में होगी। इसके अलावा, यह तय किया गया कि सदस्य पार्टियों के लोकसभा और राज्यसभा के नेता आगामी मानसून सत्र के दौरान दैनिक समन्वय बैठकें करेंगे।

हाई कोर्ट ने 12वीं की परीक्षा में गड़बड़ियों पर सीबीएसई को नोटिस जारी किया

एनएसयूआई के अध्यक्ष की ओर से दायर याचिका की सुनवाई 12 जून को तय

नई दिल्ली, 08 जून। दिल्ली उच्च न्यायालय ने सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन (सीबीएसई) की 12वीं की परीक्षा में डिजिटल इवैल्यूएशन सिस्टम में हुई गड़बड़ियों और ऑन स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) से जुड़ी शिकायतों की जांच की मांग को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए सीबीएसई को नोटिस जारी किया है। जस्टिस नीना बंसल कृष्णा की अध्यक्षता वाली वेकेशन बेंच ने मामले की अगली सुनवाई 12 जून को करने का आदेश दिया।

यह याचिका नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) की ओर से इसके अध्यक्ष विनोद जाखड़ ने दायर की है। सुनवाई के दौरान, सीबीएसई के वकील एमए नियाजी ने याचिका पर आपत्ति जताते हुए कहा कि ये सुनवाई योग्य नहीं है, क्योंकि ये एक राजनीतिक दल के छात्र संगठन ने दायर किया है। शिक्षा का इस तरह राजनीतिकरण नहीं होना चाहिए। इस पर एनएसयूआई के वकील ने कहा कि वे एक राजनीतिक दल से जुड़े हुए हैं, लेकिन ये इस बात की वजह नहीं हो सकती कि वे याचिका दायर करने के योग्य नहीं हैं।

- **याचिका में नोटिफिकेशन के लिए नया विंडो, विवादित आंसर शीट की दोबारा फिजिकल जाँच तथा सभी गड़बड़ियों की स्वतंत्र एजेंसी से जाँच की मांग की गई।**

सीबीएसई ने कहा कि पोर्टल एक महीने के लिए नहीं खोला जा सकता। सीबीएसई छात्रों की समस्याओं पर विचार कर रही है।

याचिका में कहा गया है कि जिन छात्रों के कम अंक आए हैं या स्पष्ट नहीं हैं, उन्हें अतिरिक्त नंबर दिए जाएं। याचिका में मांग की गई है कि वेरिफिकेशन के लिए नई विंडो, विवादित आंसर शीट की दोबारा फिजिकल जांच और 12वीं के रिजल्ट पर असर डालने वाली कथित गड़बड़ियों की स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराई जाए। याचिका में भविष्य के लिए डिजिटल इवैल्यूएशन सिस्टम के लिए सही सुरक्षा उपाय, प्रोटोकॉल और दिशा-निर्देश बनाने और लागू करने के निर्देश दिए जाने की मांग की गई है, ताकि ऐसी शिकायतें दोबारा न हो।

जुलाई में दस्तखत ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हस्ताक्षर हो सकते हैं। उनके इस बयान से संकेत मिलता है कि हालिया टैरिफ विवादों के बावजूद दोनों देशों के बीच बातचीत अंतिम चरण में पहुंच चुकी है।

मंत्री की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब भारत और अमेरिका प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते से जुड़े शेष मुद्दों को सुलझाने में लगे हुए हैं। इस समझौते से बाजार तक पहुंच (मार्केट एक्सेस) बेहतर होने और भारतीय निर्यातकों को कुछ क्षेत्रों में प्रतिस्पर्धियों पर बढ़त मिलने की उम्मीद है। गोयल के बयान से यह भी संकेत मिलता है कि पिछले कुछ सप्ताहों में वार्ताओं ने गति पकड़ी है, जिससे उम्मीद बढ़ गई है कि दोनों पक्ष पहले की अपेक्षा जल्द किसी महत्वपूर्ण प्रगति की घोषणा कर सकते हैं।

फिलिपींस में 7.8 तीव्रता ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वोल्केनोलॉजी एंड सैस्मोलॉजी ने बताया कि मुख्य झटके के बाद एक घंटे से ज़्यादा समय तक झटके महसूस किए गए। दक्षिणी मिंडानाओ में 7.22 लाख की आबादी वाले शहर जनरल सैंटोस को सबसे ज़्यादा नुकसान पहुंचा है। आधिकारिक सोशल मीडिया पर किए गए पोस्ट में एक तीन मंज़िला इमारत, मलबे और धूल के गुबार के साथ ढ हती दिख रही है।

स्थानीय पुलिस प्रवक्ता रॉबर्ट डगुन ने बताया कि शहर के सेंट एलिज़ाबेथ अस्पताल को भी भारी नुकसान पहुंचा है। ऑफिस ऑफ़ सिविल डिफेंस डिप्टी प्रवक्ता डिएगो ऑगस्टिन मारियानो के अनुसार अब तक 19 मौतों की सूचना मिली है, जिनमें 16 मौतें सोक्ससारजेन क्षेत्र और तीन मौतें दावाओ क्षेत्रसे दर्ज की गई हैं। हालांकि, इन आंकड़ों की अभी आधिकारिक पुष्टि की जा रही है।

पूर्व आईएएस सुबोध अग्रवाल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

थे। इन चार टेंडरों को लेकर ठेका फर्म को एक रुपए का भी भुगतान नहीं हुआ था। इसके अलावा, इरकॉन से मेल आने के बाद स्वयं विभाग ने एफआईआर दर्ज कराई थी। प्रकरण में आरोप पत्र पेश हो चुका है और ट्रायल पूरी होने में समय लगेगा। इसलिए उसे जमानत दी जाए। इसका विशेष लोक अभियोजक मंजुला जैन ने विरोध किया व कहा कि ठेका फर्म के खिलाफ शिकायतों को जानबूझकर अनदेखा किया गया और प्रमाण पत्रों का सत्यापन नहीं कराया। ऐसे में आरोपी को जमानत नहीं दी जाए।

अमेरिका-इज़रायल को कुछ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सबसे बड़ा नुकसान मध्यपूर्व को ही हुआ है। ईरान, लेबनान, इज़रायल और पड़ोसी खाड़ी राज्यों में हजारों लोग मारे गए हैं। नागरिकों के विस्थापन में तेज़ वृद्धि हुई है, और पूरे क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियाँ प्रभावित हुई हैं।

वैश्विक अर्थव्यवस्था भी इसका शिकार बनी है। हॉर्मुज़ स्ट्रेट के माध्यम से आपूर्ति में संभावित व्यवधान के डर से तेल की कीमतें बार-बार बढ़ी हैं, क्योंकि विश्व का लगभग पांचवां हिस्सा तेल व्यापार इसी मार्ग से होता है। ऊर्जा लागत कई देशों में बढ़ी है, जिससे विश्व स्तर पर मुद्रास्फीति का दबाव बढ़ा है।

संयुक्त राज्य अमेरिका ने भी कीमत चुकाई है। अमेरिकी सैनिक तनावपूर्ण माहौल में तैनात हैं, हताहतों की संख्या बढ़ी है, और युद्ध के लिए सार्वजनिक समर्थन सीमित दिख रहा है। सैन्य संसाधनों और हथियारों पर दबाव बढ़ा है, जिससे लंबे समय तक इसे जारी रखने को लेकर चिंताएं बढ़ी हैं।

भारत के लिए यह संघर्ष कोई दूर की भू-राजनीतिक घटना नहीं है, बल्कि एक प्रत्यक्ष आर्थिक और रणनीतिक चिंता का विषय है।

सबसे पहले, ऊर्जा सुरक्षा खतरे में है। भारत अपनी कच्ची तेल आवश्यकताओं का 85 प्रतिशत से अधिक आयात करता है, और इसका बड़ा हिस्सा खाड़ी से आता है। हॉर्मुज़ स्ट्रेट में किसी भी तरह की रूकावट से तुरंत आयात की लागत बढ़ जाती है और देश में महंगाई का दबाव बनता है। बढ़ती तेल कीमतें भारत के चालू खाता घाटे (करैंट अकाउन्ट डैफिसिट) को बढ़ा सकती हैं और रुपये पर दबाव डाल सकती हैं।

दूसरा, भारत के लाखों प्रवासी श्रमिक खाड़ी क्षेत्र में हैं। संघर्ष की तीव्रता उनकी सुरक्षा को खतरे में डाल सकती है और उस रैमिटैंस (विदेशों से भेजी जाने वाली कमाई) को प्रभावित कर सकती है, जो हर साल भारतीय अर्थव्यवस्था में अरबों डॉलर का योगदान देता है।

तीसरा, यह युद्ध भारत के कूटनीतिक संतुलन की जटिलता बढ़ाता है। नई दिल्ली के संयुक्त राज्य अमेरिका और इज़रायल के साथ नज़दीकी रणनीतिक संबंध हैं, साथ ही ईरान के साथ भी ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण संबंध बने हुए हैं, विशेषकर चाबहार बंदरगाह जैसी कनैक्टिविटी परियोजनाओं को लेकर। लंबा संघर्ष भारत के लिए फैसले लेने की गुंजाइश को कम करता है।

अंत में, पश्चिम एशिया में निरंतर अस्थिरता से वैश्विक विकास धीमा हो सकता है, भारतीय निर्यात को नुकसान पहुँचा सकता है और वित्तीय बाजारों में अस्थिरता बढ़ सकती है।

ऋतब्रत की नियुक्ति को हाईकोर्ट में चुनौती

कोलकाता, 8 जून। पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता के पद को लेकर चल रहा विवाद अब कलकत्ता उच्च न्यायालय तक पहुंच गया है। वरिष्ठ तृणमूल कांग्रेस नेता और बालीगंज से विधायक शोभनदेव चट्टोपाध्याय ने ऋतब्रत बनर्जी को विपक्ष के नेता का दर्जा दिए जाने के फैसले को चुनौती देते हुए अदालत का दरवाजा खटखटाया है।

सोमवार को उनके अधिवक्ता शिशिरन्या बनर्जी ने न्यायमूर्ति कृष्णा राव की एकल पीठ के समक्ष मामले का उल्लेख करते हुए शीघ्र सुनवाई की मांग की। याचिका में आरोप लगाया गया है कि विधानसभा अध्यक्ष ने किसी राजनीतिक दल के पर्याप्त समर्थन के बिना विपक्ष के नेता की नियुक्ति का निर्णय लिया है, जो प्रक्रिया के अनुरूप नहीं है।

- **बंगाल में नेता प्रतिपक्ष ऋतब्रत को नियुक्त करने के खिलाफ टीएमसी नेता शोभनदेव ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की है।**

न्यायालय ने मामले पर संज्ञान लेते हुए सुनवाई के लिए 11 जून की तारीख निर्धारित की है। साथ ही याचिकाकर्ता को निर्देश दिया गया है कि वे मामले, से संबंधित सभी पक्षों को नोटिस जारी करें।

नीट पेपर बनाने वालों को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ये प्रतिबंध 21 जून को परीक्षा आयोजित होने तक लागू रहेंगे। एनटीए ने किसी भी संभावित उल्लंघन को रोकने के लिए कई परतों वाली आंतरिक सुरक्षा भी लागू की है।

री-एग्जाम को लीक-प्रूफ बनाने के लिए, अधिकारियों ने व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की है। भारतीय वायु सेना को प्रश्नपत्रों के परिवहन का जिम्मा सौंपा गया है। इसके अलावा, परीक्षा से संबंधित कार्यों के लिए लगभग पांच लाख सुरक्षा कर्मियों को पूरे देश में तैनात किए जाने की संभावना है।

अधिकारियों ने एआई-सक्षम निगरानी कैमरों और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की बढ़ी हुई निगरानी का भी ऐलान किया है, ताकि परीक्षा प्रक्रिया में किसी भी तरह के उल्लंघन के प्रयास को रोका जा सके।

नीट जैसी बड़ी परीक्षाओं के लिए विस्तृत प्रश्नपत्र निर्माण प्रोटोकॉल हुआ करता है। प्रश्नपत्रों के कई सैट तैयार किए जाते हैं, और प्रत्येक सेट के लिए अलग टीमों को जिम्मेदारी दी जाती है। इस व्यवस्था का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई व्यक्ति यह न जान पाए कि अंतत: कौन सा प्रश्न पत्र परीक्षा में चुना जाएगा।

लेकिन इन सुरक्षा उपायों के बावजूद, हाल ही में हुए लीक ने प्रक्रिया की कमजोरियों को उजागर किया। सीबीआई की जांच के दौरान, पीवी कुलकर्णी का नाम इस प्रकरण में सामने आया, जिन्होंने कथित तौर पर कई वर्षों तक एनटीए में विषय विशेषज्ञ के रूप में काम किया था। जांचकर्ताओं का आरोप है कि उन्हें नीट प्रश्नपत्र के कई सैटों तक पहुँच प्राप्त थी। सीबीआई ने पेपर लीक मामले में कुलकर्णी को गिरफ्तार किया है।

शिक्षा मंत्रालय और एनटीए के बीच कई दौर की चर्चाओं के बाद, अधिकारियों ने घोषणा की कि री-एग्जाम 21 जून को आयोजित किया जाएगा। पेपर लीक की जांच भी केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दी गई है।

विशाखापत्तनम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

होने की आशंका भी जताई जा रही है। हालांकि, घायलों और फंसे श्रमिकों की सटीक संख्या की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हो सकी है।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने हादसे पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट की है। उन्होंने अधिकारियों को राहत एवं बचाव कार्य में तेजी लाने तथा घायलों को समुचित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908